@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 7 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 365 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

झारखंड- ट्रेलर ने 9 लोगों को कुचला, 7 की मौत

झारखंड (एजेंसी)। खूंटी जिले में बड़ा हादसा हुआ। जिले के कर्रा में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन महिलाएं और चार बच्चे हैं।

एक घायल हैं। मृतकों में चार एक ही परिवार के हैं। हादसे में बिरसा नायक की मां-बेटी और नाती की जान गई है। जबकि दूसरे परिवार से चार लोग राजेश की मां, पत्नी और दो बेटियों की मौत हुई है।इधर, सुबह लोगों ने मुआवजे की मांग पर सड़क जाम कर दिया।फगन संगा, कर्मी लोहराइन, सुभानी कुमारी, सोनी कुमारी,



जवंती देवी उर्फ कसीला, अंजली कुमारी और सौरभ नायक एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत स्थानीय निवासी बिरसा नायक ने बताया कि उसके परिवार के तीन सदस्यों की इस हादसे में जान चली गई। पत्नी कसीला देवी, बेटी अंजली और एक साल के नाती की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। बिरसा की दूसरी बेटी खुशबू गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज सदर अस्पताल खूंटी में चल रहा है। इधर, पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में ले लिया है। ड्राइवर और खलासी की तलाश की जा रही है। मां, पत्नी और दो बेटियों की मौत वहीं, हादसे में राजेश की पत्नी फगन संगा, मां कर्मी लोहराइन, बेटी सुभानी कुमारी और सोनी कुमारी की मौत हुई है। राजेश तीन दिन पहले ही मजदूरी करने के लिए गुजरात गए थे।

ओडिशा में लैंडस्लाइड से 7 की मौत, 6 लापता

यूपी के 20 शहरों में कोहरा 5 ट्रेन कैंसिल, तमिलनाडु के 10 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मौसम का अलग-अलग असर देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश में ठंड बढ़ने के साथ सुबह के समय कोहरा छाने लगा है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, बाराबंकी, महराजगंज, श्रावस्ती और संभल समेत करीब 20 शहरों में घना कोहरा देखने को मिला। कोहरे के कारण सड़क और रेल यातायात भी प्रभावित हो रहा है। मिजार्पुर में कोहरे और परिचालन संबंधी परिस्थितियों के चलते पांच ट्रेनों को अगले तीन महीने के लिए रद्द कर दिया गया है। वहीं, ओडिशा के गंजाम जिले के एक पहाड़ी गांव में



भूस्खलन की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। गुरुवार को बचाव अभियान के दौरान पांच और शव बरामद किए गए। हादसे के बाद से छह लोग अब भी लापता हैं। बताया गया कि 28 अक्टूबर को चक्रवात अर्नब के बाद हुए भूस्खलन में कई लोग मलबे में दब गए थे। लापता लोगों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान जारी है।उधर, तमिलनाडु में मौसम विभाग ने कांचीपुरम और तिरुवन्नामलाई समेत 10 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, 6 नवंबर की रात एक बजे तक इन जिलों के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। लोगों को मौसम की स्थिति को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी गई है। दिल्ली-एनसीआर में भी प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू की गई हैं। इसके तहत नए निर्माण कार्य, तोड़फोड़, खुदाई, प्लास्टर और टाइल्स लगाने जैसे कार्यों पर रोक रहेगी। वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है।

वहीं, उत्तराखंड में शुक्रवार को मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। हालांकि पहाड़ी जिलों में कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम कोहरा छा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा।

शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल की अस्पताल में मुलाकात

मुंबई(एजेंसी)। NCP (SP) प्रमुख शरद पवार और अजित पवार गुट के नेता प्रफुल्ल पटेल के बीच गुरुवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई। शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल 10 नवंबर के बाद मुंबई में फिर मुलाकात कर चर्चा करेंगे। सामने आए वीडियो में दोनों नेता इस पर सहमति जताते सुनाई दे रहे हैं। हालांकि, बातचीत किन मुद्दों पर होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है।इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में ठउढ के दोनों गुटों के एक होने की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, दोनों गुट पार्टी के विलय से इनकार कर चुके हैं। शरद पवार भी पहले स्पष्ट कर चुके हैं कि उनकी पार्टी किसी दूसरी पार्टी में विलय नहीं करेगी। इस बीच, सुप्रिया सुले के केंद्रीय मंत्री बनने की अटकलें भी तेज हैं। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने संकेत दिया है कि आगामी कैबिनेट विस्तार में उन्हें जगह मिल सकती है। हालांकि, सुप्रिया सुले ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शरद पवार को फोन कर उनकी तबीयत का



हाल पूछा था। पवार के करीबी विट्ठल मणियार के मुताबिक, मोदी ने उन्हें आराम करने की सलाह दी और कहा कि सुप्रिया सुले देश की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं।अमित शाह से मुलाकात के बाद बढ़ीं चचाएं प्रफुल्ल पटेल की शरद पवार से मुलाकात से पहले ठउढ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इसके बाद पार्टी में नेतृत्व और आपसी मतभेद की चचाएं शुरू हो गईं, हालांकि नेताओं ने इन्हें खारिज किया है। वहीं, सुनेत्रा पवार के आवास पर हुई बैठक में करीब 50 विधायक और मंत्री शामिल हुए। इस दौरान NCP नेताओं ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। 2023 में अजित पवार अपने समर्थक विधायकों के

अयोध्या में दीपोत्सव: 30 लाख दीयों की रोशनी से नहाएगा पावन सरयू घाट, राम मंदिर में होंगे विशेष आयोजन

कौमी संवाददाता

लखनऊ। रामनगरी दसवें दीपोत्सव पर एक और विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए तैयार है। राम की पैड़ी सहित सरयू तट के 56 घाटों पर 30 लाख से अधिक दीये सजाए जा चुके हैं। अवध विश्वविद्यालय के 35 हजार स्वयंसेवकों ने तीन दिन की मेहनत के बाद शुक्रवार को दीप सज्जा का काम पूरा कर लिया। शाम को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के दीप प्रज्वलन के बाद सभी घाटों पर एक साथ दीप जलाए जाएंगे। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. एसएस मिश्र ने बताया कि शनिवार सुबह से स्वयंसेवक दीयों में तेल और बाती डालेंगे। इसके लिए 900 घाट समन्यवयक, 112 घाट प्रभारी और 27 प्रवेक्षकों की जिम्मेदारियां तय की गई हैं। प्रत्येक टीम को अपने क्षेत्र का काम निर्धारित समय में पूरा करना होगा। दीप सज्जा पूरी होने के बाद कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इतने बड़े लक्ष्य को निर्धारित समय में पूरा करना चुनौतीपूर्ण था। स्वयंसेवकों ने परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से इसे संभव बनाया है। राम की पैड़ी और आसपास के घाटों पर दीयों से बनाई गई कलात्मक आकृतियां पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। घाटों पर सजी दीपों की कतारों के साथ रंगोली के अलग-अलग पैटर्न भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। देशी-विदेशी पर्यटक इन सजावटों को देखने पहुंच रहे हैं। दीपोत्सव में अर्जेंटीना से आई कैरोलिना ने बताया कि इस तरह का दृश्य पहली बार देखी हूं। बहुत अच्छा लग रहा है। दीप प्रज्वलन के दौरान स्वयंसेवक सूती कपड़े पहनकर आएं। सिंथेटिक और ढीले वस्त्रों से बचें। लंबे बाल बांधकर रखें और दुपट्टे को संभालकर रखें। तेल डालते समय दीयों के आसपास तेल न फैलने दें। जलते दीपों के पास तेल की बोतल या अन्य ज्वलनशील सामग्री न रखें। आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय घाट प्रभारी और सुरक्षा कर्मियों को सूचना दें। भीड़ में धक्का-मुक्की न करें और निर्धारित रास्तों से ही आवागमन करें। दीपोत्सव में सात नवंबर को वीवीआईपी को एयरपोर्ट, होटल और शहर के अन्य निर्धारित स्थानों से आयोजन स्थल तक लाने और कार्यक्रम के बाद वापस पहुंचाने की जिम्मेदारी 80 गोल्फकार्ट को दी जाएगी। इसमें 10 ट्रैवलर और रोडवेज की 20 एसी बसें भी शामिल की गई हैं। एआरटीओ गुलाब चंद्र ने बताया कि अतिथियों के आने का सिलसिला एयरपोर्ट से शुरू होगा। वहां से उन्हें निर्धारित होटलों और अन्य स्थानों तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद राम की पैड़ी और रामकथा पार्क में आयोजित कार्यक्रमों के लिए भी वाहनों की उपलब्धता रहेगी। इस बार दीपोत्सव में 56 घाटों पर 30 लाख से अधिक दीप सजाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस वर्ष अयोध्या का दसवां दीपोत्सव %%नव भारत की नई अयोध्या%% का प्रतीक बनेगा। राम की पैड़ी पर 30 लाख दीप जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। धर्मपथ पर 50 डिजिटल स्तंभ लगाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग से प्रवेश द्वार तक 12-12 फीट ऊंचे ये स्तंभ रामायण के प्रसंगों और डिजिटल प्रकाश शो को प्रदर्शित करेंगे। ये स्तंभ आधुनिक तकनीक और धार्मिक भावना का समन्वय प्रस्तुत करेंगे। रामकथा पार्क, हनुमानगढ़ी, बिरला मंदिर और सरयू ब्रिज सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों को भी भव्य प्रकाश व्यवस्था से सजाया जा रहा है। सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सात नवंबर को राम की पैड़ी पर 30 लाख दीप जलेंगे और धर्मपथ पर डिजिटल स्तंभ चमकेंगे। राम जन्मभूमि परिसर में भी दीपोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर परिसर में कुल एक लाख दीप जलाए जाएंगे। इसके लिए पूरे परिसर को पांच सेक्टर में विभाजित कर 1500 मंदिर कर्मियों को जिम्मेदारी दी गई है। शुक्रवार को राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव गोविंद देव गिरि ने पूरे परिसर का भ्रमण कर दीपोत्सव की तैयारियों को परखा। उन्होंने बताया कि राम मंदिर समेत परिसर के सभी 18 मंदिरों में इस बार दीप जलाए जाएंगे।



कार्यक्रम स्थल पर लगायी गयी व्यंजन प्रदर्शनी का अवलोकन तथा ओ0डी0ओ0सी0 के दक्ष कारीगरों को सम्मानित किया

कौमी पत्रिका

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पारम्परिक पाक कला, खान-पान की विविधता और स्थानीय व्यंजनों में रोजगार सृजन तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता की अपार सम्भावनाएँ हैं। प्रदेश के प्रत्येक जनपद की अपनी विशिष्ट पाक



परम्परा, स्वाद और व्यंजन हैं। इन पारम्परिक व्यंजनों को उचित मंच, तकनीक, पैकेजिंग, ब्राण्डिंग और बाजार उपलब्ध कराकर वैश्विक पहचान दिलायी जा सकती है। राज्य सरकार 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' की सफलता के बाद 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' (ओ0डी0ओ0सी0) को भी तहसील, ब्लॉक, ग्राम और कस्बा स्तर तक विस्तारित करने की दिशा में कार्य कर रही है, ताकि स्थानीय कारीगरों, हलवाइयों, महिलाओं और पारम्परिक पाक कला से जुड़े परिवारों की आय में वृद्धि हो सके।मुख्यमंत्री जी आज समाचार पत्र दैनिक जागरण द्वारा आयोजित 'टेस्ट ऑफ उत्तर प्रदेश ईट, कनेक्ट, सैलिब्रेट-वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर लगायी गयी व्यंजन प्रदर्शनी का अवलोकन तथा ओ0डी0ओ0सी0 के दक्ष कारीगरों को सम्मानित किया।हमारे घरों में पीढ़ियों से माताएँ, बहनें, दादियाँ और नानियाँ पारम्परिक व्यंजन बना रही हैं। उनके अनुभव और पाक कला को उचित पहचान मिलनी चाहिए। हलवाई अपने हुनर और रचनात्मकता से नए-नए पकवान तैयार करते हैं। इन सभी की प्रतिभा को मंच प्रदान करना ही इस अभियान का उद्देश्य है। यही स्वदेशी का वास्तविक मॉडल है और इसे ही 'लोकल टू ग्लोबल' की अवधारणा कहा जाता है। हमें अपने स्थानीय उत्पादों और परम्पराओं के प्रति जागरूक होकर उन्हें वैश्विक बाजार तक पहुँचाने के लिए मुखर होना होगा।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारी प्राचीन परम्परा में अन्न को अत्यन्त सम्मान दिया गया है। शास्त्रों में 'अन्नं ब्रह्म' कहकर अन्न को ब्रह्म का स्वरूप माना गया है। 'जैसा खाएंगे अन्न, वैसा रहेगा मन' की मान्यता भारतीय जीवन दर्शन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। भारतीय समाज में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं माना गया, बल्कि उसे कला, संस्कृति, परम्परा और आध्यात्मिकता से भी जो ?ा गया है। आज की आधुनिक भाषा में इसे मूल्य संवर्धन कहा जा सकता है। भारत में प्राचीन काल से ही अन्न को विभिन्न रूपों में तैयार करके अनेक प्रकार के व्यंजन बनाने की समृद्ध परम्परा रही है।मथुरा-वृन्दावन में ठाकुर जी को 56 भोग अर्पित किए जाते हैं। यह हमारी समृद्ध पाक कला और भोजन की विविधता का उदाहरण है। अच्छी पाक कला में वही व्यक्ति पारंगत हो सकता है, जिसका मन और अंत:करण शुद्ध हो। शुद्ध मन और अच्छे भाव से तैयार किया गया भोजन ही वास्तविक अर्थों में सुस्वादिष्ट और श्रेष्ठ होता है।वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश की वास्तविक ताकत की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा था कि प्रदेश की शक्ति उसकी पारम्परिक खेती-बाड़ी के साथ-साथ परम्परागत उद्यमों में निहित है। जब खेती और पारम्परिक उद्यमों को एक साथ जो ?ा जाएगा, तभी उत्तर प्रदेश आर्थिक रूप से सशक्त बनेगा। उस समय उन्होंने वर्तमान केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी से परम्परागत उद्यमों का अर्थ जानना चाहा था। इस पर श्री शाह ने मुरादाबाद के पीतल उद्योग, अलीगढ़ के ताला उद्योग और वाराणसी की साड़ी सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के पारम्परिक उत्पादों का उदाहरण दिया था।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में एक कार्यक्रम के सिलसिले में उन्हें स्वयं म्यांमार जाना पड़ा।

शेष पृष्ठ 3 पर

लापता दो महिलाओं का सुराग नहीं, ड्रोन से भी तलाश जारी

उत्तरकाशी। गंगनानी के पास भागीरथी नदी में समाई इनोवा कार हादसे में लापता दो महिलाओं का दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। शुक्रवार को जिला प्रशासन ने लापता महिलाओं की तलाश के लिए सर्च अभियान दिनभर जारी रखा। पुलिस, राजस्व विभाग, एनडीआरएफ और आपदा प्रबंधन की टीमें घटनास्थल सहित नदी के आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन कर रही हैं। तलाश के लिए ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। बृहस्पतिवार सुबह करीब छह बजे गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी से डबराणी की ओर जा रही गुजरात के यात्रियों से भरी इनोवा कार अनियंत्रित होकर भागीरथी नदी में समा गई थी। वाहन में चालक समेत सात लोग सवार थे। हादसे के बाद शुरू किए गए रेस्क्यू अभियान में चार लोगों के शव बरामद किए गए थे, जबकि एक गंभीर घायल को सुरक्षित निकालकर हेलिकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया था।

हरित पटाखे ही जलाएं और तय समयसीमा का पालन करें: दिल्ली सरकार की नागरिकों से अपील



नई दिल्ली, एजेंसी।
दीपावली से पहले दिल्ली सरकार ने आम जनता से अपील की है कि वे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में त्योहार आसपास सीमित अवधि के दौरान केवल प्रमाणित हरित पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल को लेकर उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करें।
जिला मजिस्ट्रेट (पूर्व) ने एक आदेश में कहा, ''केवल सात और आठ नवंबर को सुबह छह बजे से सात बजे तक और रात आठ बजे से 10 बजे तक हरित पटाखे जलाने की अनुमति होगी। निर्धारित समयसीमा के परे पटाखे जलाना सख्त मना है।''
यह आदेश बृहस्पतिवार को मुख्य सचिव राजीव वर्मा की अध्यक्षता में हुई एक प्रशासनिक बैठक के बाद आया है।
आदेश में कहा गया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य अधिसूचित 'शांत क्षेत्र' के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर पूरी तरह से रोक है।
इसमें कहा गया, ''केवल सीएसआईआर-नीरी की वेबसाइट पर सूचीबद्ध प्रमाणित हरित पटाखे की बिक्री की अनुमति होगी। सभी डिब्बों पर सील होना अनिवार्य है और उन पर वैध उत्पाद व बैच से संबंधित क्यूआर कोड होना चाहिए।''
आदेश के अनुसार, हरित पटाखे केवल दिल्ली पुलिस द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही बेचे जाएंगे और अनधिकृत स्थानों से या ऑनलाइन मंच के माध्यम से बिक्री पर सख्त प्रतिबंध है।
प्रतिबंधित पटाखों की अनधिकृत बिक्री और उपयोग को रोकने के लिए जिला प्रशासन और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की संयुक्त गश्त और प्रवर्तन टीम नियमित निरीक्षण करेंगी।
दो नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने दिवाली के आसपास निर्धारित अवधि में दिल्ली-एनसीआर में स्वीकृत हरित पटाखों के निर्माण, बिक्री और उपयोग की अनुमति दी थी, और नौ नवंबर से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध बहाल करने का निर्देश दिया था।

छठ पूजा के लिए यमुना खादर और डीडीए पार्कों में मुफ्त मिलेंगे घाट

-उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। छठ पूजा के लिए दिल्ली में यमुना खादर और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकार क्षेत्र वाले सार्वजनिक स्थानों और पार्कों में श्रद्धालुओं को घाट बनाने के लिए जगह और तालाब मुफ्त उपलब्ध कराए जाएंगे। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को डीडीए की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को यह निर्देश दिए। उपराज्यपाल ने कहा कि श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाने वाले स्थानों और तालाबों की छठ पूजा से पहले अच्छी तरह सफाई कराई जाए। साथ ही वहां रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था की जाए, ताकि पूजा के दौरान लोगों को परेशानी न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि घाट के लिए जगहों का आवंटन पारदर्शी तरीके से किया जाए। इसके लिए स्थानीय जरूरतों, पहले के वर्षों में हुए इस्तेमाल और श्रद्धालुओं की मांग को आधार बनाया जाए। खासतौर पर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए लोगों की जरूरतों का ध्यान रखने को कहा गया है। उपराज्यपाल ने व्यवस्था संभालने के लिए विशेष कर्मचारियों और अधिकारियों की तैनाती करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने डीडीए को दिल्ली सरकार के संबंधित विभागों, दिल्ली जल बोर्ड और नगर निगम के साथ समन्वय बनाकर काम करने को कहा। पूजा समाप्त होने के बाद घाट स्थलों की सफाई और उन्हें पहले की स्थिति में बहाल करने की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े रंगदारी मामले में नोरा फतेही दिल्ली की अदालत में पेश हुईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री नोरा फतेही कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के रंगदारी मामले में शुक्रवार को दिल्ली की एक अदालत में पेश हुईं। वह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गगनदीप सिंह की अदालत में सूचीबद्ध गवाह के रूप में पेश हुईं। मामले में अदालत की कार्यवाही फिलहाल जारी है। अदालत इससे पहले भी उन्हें दो बार तलब कर चुकी है। इससे पहले जब नोरा फतेही के वकील ने अदालत में उनकी पेशी से छूट देने का अनुरोध किया था, तब अदालत ने कहा था, 'इस मामले को हल्के में नहीं लिया जा सकता... गवाह होने के नाते आपको अदालत में पेश होना चाहिए था। आपका आचरण उचित नहीं है। अदालत को हल्के में न लें।'

दिल्ली में 2.65 लाख रु. के जाली नोटों के साथ बिहार के दो युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने मध्य दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में नकली भारतीय मुद्रा की आपूर्ति करने वाले एक कथित गिरोह का भंडाफोड़ कर बिहार के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 2.65 लाख रुपये से अधिक मूल्य के जाली नोट बरामद किए गए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपियों की पहचान मुजफ्फरपुर निवासी दिनेश कुमार झा (36) और सतीश कुमार (20) के रूप में हुई है। दोनों को बृहस्पतिवार को मिली एक सूचना के आधार पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने स्थित एक गेस्ट हाउस में छापेमारी के दौरान पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया, 'छापेमारी करने वाली टीम ने आरोपियों के कब्जे से 2,65,100 रुपये मूल्य के नकली नोट बरामद किए। जब्त की गई मुद्रा की जांच के लिए अपराध शाखा की टीम और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को मौके पर बुलाया गया।' पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि वे नकली नोट बेचने के लिए दिल्ली आए थे और इसके लिए संभावित ग्राहकों की तलाश कर रहे थे। अधिकारी के अनुसार, आरोपियों की योजना एक लाख रुपये के नकली नोटों को 25 से 30 हजार रुपये की असली मुद्रा के बदले बेचने की थी। हालांकि, गिरफ्तारी से पहले वे न तो किसी ग्राहक को तलाश पाए थे और न ही कोई सौदा तय कर सके थे। आरोपियों ने पुलिस को यह भी बताया कि एक व्यक्ति ने उन्हें ये नकली नोट मुहैया कराए थे। पुलिस अब उस आपूर्तिकर्ता की भूमिका की जांच कर रही है और गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि बरामद कुल नकली मुद्रा में से 2,45,100 रुपये के नोट झा के पास से, जबकि 20 हजार रुपये के नोट सतीश के कब्जे से मिले। अधिकारी ने बताया कि झा इससे पहले भी 2023 में दर्ज नकली मुद्रा के एक मामले में शामिल रहा है। मामले की आगे की जांच जारी है।

अवैध पटाखे बेचने के आरोप में एक व्यक्ति पकड़ा गया, 8.5 किलो पटाखे जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में अपने घर से कथित तौर पर अवैध पटाखे बेचने के आरोप में 51 वर्षीय एक व्यक्ति को पकड़ा है। पुलिस ने उसके पास से विभिन्न किस्म के 8.5 किलोग्राम पटाखे बरामद किए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान धर्मेश के रूप में हुई है। उसे चार नवंबर को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम आरोपी के ठिकाने पर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया। इसके बाद परिसर की तलाशी ली गई, जिसमें विभिन्न किस्म के 8.5 किलोग्राम पटाखे बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है।

आईएफएफ व एसएफएलसी के अकाउंट बंद करने का अनुरोध एक जालसाज ने भेजा था : पुलिस ने अदालत से कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि एक जालसाज ने कथित तौर पर दिल्ली पुलिस की ओर से इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) और सॉफ्टवेयर फ्रीडम लॉ सेंटर, इंडिया (एसएफएलसी) के सोशल मीडिया अकाउंट बंद करने का अनुरोध भेजा था। 'एक्स' के वकील ने न्यायमूर्ति अमित महाजन के समक्ष यह बात कही। न्यायमूर्ति इन दोनों संगठनों की ओर से इस मामले में दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे थे। वकील ने कहा कि इस संबंध में दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है और याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। 'एक्स' के वकील ने कहा, ''हमने इस अनुरोध पर कार्रवाई नहीं की। दिल्ली पुलिस की ओर से ऐसे नोटिस नहीं भेजे जाते। हमने जालसाज का पता लगाने के लिए कल रात दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।'' याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि 'विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध)' की ओर से कथित तौर पर 'एक्स' को कुछ नोटिस जारी किए गए थे। इनमें मंच से तीन घंटे के भीतर उनके अकाउंट से कुछ पोस्ट हटाने या उन पर रोक लगाने के साथ ही पूरे अकाउंट को बंद करने को कहा गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि हालांकि, इन नोटिस की प्रामाणिकता संदिग्ध थी। 'एक्स' के रुख को देखते हुए अदालत ने याचिकाओं पर सुनवाई समाप्त कर दी।

दिवाली से दो दिन पहले दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी की ओर बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को धुंध की घनी चादर छाई रही, जिससे वायु गुणवत्ता में तेज गिरावट आने के साथ एक्यूआई 391 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी के करीब है। दिल्ली के 59 निगरानी केंद्रों में से 30 पर सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई, जबकि शेष केंद्रों पर यह बेहद खराब श्रेणी में रही। रोहिणी में सबसे अधिक 475 एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) दर्ज किया गया, जबकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में यह 472 रहा। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार को इस मौसम का पहला ऐसा दिन रहने की आशंका है, जब वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंच जाएगी और इसके आठ नवंबर यानी दिवाली तक इसी स्थिति बने रहने का अनुमान है। यह पूर्वानुमान ऐसे समय आया है, जब राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पराली जलाने का दौर चरम पर है। वहीं, दिवाली पर पटाखों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण के स्तर को और बढ़ा सकता है। दिल्ली में शुक्रवार सुबह वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। सुबह आठ बजे एक्यूआई 389 था, जो नौ बजे बढ़कर 391 हो गया। इससे वायु गुणवत्ता में और गिरावट का संकेत मिला। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बेहद खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' श्रेणी में रखा जाता है।

दिल्ली की हवा नहीं सुधरी तो लोग सड़कों पर उतरेंगे : नेहा

-प्रदूषण के खिलाफ प्रेस क्लब में जुटे नागरिक, पर्यावरण कार्यकर्ता और छात्र नेता

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के खिलाफ शुक्रवार को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरणविदों ने बैठक कर सरकार से तत्काल कदम उठाने की मांग की। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा ने चेतावनी दी कि यदि दिल्ली की हवा को नहीं सुधारा गया तो लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। बैठक का संचालन करते हुए आइसा नेता अंजलि ने कहा कि प्रदूषण का संकट राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी का नतीजा है। सरकारें इस समस्या पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही हैं, जिसका सबसे अधिक खामियाजा गरीब और मेहनतकश परिवारों को भुगतना पड़ता है।
पर्यावरण कार्यकर्ता भावरीन खंडारी ने कहा कि ताप बिजली संयंत्रों में सल्फर उत्सर्जन कम करने और कचरे से बिजली बनाने वाले संयंत्रों के प्रदूषण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहीं, नागरिकों पर कार्रवाई की जाती है। उन्होंने सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की।

स्वास्थ्य और समानता से जुड़ा संकट

नेहा ने कहा कि प्रदूषण स्वास्थ्य और समानता से जुड़ा संकट है। उन्होंने 2022 में वायु प्रदूषण के कारण 17 लाख लोगों की मौत का आंकड़ा रखते हुए कहा कि राज्य सरकारें जिम्मेदारी लेने के बजाय एक-दूसरे पर आरोप लगा रही हैं।
पर्यावरण शोधकर्ता सौरत्रिक गोस्वामी ने कहा कि वाहनों और उद्योगों से होने वाला प्रदूषण दिल्ली की खराब हवा के बड़े कारण हैं, लेकिन सरकारें पड़ोसी राज्यों के किसानों पर जिम्मेदारी डालती हैं। जेएनयू छात्रसंघ की उपाध्यक्ष के. गोपिका बाबू ने कहा कि एयर प्यूरीफायर, घर से काम और ऑनलाइन पढ़ाई जैसे विकल्प सभी के लिए उपलब्ध नहीं हैं। बैठक में सरकार से प्रदूषण पर ठोस और जवाबदेह कार्रवाई करने की मांग की गई।

अदालत ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध करने वाली शिकायत खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को उस शिकायत को खारिज कर दिया, जिसमें दिल्ली सरकार के अधिकारियों की तुलना कथित तौर पर भगवान हनुमान से करने के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया गया था।
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने शिकायत को खारिज कर दिया। विस्तृत आदेश का इंतजार है।
दिल्ली पुलिस ने 15 अक्टूबर को एक स्थिति रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें कहा गया था कि मामला दर्ज करने का कोई आधार नहीं है, क्योंकि इसमें कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता है।
जवाब में कहा गया था, ''कोई संज्ञेय अपराध नहीं हुआ है और प्राथमिकी दर्ज करने का कोई आधार नहीं है।''
इससे पहले, तीन अक्टूबर को अदालत ने कश्मीरी गेट पुलिस थाने के प्रभारी से स्थिति रिपोर्ट मांगी थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, रेखा गुप्ता ने 23 सितंबर, 2025 को कश्मीरी गेट के पास आईएसबीटी पर एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की थी।
यह कार्यक्रम दिल्ली से उत्तर प्रदेश के बड़ौत तक दिल्ली परिहवन निगम की बस सेवा शुरू करने के लिए आयोजित किया गया था।

दौलत राम कॉलेज के सहायक प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न के आरोपों का महिला आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान

नई दिल्ली, एजेंसी।
राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दौलत राम कॉलेज के एक सहायक प्रोफेसर पर छात्रा द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न, दबाव बनाने और छेड़छाड़ के आरोपों से जुड़ी मीडिया की खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया है।
आयोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि शिकायत में तीन महीने से अधिक समय तक बार-बार उत्पीड़न किए जाने का आरोप लगाया गया है और इसमें कथित तौर पर ''अनुचित'' संदेश भेजने व 27 अक्टूबर को कॉलेज परिसर में हुई एक घटना का भी उल्लेख है।
राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने दौलत राम कॉलेज की प्राचार्य को पत्र लिखकर कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम (पॉश) अधिनियम, 2013 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के लागू नियमों के तहत आंतरिक समिति से निष्पक्ष, तटस्थ और समयबद्ध जांच कराने को कहा है।
आयोग ने शिकायतकर्ता की सुरक्षा के लिए उचित एहतियाती कदम उठाने, उसे शैक्षणिक स्तर पर किसी भी तरह के प्रतिशोध से बचाने, मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने और उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखने का भी आग्रह किया है।
आयोग ने कहा कि उसने शैक्षणिक संस्थानों में पॉश अधिनियम के कड़ाई से पालन की आवश्यकता पर जोर दिया है।
आयोग ने कहा, ''उसने की गई कार्रवाई के संबंध में 15 दिन के भीतर रिपोर्ट मांगी है।''
विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बुधवार को कहा था कि छात्रा की शिकायत के बाद सहायक प्रोफेसर को छुट्टी पर भेज दिया गया है और आंतरिक शिकायत समिति मामले की जांच कर रही है।
शिकायतकर्ता की ओर से बात करते हुए एक छात्रा ने आरोप लगाया कि प्रोफेसर ने पीड़िता को कई ''अनुचित'' संदेश भेजे, उससे छेड़छाड़ करने की कोशिश की और यहां तक कि उसे परीक्षा में फेल करने की धमकी भी दी।
छात्रा के मुताबिक, कथित घटना 27 अक्टूबर की है और इसकी शिकायत 29 अक्टूबर को दर्ज कराई गई थी।

दिवाली पर डॉक्टरों की सलाह- अस्थमा और एलर्जी से पीड़ित बच्चे पटाखों से दूर रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में दिवाली पर कुछ समय के लिए पर्यावरण-अनुकूल पटाखे फोड़ने की भले ही अनुमति दे दी हो, लेकिन डॉक्टरों ने आगाह किया है कि एलर्जी राइनाइटिस, अस्थमा और ब्रोंकाइट्स से पीड़ित बच्चे त्योहार पर पटाखे जलाने से परहेज करें, क्योंकि इनका धुआं उनकी तबीयत बिगाड़ सकता है। लोकनायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के एक वरिष्ठ डॉक्टर ने कहा कि दिवाली पर भले ही हरित पटाखे फोड़े जाएं, लेकिन हर पटाखे में बारूद होता है जिससे धुआं निकलता है। उनके मुताबिक, हरित पटाखों से भले ही कम धुआं निकले, पर धुआं निकलेगा ज़रूर और यह उन बच्चों के लिए नुकसानदेह हो सकता है, जो प्रदूषण के प्रति पहले से संवेदनशील हैं तथा एलर्जी राइनाइटिस (बार-बार छींक आना), अस्थमा, ब्रोंकाइट्स और इसी तरह की अन्य श्वसन समस्याओं से पीड़ित हैं। उन्होंने एलर्जी की आनुवंशिक प्रवृत्ति होने के कारण एलर्जी राइनाटिस, अस्थमा, ब्रोंकाइट्स, साइनस जैसी स्थितियों से जूझ रहे माता-पिता को प्रदूषण और सर्दियों के दौरान अपने बच्चों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। डॉक्टर ने बताया कि ऐसे माता-पिता के बच्चों की सांस की नलियां अधिक संवेदनशील हो सकती हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ने पर उनकी परेशानी बढ़ने की आशंका रहती है। हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि उनके बच्चों को एलर्जी की समस्या हो ही, लेकिन एहतियात बरतना बेहद जरूरी है। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में दिवाली पर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सात और आठ नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे तक हरित पटाखे चलाने की अनुमति दी है। हालांकि, अदालत ने यह भी कहा कि पटाखे चलाने से निश्चित रूप से प्रदूषण बढ़ेगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को घने स्मॉग की चादर छाई रही। वायु गुणवत्ता में तेज गिरावट दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 पर पहुंच गया, जो 'गंभीर' श्रेणी के करीब है। दिल्ली के बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में बाल रोग विभाग के निदेशक डॉ. विवेक जैन ने कहा कि प्रदूषित हवा के संपर्क में आने से बच्चों में लगातार खांसी, घरघराहट, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। लंबे समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से फेफड़ों के सामान्य विकास और उनकी कार्यक्षमता पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका रहती है।

दिल्ली सरकार की नीतियों से परेशान ऑटो-टैक्सी चालक मनाएंगे 'काली दिवाली'

-15 नवंबर तक बैठक नहीं हुई तो 20 नवंबर से मुख्यमंत्री आवास पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करने की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन एवं ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस प्रकोष्ठ ने परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली एवं नीतियों के विरोध में 'काली दिवाली दिवस' मनाने का निर्णय लिया है। संगठन के अध्यक्ष किशन वर्मा ने कहा कि दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग की लापरवाही, गलत नीतियों तथा अड़ियल रवैये के कारण हजारों ऑटो-टैक्सी चालकों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। अगर आगामी 15 नवंबर तक सरकार के साथ उनकी बैठक नहीं हुई तो वह 20 नवंबर को मुख्यमंत्री आवास पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करेंगे। किशन वर्मा ने कहा कि बीते 27 अक्तूबर से बुराड़ी फिटनेस केंद्र पर वाहनों की फिटनेस जांच का कार्य बंद पड़ा है। एटीएस व्यवस्था लागू करने को लेकर ऑटो-टैक्सी चालकों और उनके संगठनों को विभाग की ओर से कोई सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की गई। त्योहारों के समय जब हर परिवार अपने बच्चों और परिजनों के साथ खुशियां मनाना चाहता है, तब दिल्ली का ऑटो-टैक्सी चालक अपने वाहन की फिटनेस, दस्तावेजों और रोजी-रोटी की चिंता में परेशान है। वाहन सड़क पर नहीं चलेगा तो परिवार का खर्च कैसे चलेगा। बच्चों की पढ़ाई, घर का राशन और अन्य जरूरी खर्च कैसे पूरे होंगे। किशन ने मांग की कि ऑटो-रिक्शा और काली-पीली टैक्सियों को एटीएस फिटनेस व्यवस्था से बाहर रखा जाए।

एक्यूआई डेटा में फर्जीवाड़ा दिल्लीवालों की जान के साथ खिलवाड़ : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार दिल्ली के एक्यूआई डेटा में फर्जीवाड़ा कर रही है। आप प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने इसके चलते दिल्लीवालों को सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दीपावली से पहले ही जहरीली हो चुकी हवा में लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। ऐसे में सरकार की ओर से फर्जीवाड़ा कर प्रदूषण की असल स्थिति छिपाना लोगों के लिए और भी खतरनाक हो सकता है। अगर हॉर्ट का कोई मरीज सरकार के फर्जी डेटा पर यकीन कर सुबह सैर के लिए बाहर निकलता है तो उसे हार्ट अटैक भी आ सकता है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि किसी के घर में अगर दिल की बीमारी से जूझ रहे बुजुर्ग सरकार के एक्यूआई को मीडिया या ऐप में देखेंगे तो उन्हें लगेगा कि यह ज्यादा नहीं है। क्योंकि सरकार का ऐप इसे 150-175 के करीब ही दिखा रहा है जो असल में 450 के आसपास होता है। लेकिन सरकार पानी का छिड़काव करके इसे कम दिखा रही है। अगर यह बुजुर्ग सुबह की सैर पर जाते हैं तो हवा में मौजूद छोटे और जहरीले कण सांस के जरिए उनके फेफड़ों से होते हुए खून तक पहुंचेंगे। इससे उनके खून की नलियों में सूजन हो सकती है और ब्लड क्लॉट बन सकते हैं। इसके कारण, बिना किसी बड़े लक्षण के उन्हें तुरंत हार्ट अटैक आ सकता है।

रोहिणी में 30 हजार नकली सिगरेट जब्त, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रोहिणी जिले में नारकोटिक्स स्क्वाड ने छापेमारी कर 30,000 नकली गोल्ड फ्लेक सिगरेट बरामद की हैं। पुलिस ने मौके से 39 वर्षीय आरोपी एमडी फैजान को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इंस्पेक्टर राकेश के नेतृत्व में और सहायक पुलिस आयुक्त अजमेर सिंह की निगरानी में टीम को थाना नॉर्थ रोहिणी क्षेत्र में नकली सिगरेट की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर सेक्टर-4 में छापेमारी कर आरोपी को दबोच लिया गया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक अशोक तोमर, हेड कांस्टेबल पुनीत और कांस्टेबल नाजिम शामिल रहे। मामले में थाना विजय विहार में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल के अनुसार, पुलिस अब नकली सिगरेट की आपूर्ति से जुड़े पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। मामले की जांच जारी है।

चावड़ी बाजार में इमारत ढहने के मामले में तीन ठेकेदार फरीदाबाद से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के चावड़ी बाजार इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत ढहने के मामले में फरीदाबाद से तीन ठेकेदारों को गिरफ्तार किया गया है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई थी और कम से कम चार लोग घायल हुए थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान सिराज, ताजुद्दीन और फुरकान के रूप में हुई है, जिन्हें फरीदाबाद के सिरोही गांव से पकड़ा गया। वे पुरानी दिल्ली के अजमेरी गेट इलाके के रहने वाले हैं। इस घटना के सिलसिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत दर्ज मामले में ये गिरफ्तारियां की गईं।

शैक्षणिक संस्थानों व उनके आसपास एमसीडी ने चलाया विशेष सफाई अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के छह दिवसीय विशेष गहन सफाई अभियान के पांचवें दिन शुक्रवार को स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और अन्य प्रमुख संस्थागत क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। निगम के सभी 12 क्षेत्रों में संचालित इस अभियान के तहत शैक्षणिक संस्थानों के संपर्क मार्गों, फुटपाथों, सेंट्रल वर्ज, ग्रीन बेल्ट और आसपास के क्षेत्रों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया।
दक्षिण क्षेत्र में साउथ कैंपस के कॉलेजों, वसंत विहार, तिगड़ी एमबी रोड स्थित सत्य नारायण मंदिर के निकट, बीआईसीआईटी कैंप तथा हेरिटेज स्कूल के आसपास सफाई अभियान चलाया गया। इसमें करीब 250 सफाई कर्मचारियों को 23 टिपर और 11 पानी के टैंकरों के साथ तैनात किया गया। इस दौरान लगभग 35 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई। साथ ही सेंट्रल वर्ज, ग्रीन बेल्ट, फुटपाथों और सड़क किनारे से करीब आठ मीट्रिक टन धूल तथा तीन मीट्रिक टन कूड़ा एवं अपशिष्ट हटाया गया। पानी के टैंकरों से लगभग 35 किलोमीटर सड़कों की धुलाई भी की गई।
पूर्वी क्षेत्र में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, विश्वास नगर वार्ड संख्या 207 और अरुणोदय पब्लिक स्कूल के आसपास सफाई अभियान चलाया गया। वहीं, उत्तर पूर्वी क्षेत्र में विवेक विहार स्थित आईटीआई परिसर और विश्व स्तरीय कौशल केंद्र के सामने विशेष सफाई की गई। इसमें विद्यार्थियों ने भी सक्रिय भागीदारी की। प्रमुख सड़कों पर सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 2,235 सफाई कर्मचारी तैनात किए गए। इनके साथ तीन मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनें, चार जेटिंग-कम-स्प्रिंकलर मशीनें, 16 ऑटो टिपर और 12 ई-रिक्शा भी लगाए गए।
रोहिणी क्षेत्र में जेआईएमएस कॉलेज के आसपास की सड़कों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में द्वारका के चिह्नित हॉटस्पॉट क्षेत्रों में सफाई कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान डीडीए के खुले मैदानों, खुले ढलावों और रियायतग्राहियों द्वारा संचालित फिक्स्ड कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशनों की सफाई व्यवस्था की जांच की गई। सैनिटरी इंस्पेक्टरों और संबंधित टीमों के कार्यों की भी समीक्षा की गई। निरीक्षण में विभिन्न अनियमितताएं पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही गई।
पुरानी दिल्ली क्षेत्र में डीडीयू मार्ग और इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय परिसर में सफाई अभियान का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा बुधनगर में भी विशेष सफाई गतिविधियां संचालित की गईं। निगम के अनुसार अभियान का उद्देश्य शैक्षणिक एवं संस्थागत क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना और शिक्षण संस्थानों के आसपास स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना है। एमसीडी ने नागरिकों, विद्यार्थियों और संस्थानों से अपने आसपास सफाई बनाए रखने तथा कचरे का उचित प्रबंधन करने में सहयोग की अपील की है।



कार्यक्रम स्थल पर लगायी गयी व्यंजन प्रदर्शनी का अवलोकन तथा ओ0डी0ओ0सी0 के दक्ष कारीगरों को सम्मानित किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

सीधी उड़ान उपलब्ध नहीं होने के कारण बैंकॉक के रास्ते यात्रा करनी पड़ी और रात्रि में थाईलैण्ड में रुकने का अवसर मिला। वहाँ अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने पूछा कि थाईलैण्ड की अर्थव्यवस्था इतनी मजबूती से कैसे आगे बढ़ी है। वहाँ के अधिकारियों ने कहा कि जब तक पारम्परिक खेती-बाड़ी को मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और उत्पादन से नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक अर्थव्यवस्था मजबूत और सशक्त नहीं बन सकती।थाईलैण्ड में हुई इस बातचीत ने प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी सोच को और स्पष्ट किया। उत्तर प्रदेश लौटने के बाद उन्होंने अधिकारियों की एक समिति गठित कर प्रदेश के पारम्परिक उत्पादों का जनपदवार सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए। सर्वेक्षण में पता चला कि प्रदेश के 75 जनपदों में से 58 जनपदों में विशिष्ट पारम्परिक उत्पादों की पहचान उपलब्ध थी। शेष जनपदों के लिए भी विशिष्ट उत्पादों को चिन्हित करने की तैयारी प्रारम्भ की गई। इस सर्वेक्षण में ऐसे अनेक पारम्परिक व्यंजनों की जानकारी सामने आयी, जिनके बारे में व्यापक स्तर पर जानकारी उपलब्ध नहीं थी। अभी केवल जनपद स्तर पर जानकारी जुटायी गई है। जब इस अभियान को तहसील स्तर तक ले जाया जाएगा, तब व्यंजनों और स्थानीय पाक परम्पराओं की विविधता का और बड़ा स्वरूप सामने आएगा।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रदेश के सभी 75 जनपदों के लिए एक-एक विशिष्ट उत्पाद निर्धारित किया जा चुका है। इन उत्पादों को तकनीक से जो ?ा गया, कारीगरों को तकनीकी सहयोग दिया गया, बाजार उपलब्ध कराया गया और उनकी ब्राण्डिंग की गई। वर्ष 2018 में 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना को औपचारिक रूप से प्रारम्भ किया गया।('वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के सकारात्मक परिणाम आज प्रदेश के सामने हैं। इस योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश लगभग 02 लाख करोड़ रुपये के उत्पादों का निर्यात कर रहा है। प्रदेश के लगभग 80 उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जी0आई0) टैग प्राप्त हो चुका है। जी0आई0 टैग किसी उत्पाद की विशिष्ट भौगोलिक पहचान और उसकी गुणवत्ता को प्रमाणित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे उत्पादों की वैश्विक बाजार में पहचान और स्वीकार्यता बढ़ती है। आवश्यकता है कि हम अपने उत्पादों को समय के अनुरूप तकनीक, गुणवत्ता और बाजार की अपेक्षाओं से जोड़ते रहें।वह जब भी प्रदेश के किसी जनपद में जाते थे, वहाँ खान-पान की कोई न कोई विशिष्ट परम्परा, अलग स्वाद और विशेष व्यंजन देखने को मिलता था। केन्द्रीय गृह मंत्री जी द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' योजना का शुभारम्भ किया गया था। उस समय किसी ने इसकी सफलता और सम्भावनाओं का इतना व्यापक अनुमान नहीं लगाया था। आज स्पष्ट है कि इस क्षेत्र में रोजगार, स्वरोजगार, महिला सशक्तीकरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की अपार क्षमता मौजूद है।दुनिया की प्रमुख खाद्य उत्पाद कम्पनियों में शामिल नेस्ले का कारोबार इतना बढ़ा है कि उसके खाद्य उत्पादों की बिक्री का मूल्य उत्तर प्रदेश सरकार के वार्षिक बजट के बराबर है। यह 09 लाख करोड़ रुपये से अधिक अनुमानित है। जब एक कम्पनी खाद्य पदार्थों के माध्यम से इतनी बड़ी आर्थिक उपलब्धि हासिल कर सकती है, तो हमारे स्थानीय व्यंजन भी वैश्विक बाजार में अपनी जगह बना सकते हैं। बलिया का बाटी-चोखा और जौनपुर की इमरती भी दुनिया भर में लोकप्रिय हो सकती है। आवश्यकता है कि इन व्यंजनों को सही पहचान, गुणवत्ता, पैकेजिंग और विपणन का सहयोग दिया जाए। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में ऐसे व्यंजनों को व्यवस्थित रूप से बाजार उपलब्ध कराया जाए, तो वे बड़े व्यवसाय का स्वरूप ग्रहण कर सकते हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज कार्यक्रम में आते समय एक छोटी बच्ची ने मूँग की दाल से तैयार नमकीन का एक पैकेट उन्हें भेंट किया। जब उससे पूछा कि यह किसने बनाया है, तो बच्ची ने बताया कि उसकी मम्मी इसे बनाती और बेचती हैं। उस बच्ची के उत्साह और आत्मीयता ने उन्हें प्रभावित किया।मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों तथा दैनिक जागरण परिवार से आग्रह किया कि बच्ची की माँ के उत्पाद को उचित पैकेजिंग और ब्राण्डिंग से जोड़ा जाए। इस प्रकार के घरेलू उत्पादों को थोड़ा सा सहयोग मिल जाए, तो वे एक बड़े ब्राण्ड के रूप में स्थापित हो सकते हैं। यह उदाहरण बताता है कि उत्तर प्रदेश के घर-घर में ऐसे उत्पाद तैयार करने की क्षमता मौजूद है। आवश्यकता है कि इस पारम्परिक कौशल को पहचानकर बाजार से जोड़ा जाए। इस आयोजन के माध्यम से प्रदेश के अलग-अलग जनपदों के कारीगरों, हलवाइयों और परिवारों द्वारा तैयार किए गए विविध पारम्परिक व्यंजनों को एक मंच पर देखने और उनकी विशेषताओं को जानने का अवसर मिला है।जापान में 'वन विलेज वन प्रोडक्ट' मॉडल काफी सफल है। वर्ष 1980 में जापान के एक गवर्नर ने इस अवधारणा को प्रारम्भ किया था। इस पहल के अन्तर्गत प्रत्येक गाँव को अपना एक विशिष्ट उत्पाद विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह अभियान लगभग 300 गाँवों तक विस्तारित हुआ और वहाँ के विशिष्ट उत्पादों को जी0आई0 टैग भी प्राप्त हुआ। इन गाँवों के कारीगर, हलवाई और अन्य स्थानीय लोग अपने पारम्परिक उत्पादों के माध्यम से 02 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा अर्जित करते हैं।जापान के पास सीमित आबादी और संसाधनों के बावजूद स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का एक प्रभावी मॉडल है। उत्तर प्रदेश के पास विशाल आबादी, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध प्रकार के पारम्परिक व्यंजनों की बड़ी श्रृंखला उपलब्ध है। ऐसे में प्रदेश के लिए इस क्षेत्र में अपार सम्भावनाएँ हैं। उत्तर प्रदेश में किसी परिवार में सुबह चाय के समय अलग प्रकार का नाश्ता, दोपहर में अलग भोजन, शाम को चाय के साथ अलग व्यंजन और रात्रि में अलग प्रकार का भोजन परोसा जाता है। यहाँ प्रत्येक व्यंजन के लिए समय और अवसर की एक परम्परा विकसित हुई है।सामान्यत: समोसा शाम के समय खाया जाता है, जबकि जलेबी और रबड़ी सुबह अथवा देर रात्रि में पसंद की जाती है। इसी प्रकार अलग-अलग खाद्य पदार्थों का सेवन अलग-अलग समय पर किया जाता है। सामान्यत: सुबह दाल-चावल खाने की परम्परा नहीं है। परिवारों में सामान्यत: दोपहर के भोजन का विशेष महत्व होता है। पर्व और त्योहारों के अवसर पर भारतीय परिवारों में इतने प्रकार के पकवान तैयार किए जाते हैं कि उनकी विविधता और मात्रा अपने आप में अद्भुत होती है। प्रत्येक परिवार की अपनी विशिष्ट पाक परम्परा होती है। यही हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक जीवन की विशेषता है।हमारे परिवारों में पाक कला पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तान्तरित होती रही है। माँ अपनी बेटी को, दादी अपनी पोती को, नानी अपनी नातिन को और मौसी परिवार के अन्य सदस्यों को पारम्परिक व्यंजन बनाना सिखाती हैं। इस प्रकार बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के भी परिवारों में पाक कला का ज्ञान आगे बढ़ता रहता है। घर में परिवार के लिए भोजन तैयार करते समय गुणवत्ता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। यही मानक व्यवसाय के स्तर पर भी बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने हलवाइयों, कारीगरों और खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले लोगों से अपने उत्पादों में शुद्धता और गुणवत्ता बनाए रखने की अपील की।भोजन प्रत्येक व्यक्ति की अनिवार्य आवश्यकता है। इसलिए लोगों को अच्छा, गुणवत्तापूर्ण और शुद्ध भोजन उपलब्ध कराना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। खाद्य पदार्थों में मिलावट अथवा ऐसी किसी भी सामग्री का उपयोग नहीं होना चाहिए, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। इस प्रकार की लापरवाही हमारी पारिवारिक और पारम्परिक पाक कला को भी नुकसान पहुँचाती है।('वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' की वर्तमान सूची में अभी अनेक व्यंजन और स्थानीय खाद्य उत्पाद शामिल होने शेष हैं। राज्य सरकार इस अभियान को और व्यापक स्वरूप प्रदान करेगी। पहले इसे तहसील स्तर तक विस्तारित किया जाएगा। इसके बाद ब्लॉक स्तर और फिर ग्राम तथा कस्बा स्तर पर भी स्थानीय व्यंजनों और खाद्य उत्पादों की पहचान की जाएगी। इससे प्रत्येक क्षेत्र के विशिष्ट उत्पादों को सामने लाने, उन्हें जी0आई0 टैग दिलाने, उचित मंच उपलब्ध कराने और उनके विकास के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करने में मदद मिलेगी।इस अभियान का उद्देश्य केवल बड़े व्यवसायियों को प्रोत्साहित करना नहीं है, बल्कि उन परिवारों तक भी आर्थिक अवसर पहुँचाना है, जिनके पास वर्तमान में आय का कोई स्थायी साधन नहीं है। कोई भी परिवार अपनी पारम्परिक पाक कला के माध्यम से आय अर्जित कर सकता है। महिलाएँ स्वयं सहायता समूह बनाकर इस कार्य को आगे बढ़ा सकती हैं और परिवार की अतिरिक्त आय का माध्यम तैयार कर सकती हैं। इस क्षेत्र की वास्तविक क्षमता को पहचानने और उसका समुचित उपयोग करने की आवश्यकता है। स्थानीय उत्पादों की माँग विकसित होने पर कारीगरों और छोटे व्यावसायियों को अपने कार्य के विस्तार के लिए नए अवसर मिलेंगे।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि काशी में ऐसे अनेक कारीगर, हलवाई और दुकानदार हैं, जिनकी दुकानें दिन में केवल एक-दो घण्टे के लिए खुलती हैं। इतने कम समय में ही उनकी इतनी बिक्री हो जाती है कि उन्हें पूरे दिन दुकान खोलकर बैठने की आवश्यकता नहीं पड़ती। वे अपना अन्य कार्य भी करते हैं और अपनी पारम्परिक पाक कला के माध्यम से अच्छी आय अर्जित करते हैं। यह स्थानीय व्यंजनों की लोकप्रियता और गुणवत्ता का प्रमाण है। यदि किसी उत्पाद का स्वाद, शुद्धता और गुणवत्ता अच्छी है, तो ग्राहक स्वयं उसकी तलाश करते हुए पहुँचते हैं। इस प्रकार पारम्परिक कारोबार को भी एक मजबूत आर्थिक मॉडल बनाया जा सकता है।किसी भी खाद्य व्यवसाय की पहली शर्त शुद्धता है। इस मानक को प्रत्येक परिस्थिति में बनाए रखना होगा। अधिक मुनाफा कमाने के लालच में मिलावट करना, धोखाधड़ी करना अथवा शॉर्टकट अपनाकर दूसरों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। यदि कारोबारी शुद्धता और गुणवत्ता बनाए रखेंगे, तो समाज भी उनके व्यवसाय को संरक्षण देगा और उसे आगे ब ?ाएगा। लेकिन यदि वह अनुचित तरीके अपनाएंगे, तो अंतत: उनके कारोबार और पारम्परिक विरासत को नुकसान पहुँचेगा।भारतीयों ने दुनिया को भोजन बनाने और विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार करने की कला सिखायी है। सरकार ने इस क्षेत्र में उद्यमिता और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए 02 योजनाएँ लागू की हैं। इनमें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान महत्वपूर्ण है। इस योजना के अन्तर्गत चयनित कारीगरों, हलवाइयों, महिलाओं और परिवारों को अपना व्यवसाय प्रारम्भ करने अथवा उसका विस्तार करने के लिए प्रारम्भिक चरण में 05 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त और गारण्टीमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, निर्धारित प्राविधानों के अनुसार अनुदान की सुविधा भी दी जाती है।मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत इस वित्तीय सहायता की सीमा को आगे बढ़ाते हुए साढ़े सात लाख रुपये और फिर 10 लाख रुपये तक पहुँचाने की व्यवस्था की जा रही है। जो लोग बड़े स्तर पर अपना व्यवसाय स्थापित करना चाहते हैं, उनके लिए 20 लाख रुपये तक की सुविधा उपलब्ध कराने का भी प्रयास किया जा रहा है।किसी भी व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए सबसे जरूरी इच्छाशक्ति है। यदि किसी कारीगर, हलवाई अथवा परिवार की महिला में अपना काम शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने का संकल्प है, तो सरकार उन्हें आवश्यक वित्तीय सहायता और अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्षेत्र में रोजगार सृजन की व्यापक सम्भावनाएँ हैं। स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद तैयार करके प्रदेश के भीतर, देश के अन्य हिस्सों और अन्तरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश स्वयं बहुत बड़ा बाजार है। यहाँ प्रत्येक मौसम, क्षेत्र और पर्व के अनुसार विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्रियाँ उपलब्ध हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने, गुणवत्तापूर्ण बनाने और बाजार से जोड़ने की आवश्यकता है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बुलन्दशहर की एक महिला को उत्तर प्रदेश दिवस पर उनके असाधारण कार्य के लिए 'यू0पी0 गौरव सम्मान' सम्मानित किया गया था। जब उस महिला के पास रोजगार का कोई साधन नहीं था, तब उन्होंने मात्र 500 रुपये उधार लेकर दिल्ली जाने का निर्णय किया। अधिक शिक्षित न होने के बावजूद उन्होंने वहाँ अचार बनाने का कार्य प्रारम्भ किया। अपनी मेहनत, लगन और उद्यमशीलता के बल पर उन्होंने इस छोटे से कार्य को इतना आगे बढ़ाया कि आज वह बुलन्दशहर की लगभग 500 महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। वह 'अचार वाली दीदी' के नाम से विख्यात हैं। यह उदाहरण बताता है कि आगे बढ़ने के लिए सबसे आवश्यक इच्छाशक्ति और साहस है। यदि व्यक्ति में कार्य करने का संकल्प हो, तो अवसर और मंच भी उपलब्ध हो जाते हैं। प्रदेश की हजारों महिलाएँ अपनी पारम्परिक पाक कला और घरेलू खाद्य उत्पादों के माध्यम से इसी प्रकार आत्मनिर्भर बन सकती हैं।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की धरती झाँसी में दैनिक जागरण की स्थापना हुई। वर्ष 1942 से प्रारम्भ हुई इसकी शानदार यात्रा आज इसे उत्तर भारत के सबसे लोकप्रिय हिन्दी दैनिक समाचार पत्रों में स्थापित कर चुकी है।मुख्यमंत्री जी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि दैनिक जागरण परिवार उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' अभियान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार इस अभियान को और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगी, जिससे प्रदेश के पारम्परिक व्यंजनों को पहचान, कारीगरों को सम्मान, महिलाओं को रोजगार और स्थानीय परिवारों को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त हो सके।इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह, दैनिक जागरण के निदेशक श्री संदीप गुप्ता, राज्य सम्पादक श्री आशुतोष शुक्ल, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री अवनीश कुमार अवस्थी सहित विभिन्न जनपदों से आये 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' से जड़े कारीगर, व्यवसायी और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने मारा छापा, केमिकल से बन रही थी मिठाई, जंग लगी मशीन से पीसे जा रहे काजू

अलीगढ़। त्योहार पर जिस मिठास के लिए लोग नामचीन मिठाई की दुकानों का रुख करते हैं, वहां अलीगढ़ खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में सफाई और खाद्य गुणवत्ता से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आई हैं। कहीं केमिकल से मिठाई बनाई जा रही थी, तो कहीं जंग लगी मशीन से काजू पीसे जा रहे थे। टीम ने सभी जगहों से कुल 15 नमूने भी लिए। बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने राधे स्वीट्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट समेत शहर की कई दुकानों पर छापा मारा। सहायक आयुक्त खाद्य अजय जायसवाल ने बताया कि सहायक आयुक्त खाद्य-द्वितीय कुलदीप सिंह के नेतृत्व में टीम राधे स्वीट्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पहुंची। वहां शौचालय के पास बॉयलर रखा था, जंग लगी मशीन से काजू पीसे जा रहे थे और गंदे फ्रिज में खाद्य सामग्री का भंडारण हो रहा था। बिना लेवल का गुलाब जल भी मिला।टीम ने गुलाब जल, ग्लूकोज, काजू कमल और डोडा बर्फी समेत छह नमूने लिए। इनमें पिस्ता ग्रीन और केसरी सिंथेटिक फूड कलर के सर्वे नमूने भी शामिल हैं। सभी नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। टीम ने 38 किलोग्राम गुलाब जल और 45 किलोग्राम ग्लूकोज सीज किया। इनकी कीमत क्रमश: 11,400 और 13,500 रुपये बताई गई है। इसके अलावा संदेह, मिलावट की आशंका और अस्वच्छ परिस्थितियों के आधार पर 10 किलोग्राम आर्टिफिशियल लिक्विड स्वीटनर नष्ट कराया गया। विभाग के अनुसार सीज सामग्री की कीमत 24,900 रुपये और नष्ट स्वीटनर की कीमत 2,400 रुपये है। कारोबारी को सुधार संबंधी नोटिस देने के साथ लाइसेंस निलंबित करने की संस्तुति की जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कुंजीलाल स्वीट्स और जय शिव स्वीट्स का भी निरीक्षण किया। कुंजीलाल स्वीट्स से रंगीन हरी बूंदी और खोवा के नमूने लिए गए। करीब 40 किलोग्राम रंगीन हरी बूंदी नष्ट कराई गई। जय शिव स्वीट्स से रंगीन राजभोग का नमूना लेने के साथ करीब 45 किलोग्राम मिठाई नष्ट कराई गई। सहायक आयुक्त खाद्य अजय जायसवाल ने बताया कि नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ होगा कि संबंधित खाद्य पदार्थ निर्धारित मानकों पर खरे उतरते हैं या नहीं। कारोबारियों को सुधार के निर्देश भी दिए हैं। दोदपुर स्थित बर्फीज, ताज स्वीट्स और शाहजी स्वीट्स में निरीक्षण के दौरान कारीगरों के काम करने वाली जगह पर ही रहने और खाने-पीने की व्यवस्था मिली। टीम ने बूंदी के लड्डू और खोवा-चीनी के नमूने भी लिए। सेंटर पाइंट स्थित विकास स्वीट्स में दीवारों पर निर्धारित ऊंचाई तक टाइलें लगी नहीं मिलीं। विकास स्वीट्स, सिंध स्वीट्स और बांके बिहारी स्वीट्स से सोनपापड़ी, मिल्क केक और बर्फी के नमूने लिए गए। इन दुकानों को कमियां दूर करने की चेतावनी दी गई है।

पोती से दुष्कर्म के आरोपी दादा की जमानत याचिका खारिज

हाथरस। हाथरस की पॉक्सो कोर्ट ने नाबालिग पोती के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी दादा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। पेट में दर्द उठने पर किशोरी के परिजनों को उसके गर्भधारण की जानकारी हुई थी। सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र निवासी 15 वर्षीय किशोरी ने 22 अगस्त को अपने ही दादा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसने कहा था कि उसकी मां का निधन हो चुका है। वह पिता व दादा के साथ रहती थी। आरोप है कि पिता के काम पर चले जाने के बाद दादा उसके साथ गलत काम करते थे। कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया गया। एक दिन पेट में असहनीय पीड़ा होने पर उसने चाची को घटना के बारे में बताया। चाची ने जांच कराई तो पता चला कि पीड़िता दो महीने की गर्भवती है। पुलिस ने आरोपी दादा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा। पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धाराओं में आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। जमानत याचिका डालते अभियुक्त के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि वह पूरी तरह निर्दोष है और उसे झूठा फंसाया गया है। आरोपी 80 वर्ष का एक वृद्ध व्यक्ति है और पीड़िता उसकी सगी नातिन है। प्रथम सूचना रिपोर्ट में घटना का समय और स्थान स्पष्ट नहीं है और मामले में कोई स्वतंत्र चक्षुदर्शी गवाह नहीं है। इन आधारों पर जमानत की अपील की गई। अभियोजन पक्ष ने अपील का कड़ा विरोध किया और दस्तावेज साक्ष्य व पीड़िता के बयानों का हवाला दिया।

रोडवेज बस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में मारी टक्कर, धान बिखरा, तीन घायल ट्रॉमा सेंटर भेजे

हाथरस। सिकन्दराराऊ में बृहस्पतिवार सुबह करीब 10:30 बजे अलीगढ़ हाईवे पर गांव बिलार के पास एक सड़क दुर्घटना हुई। धान से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में रोडवेज बस ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक और दो किशोर किसान घायल हो गए। घायलों को तत्काल ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। कोतवाली के गांव पचो निवासी सोमदत्त, 16 वर्षीय प्रियांशु और तीन अन्य किसान ट्रैक्टर ट्रॉली में धान लेकर अलीगढ़ की धनीपुर मंडी जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि धान से भरी ट्रॉली सड़क पर बिखर गई। टक्कर के कारण सोमदत्त और प्रियांशु सड़क पर गिर गए। चालक रविंदर भी ट्रैक्टर से दूर जा गिरा। तीनों घायल हो गए। ट्रॉली पलटने के बाद अलीगढ़ की तरफ जाने वाली एक लेन में धान बिखर गया। इससे आवागमन बाधित हुआ। करीब आधे घंटे बाद पुलिस ने क्रेन बुलाकर ट्रैक्टर ट्रॉली को हटवाया। धान को सड़क से साफ करने के बाद यातायात सुचारु हो सका।

एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार के 6777 चालान, 1.38 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस ने ऑपरेशन सेफ स्पीड के तहत विशेष जांच अभियान चलाया। 26 और 28 अक्तूबर को चलाए गए अभियान में कुल 6777 वाहनों के चालान किए गए। इन पर 1 करोड़ 38 लाख 32 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण की पहल पर यातायात निदेशालय ने अपर पुलिस महानिदेशक यातायात ए. सतीश गणेश के निर्देशन में यह अभियान चलाया। इसके तहत प्रदेश के विभिन्न एक्सप्रेसवे पर इंटरसेप्टर वाहनों से गति सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों की निगरानी की गई। तय सीमा से अधिक गति से वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान यमुना एक्सप्रेसवे पर सबसे ज्यादा 3116 चालान किए गए। इन पर 66.98 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर 1289 चालान कर 24.18 लाख रुपये, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर 497 चालान कर 9.94 लाख रुपये और लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर 537 चालान कर 11.82 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा गंगा एक्सप्रेसवे पर 553, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर 348, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर 214, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर 103, गोरखपुर-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे पर 90 और कानपुर-वाराणसी हाईवे पर 30 चालान किए गए। यातायात निदेशालय के मुताबिक तेज रफ्तार सड़क हादसों का प्रमुख कारण है। अधिक गति के कारण हादसों में गंभीर चोट लगने और मौत होने का खतरा बढ़ जाता है। अभियान का उद्देश्य नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करने के साथ वाहन चालकों को तय गति सीमा का पालन करने के लिए जागरूक करना भी है। निदेशालय ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सुरक्षित गति से वाहन चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें।

NAME CHANGE

I SUJEET S/O NARENDER SINGH R/O PLOT NO 70, POLE NO -35 MATIYALA VILLAGE UTTAM NAGAR DELHI 110059 have changed my name to SUJEET KUMAR Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE

I SHANTHI RAVISHANKAR D/O DURAISAMY REDDY R/O H.NO 70 NEHRU EKTA COLONY R K PURAM SECTOR -7 DELHI 110022 have changed my name to R SHANTHI Permanently for all future purposes

NAME CHANGE

I MOHAMMAD GULZAR S/O HAZI BILAL R/O H.NO 23/491 A PATHAN COT BARAUT UTTAR PRADESH -250611 have changed my name to GULZAR Permanently for all Future Purposes

NAME CHANGE

I NIRAJ KUMAR AGRAWAL S/O SHRAWAN KUMAR AGRAWAL R/O H.NO 78 , 1 St FLOOR POCKET 5 SECTOR 24 ROHINI DELHI 110085 have changed my name to NIRAJ AGRAWAL Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE

I SUNITA W/O NARENDER SINGH R/O PLOT NO 70 , MATIYALA GANV UTTAM NAGAR DELHI 110059 have changed my name to SUNITA SINGHA Permanently for all future Purposes

NAME CHANGE

I MONA ABDUL HAMID SHEIKH D/O ABDUL HAMID SHEIKH R/O F-2 CWC, SAROJINI NAGAR, DELHI-110023 HAVE CHANGE MY NAME TO MONA AB HAMID SHEIKH FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I MARIUM W/O ABDUL HAMID SHEIKH R/O F-2 CWC, SAROJINI NAGAR, DELHI-110023 HAVE CHANGE MY NAME TO MARIUM HAMID SHEIKH FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I ABDUL HAMID S/O ABDUL SATTAR SHEIKH R/O F-2 CWC, SAROJINI NAGAR, DELHI-110023 HAVE CHANGE MY NAME TO ABDUL HAMID SHEIKH FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, JITENDER S/O DEEP CHAND R/O HOUSE NO-33,KOKA (27),POST SUNDRAH,DISTRICT MAHENDERGARH,HARYANA-123034,HAVE CHANGED MY NAME TO JITENDER SIRADHANA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, MODIT MAHAJAN S/O VIKAS MAHAJAN R/O F-084,TOWER-F,FLOOR 8TH, DLF NEW TOWN HEIGHTS ,SECTOR-91,GURGAON, HARYANA-122505, HAVE CHANGED MY NAME TO MUDIT MAHAJAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SAJJAN KUMAR R/O D-20,SOL DHAKKA COMPLEX,DR MUKHERJEE NAGAR,DELHI-110009,HAVE CHANGED MY NAME TO SUBHI RAYMOND FOR ALL PURPOSES

NAME CHANGE

It is for general information that I, NANNI KUMARI W/o VISHRAM SINGH, D/o NAKSHU LAL R/o 52, ROAD NO-3, T HUTS, INDRA CAMP ANDREWSGANJ, NEW DELHI-110049, Andrewsgani, Andrewsganj, Defence Colony, South Delhi, Delhi 110049, declare that name of mine has been wrongly written as NANHI in my minor Daughter KIRTI aged 15 years in his School Records. The actual name of mine is NANNI KUMARI respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I MOHAMMAD JAWAAD S/O MOHAMMAD SHAHZAD R/O Plot No 1-2, Shahzada Bagh, Phase 1, Inderlok, Sarai Rohilla, PO: Onkar Nagar, DIST: North West Delhi, Delhi - 110035 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as MOHD SHAHZAD and JAVARIYA in my 10th Class educational Documents. The actual name of my father and my mother are MOHAMMAD SHAHZAD and JAVERIYA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Army No. 2813862L, Rank - Sep, Name - SAWANT PRASHANT, legally father of SHREYASH, Presently Residing t - Diwad, Post- Diwad, Teh - Man, Dist - Satara, State- Maharashtra Pin - 415509 have changed my minor son□s name from SHREYASH to SHREYASH PRASHANT SAWANT for all future purposes vide affidavit dated 06/11/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I VIAN ARORA S/O HANISH ARORA R/O H NO-156, GROUND FLOOR, BANK ENCLAVE, LAXMI NAGAR, DELHI-110092. have changed my name to VIYAAN ARORA for all purposes.

NAME CHANGE

I, Shailendra Pratap Singh Chauhan R/o P-03/C, Shankar Vihar, New Delhi-110010, have changed my minor son name from Ayush Chauhan to Ayush Pratap Singh Chauhan for all future purposes.

NAME CHANGE

I USHA legally mother of Army no - 2810624N, Rank - SEP, Name - SATRE PRASHANT PRALHAD, Presently Residing At - SATRE-WADI, Post- MALAWADI, Teh - MAN(DAHIWADI), Dist - SATARA, State - MAHARASHTRA, Pin - 415508 have changed my name from USHA to SATRE USHA PRALHAD for all future purposes, Vide affidavit dated 06/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I URMILA legally wife of Army no - 2813862L, Rank - Sep, Name - SAWANT PRASHANT ARJUN, Presently Residing t - Diwad, Post- Diwad, Teh - Man, Dist - Satara, State- Maharashtra Pin - 415509 have changed my name from URMILA to URMILA PRASHANT SAWANT for all future purposes, Vide affidavit dated 06/11/2026 before Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **(1) Sh. Sikandar Sharma & (2) Smt. Malti Devi** in respect of **Built Up Property No. 84 and 85, admeasuring 25 sq. yds. out of Khasra No. 60/19, Situated in the Area of Village Hastal Delhi State Delhi Colony Known as Mohan Garden, in Block R-II, Uttam Nagar, New Delhi-110059** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सावित्री देवी (पत्नी श्री खेम चंद) नगर निगम संख्या 1894-C, खसरा संख्या 25, गली संख्या 17/18, गोविंद पुरी एक्सटेंशन, कालकाजी, नई दिल्ली-110019 पर स्थित आवासीय संपत्ति के पूरे दूसरे और तीसरे फ्लोर (छत के अधिकारों सहित) की मालकिन हैं। यह मालिकाना हक उन्हें नोटरीकृत GPA, 26.11.1990 के ATS, और 26.11.1990 को SRO-नई दिल्ली में पंजीकृत वसीयत (दस्तावेज़ संख्या 4423, बुक संख्या 3, वॉल्यूम संख्या 578) के माध्यम से प्राप्त हुआ है, जिसे श्री दिनेश चंद गोयल (पुत्र श्री छित्तर मल गोयल) द्वारा निष्पादित किया गया था। उक्त संपत्ति श्री अवनीश गुप्ता को बेची जा रही है और इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस (ऋण) दिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार, हित या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिख

संक्षिप्त डायरी

बस स्टैंड परिसर में लगी यात्रियों की भीड़, तीन रूटों पर भेजी अतिरिक्त बसें

एजेंसी

गुरुग्राम। दीवाली के इस पावन पर्व पर घर जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए हरियाणा रोडवेज गुरुग्राम डिपो ने कमर कस ली है। त्योहारी सीजन में बढ़ती भीड़ और यात्रियों की परेशानियों को कम करने के लिए रोडवेज प्रबंधन ने विशेष कदम उठाते हुए पहले दिन ही तीन प्रमुख लंबे रूटों पर अतिरिक्त बसों का संचालन शुरू कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह के समय डिपो पर यात्रियों की अत्यधिक भीड़ को भांपते हुए अधिकारियों ने तुरंत मौके पर निर्णय लिया। इसके तहत अलीगढ़, मुरादाबाद और आगरा के रूट पर एक-एक अतिरिक्त बस रवाना की गई, ताकि यात्रियों को सफर करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, रेवाड़ी और पंचकूला जाने वाले विभिन्न रूटों पर भी यात्रियों का भारी तांता लगा रहा। 30 कर्मचारियों को अन्य कार्यों से हटाकर रूटों पर किया तैनात त्योहारी सीजन में सुचारू बस संचालन सुनिश्चित करने के लिए रोडवेज महाप्रबंधक ने एक बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। डिपो के ऐसे करीब 30 कर्मचारी, जो लंबे समय से बसों के संचालन या डिपो के अन्य कार्यालयों में तैनात थे, उन्हें वापस रूटों पर भेज दिया गया है। अब ये सभी 30 कर्मचारी दिवाली की इस भारी भीड़ के मद्देनजर अतिरिक्त रूटों पर संचालित होने वाली बसों में अपनी सेवाएं देंगे। महाप्रबंधक कार्यालय की ओर से इस संबंध में आधिकारिक आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। विभाग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पर्व के इस सीजन में कोई भी यात्री बस स्टैंड पर परेशान न हो और हर व्यक्ति सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सके।

नाबालिग से मारपीट का मामला बीईओ कार्यालय पहुंचा

एजेंसी

सोहना। विशाल भारती कॉवेंट स्कूल में छात्र की पीटाई के मामले में स्कूल पर छात्र का नाम काटने का आरोप लगा है। अब यह मामला खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के पास पहुंच गया है। अभिभावक को स्कूल से फोन पर मैसेज के माध्यम से यह संदेश मिला। पीडित छात्र 14 अक्तूबर के बाद से घर पर ही बैठा है। शहर के आंबेडकर बाईपास के पास वार्ड 14 स्थित विशाल भारती कॉवेंट स्कूल की कक्षा तीन में पढ़ने वाला आठ वर्षीय छात्र की मारपीट का मामला सामने आने के बाद अभिभावक ने नाबालिग को स्कूल से नाम काटने का आरोप लगाया है। पीडित अभिभावक अक्षय ने बताया कि उनके मोबाइल नंबर पर स्कूल से संदेश भेजते हुए छात्र को स्कूल से बाहर कर देने की सूचना दी गई है। अक्षय ने बताया कि उनका बेटा मारपीट से इतना आहात हो गया कि वह 10 दिन से स्कूल को तैयार नहीं हो रहा था। उसे जबरन स्कूल भेजा गया था। अब स्कूल ने उसका नाम काट दिया। अक्षय ने बताया कि स्कूल प्रशासन ने उन्हें बच्चें के नाम काटने का प्रमाणपत्र भी अभी नहीं दिया। जानकारी के अनुसार अभिभावकों ने निजी स्कूल प्रशासन के खिलाफ खंड शिक्षा अधिकारी को मामले की शिकायत की। खंड शिक्षा अधिकारी ने मामले को संज्ञान में आने बाद बुधवार को स्कूल प्रशासन और अभिभावकों को बुलाया। दोनों पक्षों के बीच मध्यस्ता कराई गई। लेकिन मामला का समाधान नहीं हुआ और शुक्रवार को दोनों पक्ष को फिर से सुनवाई के लिए बुलाया है। स्कूल प्रशासन ने डीसीपी को दी शिकायत निजी स्कूल प्रशासन ने छात्र के साथ मारपीट मामले में अभिभावकों द्वारा हंगामा किया जाने की शिकायत गुरुग्राम पुलिस साउथ डीसीपी को की है। जबकि शहर थाना पुलिस पीड़ित अभिभावक की शिकायत पर पहले से ही स्कूल के कानून सहलाकार और मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए छह माह तक किसी भी प्रकार के वाद-विवाद न करने के लिए बाध्य कर चुका है। शहर के विशाल भारती कॉवेंट स्कूल में कक्षा तीन में पढ़ने वाले छात्र को कक्षा शिक्षक द्वारा पाइप से मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया था। निजी स्कूल में यह मामला 14 अक्तूबर को घटित हुआ था। नाबालिग छात्र से पुलिस ने अभिभावक द्वारा की गई शिकायत में पूछताछ भी की गई जा चुकी है। अब मामला खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय तक पहुंच गया है।

नेशनल जिम्नास्टिक्स के लिए गुरुग्राम के 15 खिलाड़ी चयनित

एजेंसी

गुरुग्राम। यूथ नेशनल जिम्नास्टिक्स के लिए गुरुवार को हरियाणा टीम के चयन ट्रायल हिसार में हुआ। इसमें कई जिलों के 120 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित हरियाणा टीम आगामी यूथ नेशनल जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में भाग लेगी। इसका आयोजन 23 से 30 नवंबर तक मुंबई के नेवी कैंप में होगा। चयनित खिलाड़ियों में गुरुग्राम से हितेन, धीर, विहान, विरल, अरिहाम, मॉमिन, अद्वैत, दिव्यांशी, दृष्टि, धरित्री, प्रनवी, उत्सवी, मायरा, जसवी राव, वंशिका पंवार शामिल रही। हिसार से जशन, हरिदित, रिधम, मयंक, रितिक, हिमानी, सिरसा से प्रियांश, लक्ष्य, प्रियांशी, सुमन, वंश, निखिल, ग्रावी, रमन, अंबाला से सौरव, सूर्यांश, गौरव, अनमय, गौतम, लिजा, दिविजा, मन्नत, अघम प्रीत, रोहतक से प्रशांत, ध्रुव, भिवानी से वीरेन, यमुनानगर से रुद्राक्षी शामिल है। हरियाणा जिम्नास्टिक एसोसिएशन के प्रशासक सुरेंद्र सिंह, पूर्व जनरल सेक्रेटरी कुलविंदर सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष राजकुमार राव, पूर्व जिला खेल अधिकारी बलबीर सिंह, खेल विभाग के कोच शामिल रहे।

सेक्टर-46 में अवैध रूप से संचालित हो रहा आरएमसी प्लांट

एजेंसी

गुरुग्राम। यमिलेनियम सिटी के सेक्टर-46 में सड़क निर्माण की आड़ में अवैध रूप से आरएमसी प्लांट संचालित किया जा रहा है। आरोप है कि पिछले दस दिनों से लगातार निगम अधिकारियों के चक्कर काटने के बावजूद कोई कार्रवाई न होने पर सेक्टर की एडहॉक कमेटी, सेवा संघर्ष समिति और तमाम निवासियों का गुस्सा फूट पड़ा है। निवासियों ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर नवंबर से इस प्रदूषण फैलाने वाले प्लांट को तुरंत हटाने और भविष्य में इसके संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा सेक्टर-46 में 18-मीटर लंबी आरएमसी सड़क और मार्केट की पार्किंग व सड़क निर्माण का टेंडर जारी किया गया था। इस कार्य को पूरा करने के लिए ठेकेदार दीपक कुमार द्वारा मार्केट के पास स्थित आदर्श पार्क के ठीक सामने सीमेंट, स्टोन एग्रीगेट, रेत और अन्य निर्माण सामग्री का मिक्सिंग प्लांट स्थापित कर दिया गया। हैरानी की बात यह है कि दो अप्रैल 2026 से लेकर 30 अक्तूबर तक यानी लगभग सात महीने बीत जाने के बाद भी ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया है। इसके विपरीत, दिन-रात धड़ल्ले से चल रहे इस प्लांट के कारण सेक्टरवासियों का जीना मुहाल हो गया है। धूल और प्रदूषण से लोगों का स्वास्थ्य दांव पर मिक्सिंग प्लांट से लगातार उड़ने वाले सीमेंट और निर्माण सामग्री के धूल कणों ने आसपास के वातावरण को बेहद जहरीला बना दिया है। जिससे सांस की तकलीफ और अस्थमा जैसी बीमारियां फैलने का खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सेक्टर का सबसे बड़ा पार्क है,, लेकिन प्लांट की उड़ती धूल से उनकी सेहत खतरे में है। बाजार आने वाले ग्राहकों और स्थानीय दुकानदारों को दिनभर धूल-गर्दा झेलना पड़ रहा है। प्लांट के इर्द-गिर्द रहने वाले लोगों और राहगीरों के लिए वहां से निकलना दूभर हो गया है। सात नवंबर तक प्लांट नहीं हटाया तो होगा उग्र प्रदर्शन निवासियों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि ठेकेदार की लचर कार्यप्रणाली और प्रशासनिक लापरवाही की सजा सेक्टर के लोग और नहीं भुगतेंगे। मांग की गई है कि प्लांट को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। यदि सड़क या पार्किंग से जुड़ा कोई मामूली काम शेष है, तो ठेकेदार को 7 नवंबर 2026 तक उसे हर हाल में पूरा करने का निर्देश दिया जाए। यदि तय सीमा के भीतर इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो सेक्टर-46 के सभी निवासी एकजुट होकर शांतिपूर्ण आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस शिकायत की प्रतियां राष्ट्रीय हरित अधिकरण, निगम के कार्यकारी अभियंता और एसडीओ को भी भेजी गई हैं।

गांजा तस्करी के आरोप में साथी संग इंजीनियर गिरफ्तार

व्हाट्सऐप के जरिये से मांग के अनुसार डिलीवरी ब्वॉय बनकर गांजे की करते थे सप्लाई

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-58 थाना पुलिस ने आईजीआई एयरपोर्ट पर कार्य करने वाली कंपनी में कार्यरत टेक्निकल इंजीनियर को साथी संग गांजा तस्करी के आरोप में बुधवार रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से 12 किलो 200 ग्राम गांजा, बाइक और दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इंजीनियर अपने साथी के जरिये ऑनलाइन मांग के अनुसार गांजे की सप्लाई कराता था। डीसीपी प्रीति यादव ने बताया कि बुधवार रात टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि सेक्टर-57 में एक युवक बाइक से गांजे की तस्करी करने जा रहा है। टीम ने सूचना को पुख्ता कर घेराबंदी शुरू कर दी। कुछ ही



देर बाद एक बाइक पर संदिग्ध युवक आते दिखाई दिया। उसे रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। पीछा करके उसे दबोच लिया। उसकी बाइक पर एक बैग लटका हुआ था। बैग को खोकर देखा तो उसमें छोटे-छोटे पैकेट रखे हुए थे। जिनमें गांजा भरा हुआ था। उसके पास से एक किलो 900 ग्राम गांजा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी निवासी सुमित राघव के रूप में हुई। पूछताछ करने पर बताया कि वह छोटे-छोटे पैकेट से गांजे की सप्लाई करता है। उसे यह गांजा मनीष झा नामक व्यक्ति देता है। पुलिस ने सूचना के आधार पर सेक्टर-57 से ही मनीष झा को दबोच लिया। मनीष मूलरूप से बिहार के जिला समस्तीपुर का रहने वाला है। वह वर्तमान में गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में रहता है। वह एक प्राइवेट कंपनी में टेक्निकल इंजीनियर के रूप में आईजीआई एयरपोर्ट पर काम करता है। वह उसे गांजा की सप्लाई करने के लिए रुपये देता है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से 12 किलो 200 ग्राम गांजा, बाइक और दो मोबाइल फोन बरामद कर लिए। पुलिस को आरोपियों के पास से 42 पैकेट मिले। सभी पैकेट पर ऑनलाइन सामान डिलीवरी करने वाली नामी कंपनी का नाम लिखा था। सभी पैकेट में 25 से 30 ग्राम गांजा भरा हुआ था। आरोपी ऐसा इसलिए करते थे क्योंकि चेकिंग के दौरान यदि पुलिस पकड़े तो उन्हें संदेह न हो, लेकिन नोएडा पुलिस के सामने आरोपियों की योजना काम नहीं आई। सुमित ने पुलिस को बताया कि वह गांजा लेकर दिल्ली-एनसीआर में फ्लेटों, पीजी, हॉस्टल व कॉलेज के लड़कों को ऑन डिमांड ऑनलाइन व्हाट्सऐप के माध्यम से लोकेशन मंगाकर सप्लाई करता था। गांज की सप्लाई का पैसा ऑनलाइन मनीष झा को पहुंच जाता था। उसे प्रति डिलीवरी 200-250 रुपये मिलते थे। ग्राहक की लोकेशन और पता मनीष झा के पास ही आती थी। गांजा सप्लायर मनीष कुमार झा के कब्जे से पुलिस ने 10 किलो 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पूछताछ में मनीष ने पुलिस को बताया कि वह नार्थ ईस्ट से लाकर गांजे की सप्लाई कराता है। उसने बताया कि एक साथी अमित पहले से ही गांजे की तस्करी में आसाम के गुवाहाटी जेल में बंद है। पुलिस को दोनों आरोपियों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक, गांजा तस्करी के इस कार्य में मनीष कुमार झा और सुमित राघव अकेले नहीं हैं। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से दिल्ली-एनसीआर तक गांजा पहुंचाने में भी लोग शामिल होंगे। इन लोगों का पता लगाने के लिए टीमें लगी हुई हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही इस मामले में अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

गांवों में अपराध और नशे के नेटवर्क पर कसेगा पुलिस का शिकंजा

एजेंसी

नोएडा। नूंह सदर थाना क्षेत्र के गांवों को अपराध, नशा और असामाजिक गतिविधियों से मुक्त बनाने के लिए थाना प्रभारी सुभाषचंद ने एक अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत उन्होंने पहली बार क्षेत्र के सभी गांवों के सरपंचों और मौजिज लोगों को एक मंच पर बुलाकर अपराधमुक्त गांव बनाने की दिशा में सामूहिक रणनीति तैयार की। थाना प्रभारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में गोहत्या, गोतस्करी, नशा तस्करी, साइबर अपराध, ठगी और अन्य अनैतिक गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सरपंचों ने पुलिस प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। थाना प्रभारी सुभाषचंद ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गांवों में किसी भी प्रकार का अपराध, अवैध गतिविधि और असामाजिक कार्य बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस की प्राथमिकता केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि अपराध को पनपने से पहले ही रोकना है। इसके लिए गांवों के सरपंचों, पंचायत प्रतिनिधियों और जिम्मेदार नागरिकों को पुलिस के साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गांवों में होने वाले सभी प्रकार के अनैतिक कार्यों पर रोक लगाने के लिए पुलिस पूरी गंभीरता से काम करेगी और शिकायत या सूचना मिलने पर नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी। सुभाषचंद ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से ही अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। सरपंच अपने गांवों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें और गोहत्या, गोतस्करी, नशे की बिक्री तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान और सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों को किसी भी प्रकार का सामाजिक संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। बैठक में एडिशनल थाना प्रभारी सत्यनारायण, पीएसआई सचिन, एएसआई नरेंद्र, एएसआई विजय कुमार, एएसआई अजीत सिंह, दीवान बुधराम सिंह सहित नूंह जिला सरपंच एसोसिएशन के प्रधान रफीक हथौड़ी, इमरान सरपंच अडबर, अंतराम खटाना सरपंच खेड़ली दौसा, संजय सरपंच बैंसी, वसीम सरपंच चंदेनी, इमरान सरपंच फिरोजपुर नमक, आमिर सरपंच बीबीपुर, रफाकत सरपंच रेहना, अरशद सरपंच मछरौली सहित विभिन्न गांवों के सरपंच और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सूट-साड़ी की होम डिलीवरी के नाम पर साइबर ठगी, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नूंह जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन ठगी के तीन अलग-अलग मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोशल मीडिया पर फर्जी पहचान बनाकर सूट-साड़ी बेचने, फ्लैट व कमरे किराये पर देने और रंगीन तोतों की होम डिलीवरी करने के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। जांच में आरोपियों के तार ओडिशा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के शिकायतकताओं से जुड़ी साइबर ठगी की शिकायतों से सामने आए हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, पहले मामले में साइबर टीम ने गांव चांदड़ाका के पास से साहिब पुत्र अरसद निवासी गांव जैवंत, थाना सदर पुन्हाना को गिरफ्तार किया। आरोपी ऑनलाइन सूट और साड़ी बेचने के नाम पर लोगों से ठगी करता था। उसके मोबाइल फोन में



व्हाट्सएप पर 'मां दुर्गा टेक्सटाइल' के नाम से प्रोफाइल मिली। मोबाइल में इस्तेमाल एक अन्य नंबर की साइबर क्राइम पोर्टल पर जांच करने पर ओडिशा के राउरकेला निवासी एक व्यक्ति से 3,600 रुपये की ठगी की शिकायत दर्ज मिली। पुलिस ने आरोपी से मोबाइल फोन, सिम कार्ड और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। फ्लैट और कमरे किराये पर देने के नाम पर बनाते थे निशाना दूसरे मामले में पुलिस ने पिनगवां की भाट कॉलोनी से इसताक पुत्र रुस्तम निवासी गांव झिमरावट, हाल आबाद भाट कॉलोनी पिनगवां को गिरफ्तार किया। आरोपी फ्लैट और कमरे किराये पर देने के नाम पर बुकिंग चार्ज और विजिटिंग चार्ज के रूप में अग्रिम भुगतान लेकर लोगों को ठगता था। उसके मोबाइल की जांच में व्हाट्सएप बिजनेस पर 'कुलदीप सिंह' और फेसबुक पर 'अनुराग गुप्ता' के नाम से अकाउंट मिले। इसके अलावा 99 एकर एप पर भी उसका अकाउंट लॉगिन मिला। पुलिस को मोबाइल में फ्लैट और कमरे किराये पर देने से संबंधित चैट, वॉयस मैसेज, क्यूआर कोड, कमरों की तस्वीरें और कथित फर्जी आधार कार्ड के फोटो मिले। इस्तेमाल किए गए सिम कार्ड के संबंध में दिल्ली के साइबर पुलिस स्टेशन ईस्ट में करीब 7,000 रुये की ठगी की शिकायत भी सामने आई है। रंगीन तोतों की होम डिलीवरी का विज्ञापन देकर करते थे ठगी तीसरे मामले में थाना सदर फिरोजपुर झिरका पुलिस टीम ने गांव नावली से नांगल मुबारिकपुर जाने वाले रास्ते पर खेतों में कार्रवाई करते हुए तोकिर उर्फ भुम्मा पुत्र जमशेद निवासी गांव नांगल मुबारिकपुर, थाना नगीना को गिरफ्तार किया। आरोपी रंगीन तोतों की ऑल इंडिया होम डिलीवरी करने का विज्ञापन देकर लोगों को ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के मोबाइल में 'राहुल शर्मा जी' के नाम से व्हाट्सएप बिजनेस और 'राहुल शर्मा' के नाम से फेसबुक अकाउंट लॉगिन मिला। मोबाइल में व्हाट्सएप चैट, वॉयस रिकॉर्डिंग, रंगीन तोतों की तस्वीरें और वीडियो तथा होम डिलीवरी से संबंधित विज्ञापन मिले। सिम कार्ड नंबर की जांच में उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर निवासी एक शिकायतकर्ता से 3,260 रुपये की साइबर ठगी की शिकायत दर्ज मिली।

वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान में कांग्रेस ने नूंह में लगाई चौपाल

एजेंसी

नोएडा। वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी नूंह की ओर से गांव चाहलका में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकतंत्र की मजबूती, चुनावी पारदर्शिता और आमजन के मताधिकार की रक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने जिले के गांव-गांव में जनसंपर्क एवं जनजागरूकता अभियान चलाने की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राजबीर सिंह फर्टिया ने शिरकत की, जबकि अध्यक्षता पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी नूंह की जिलाध्यक्ष शहीदा खान ने की। वक्ताओं ने कहा कि अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता गांवों में चौपाल लगाकर और घर-घर पहुंचकर लोगों को उनके वोट की ताकत, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा लोकतंत्र की रक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। इस दौरान एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) की प्रक्रिया के तहत मतदाता सूचियों से वोट काटे जाने से जुड़े मुद्दे भी उठाए



गए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी व्यक्ति को उसके मताधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। पूर्व विधायक एवं जिलाध्यक्ष शहीदा खान ने कहा कि कांग्रेस का संकल्प है कि जिले के हर गांव तक पहुंचकर जनता की आवाज बुलंद की जाएगी। प्रत्येक घर तक जाकर लोगों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने वोट के अधिकार के प्रति सजग रहना जरूरी है। मताधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए कांग्रेस मजबूती से संघर्ष करेगी। इस अवसर पर अख्तर हुसैन पूर्व प्रत्याशी, हाजी सुबराती खान, रामकरण ब्लॉक अध्यक्ष, रजाक ब्लॉक अध्यक्ष, शाकिर खान ब्लॉक अध्यक्ष, आरिफ लुहिंगा उपाध्यक्ष, खुर्शीद अहमद महासचिव, अंजुम पार्षद महासचिव, हसन मौ सरपंच, अख्तर हुसैन सुप्रीडेंट, निसार सरपंच, अशराक खान सचिव, इकरून अली सचिव, फतेह मौ, अब्बास जयसिंहपुर, नफीस छापड़ा, इलियास, नवाब, शम्सुद्दीन फौजी, करीम खान, जमशेद खान, खानू फौजी और शौकत खान सहित अनेक कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज का आंदोलन 35वें दिन भी जारी, दो छात्र सात दिन से भूख हड़ताल पर

एजेंसी

नोएडा। नूंह के पल्ला गांव स्थित मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्रों और शिक्षकों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। गुरुवार को आंदोलन 35वें दिन में प्रवेश कर गया। कॉलेज के शिक्षक और कर्मचारी लंबे समय से लंबित वेतन, महंगाई भत्ते और पदोन्नति का लाभ देने की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। वहीं, छात्र कॉलेज में बुनियादी सुविधाओं की कमी, आधुनिक प्रयोगशालाओं, खेल सुविधाओं, बेहतर लाइब्रेरी और जर्जर छात्रावासों की मरम्मत की मांग उठा रहे हैं। अपनी मांगों को लेकर कॉलेज के दो छात्र हुजैफा और अरबाज पिछले सात दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। आज आंदोलन को समर्थन देने के लिए हर्ष छिकारा, कॉकरोच जनता पार्टी के मोहम्मद जुनैद और लोहारू से कांग्रेस विधायक राजबीर सिंह फर्टिया सहित कांग्रेस के अन्य नेता धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान हर्ष छिकारा ने कॉलेज प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रशासक जाकिर हुसैन को छात्रों के बीच आकर जवाब देना होगा और कॉलेज का पूरा हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक प्रशासक छात्रों के बीच आकर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं करते, तब तक वह भी इन्हीं छात्रों के बीच धरना स्थल पर रहेंगे। लोहारू से कांग्रेस विधायक राजबीर सिंह फर्टिया ने कहा कि मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र अपने शिक्षा के अधिकार और बेहतर भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार को कॉलेज की स्थिति और यहां उठाई जा रही मांगों की तत्काल प्रभाव से जांच करानी चाहिए। सात दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे दो छात्रों के स्वास्थ्य और उनकी मांगों को लेकर भी सरकार को गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस पूरे मामले को विधानसभा में उठाया जाएगा, ताकि छात्रों और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान हो सके। वहीं, कॉकरोच जनता पार्टी के मोहम्मद जुनैद ने कहा कि मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज में पिछले 35 दिनों से आंदोलन चल रहा है। उन्हें इसकी जानकारी देरी से मिली, लेकिन जानकारी मिलने के बाद वह छात्रों के बीच पहुंचकर उनके समर्थन में खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज के छात्र केवल बेहतर शिक्षा व्यवस्था और अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं। जुनैद ने कहा कि आज जो भी अपने हक की बात करता है और अपनी आवाज उठाता है, उसे जेन-जी का दर्जा दे दिया जाता है।

सेक्टर-56 के लोगों ने विधायक और प्राधिकरण के समक्ष रखी पानी की समस्या

अलग-अलग स्थानों पर विधायक और प्राधिकरण के संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करके पानी की समस्या से कराया अवगत

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-56 में पिछले एक डेढ़ महीने से पानी संकट बना हुआ है। लोग एक-एक बाल्टी पानी के लिए भी तरस रहे हैं। स्थिति यह हो गई है कि सुबह के समय बच्चे बिना नहाए स्कूल जा रहे हैं। घर में पीने के लिए और भोजन बनाने के लिए पानी भी नहीं है। ऐसे में महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को बाजार से बोतल बंद पानी खरीदकर लाना पड़ रहा है। सेक्टर-56 की आरडब्ल्यूए ने पानी की समस्या को लेकर सेक्टर के सामुदायिक केंद्र में बैठक की। इसमें पानी की समस्या पर रोष जताते हुए प्राधिकरण और विधायक से मिलने का निर्णय



लिया। इसके बाद प्राधिकरण के जल विभाग के महाप्रबंधक आरपी सिंह और वरिष्ठ प्रबंधक अशोक वर्मा से मिले। उन्होंने पानी संकट दूर करने का आश्वासन दिया, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बुधवार को भी आरडब्ल्यूए के कार्यालय में एक बैठक हुई। वहां भी जल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आए थे, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं दे पाए। संबंधित अधिकारियों ने गंगनहर की सफाई का हवाला देते हुए 12 नंवबर तक स्थिति सामान्य होने का भरोसा दिया। जबकि आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों का कहना है कि गंग नहर की सफाई का कार्य हर साल होता है पर पहले ऐसा कभी भी नहीं हुआ है। असल में समस्या गंगाजल की नहीं, बल्कि कोई तकनीकी समस्या है, जिसके कारण नलों में पानी ही नहीं आ रहा है। सेक्टर में न तो अलग से पानी की टंकी है और न ही कोई जलाशय। यहां तक कि रेनवाल जल की भी कोई सुविधा नहीं है, जिसके परिणाम स्वरुप सेक्टर में हमेशा पानी की कमी बनी रहती है। किंतु पिछले एक डेढ़ महीने में तो इस समस्या ने विकराल रूप ले लिया है और समस्या बढ़ती ही जा रही है। इसी सिलसिले में सेक्टर के निवासी स्थानीय विधायक पंकज सिंह से मिलने के लिए सेक्टर-26 में उनके कार्यालय भी गए। विधायक के नहीं मिलने पर उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई, जिसमें निवासियों ने इस समस्या की जानकारी दी। लोगो ने कहा कि यही स्थिति रही है तो फिर सेक्टर में रहना मुश्किल हो जाएगा। हालत यह है कि निजी पानी के टैंकर संचालक ढाई ढाई हजार रुपये टैंकर का ले रहे हैं। समस्या यह भी है कि प्राधिकरण के जो टैंकर आते हैं, वह एक घर के लिए चार-पांच बाल्टियां ही भरते हैं और कह देते हैं कि इससे ज्यादा नहीं दे सकते। इससे समस्त सेक्टर वासियों में भारी रोष है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संजय मावी ने बताया कि पानी की किल्लत की वजह से कामकाजी लोग बिना नहाए हुए अपने-अपने काम पर जा रहे हैं। कपड़ों की सफाई न होने से लोगों की सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

NAME CHANGE

I hitherto known as JONI alias JONI SINGH TANWAR S/o SHOPAL SINGH R/O RATTHANTAHL, RATAN THAL(180), RATTANTHAL, REWARI, HARYANA-123301 have changed my name and shall hereafter be known as JONI SINGH TANWAR.

नियो ग्रुप ने म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू किया

नई दिल्ली ।

नियो वेल्थ एंड एसेट मैनेजमेंट (नियो ग्रुप) ने अपनी वित्तीय सेवा पेशकश का विस्तार करने की योजना के तहत नियो म्यूचुअल फंड की शुरुआत के साथ म्यूचुअल फंड कारोबार में प्रवेश की शुक्रवार को घोषणा की। कंपनी ने बयान में कहा कि नियो म्यूचुअल फंड ने करीब 10 अनुभवी फंड प्रबंधकों को अपने साथ जोड़ा है। इन सभी ने अपनी पिछली भूमिकाओं में सामूहिक रूप से दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन किया है। फंड हाउस की योजना देश में 25 से अधिक स्थानों पर अपनी मौजूदगी बनाने और म्यूचुअल फंड वितरकों, स्वतंत्र वित्तीय सलाहकारों, बैंकों तथा 'वेल्थ मैनेजर' के जरिये देशव्यापी वितरण नेटवर्क विकसित करने की है।नियो ग्रुप के पास 30 सितंबर, 2026 तक कुल करीब 1.46 लाख करोड़ रुपये की ग्राहक परिसंपत्तियां थीं।

एक दिन में मस्क-हुआंग ने गंवाई यूपी के बजट जितनी रकम

मिडटर्म नतीजों के बाद निवेशकों में भगदड़, टेस्ला और एनवीडिया के शेयर धड़ाम

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शेयर बाजार में गुरुवार को एक बड़ा भूचाल आया, जिसने दुनिया के दो सबसे अमीर व्यक्तियों एलन मस्क और जेन्सेन हुआंग को एक ही दिन में 8.44 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान पहुंचाया। यह रकम उत्तर प्रदेश के वार्षिक बजट के लगभग बराबर है। टेस्ला के एलन मस्क ने एक ही दिन में करीब 7.10 लाख करोड़ रुपये (79.7 अरब डॉलर) और एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग ने 1.34 लाख करोड़ रुपये (15.1 अरब डॉलर) गंवा दिए। कुल 8.44 लाख करोड़ रुपये का यह नुकसान उत्तर प्रदेश के सालाना मूल बजट (9.13 लाख करोड़) के लगभग बराबर है। इस दौरान टेस्ला का शेयर 11.5 फीसदी और एनवीडिया का 9.3 फीसदी लुढ़क गया। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी मिडटर्म चुनावों के नतीजे रहे, जहां डेमोक्रेट्स ने संसद में मजबूत नियंत्रण हासिल किया। इससे बड़े एआई डेटा सेंटरों पर कड़े नियम लगने की आशंका बढ़ी, जिसने सेमीकंडक्टर चिप सप्लायर एनवीडिया जैसी कंपनियों में ताबड़तोड़ बिकवाली को बढ़ावा दिया। इस झटके से मस्क की संपत्ति 800 अरब डॉलर से नीचे आ गई और हुआंग ब्लूमबर्ग इंडेक्स में टॉप-10 से बाहर हो गए। ओरेकल के लैरी एलिसन को भी 10.1 अरब डॉलर की चपत लगी।

वॉल स्ट्रीट का भूचाल, दिवाली मुहूर्त पर भारतीय बाजार पर पड़ेगा असर?

नैस्डैक 5.5 फीसदी टूटा, जापान-कोरिया में भी बिकवाली, एआई निवेश पर चिंता से बढ़ा वैश्विक दबाव

मुंबई ।

अमेरिका के वॉल स्ट्रीट में आई तेज गिरावट ने भारतीय निवेशकों की नींद उड़ा दी है। दिवाली पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग से ठीक पहले इस वैश्विक उथल-पुथल ने घरेलू बाजारों पर संभावित असर को लेकर चिंता बढ़ा दी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली और तकनीकी क्षेत्र में निवेश पर बढ़ती आशंकाओं ने दुनियाभर के बाजारों को हिला दिया है, जिससे भारतीय निवेशक सावधानी बरतने को मजबूर हैं। इस वैश्विक माहौल का असर भारतीय शेयर बाजार की धारणा पर भी पड़ सकता है। निवेशक अब घरेलू बाजार की चाल के साथ विदेशी बाजारों के संकेतों पर नजर रखेंगे। हालांकि, रविवार, 8 नवंबर को दिवाली के अवसर पर होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग का रुख हमेशा की तरह उत्साहजनक रहने की उम्मीद होती है, लेकिन इस बार निवेशक विदेशी बाजारों के संकेतों पर विशेष नजर रखेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इक्विटी बाजार में सामान्य कारोबार दोपहर 2:20 बजे से 3:30 बजे तक होगा। ऐसे में मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारतीय निवेशक मुहूर्त ट्रेडिंग में सावधानी के साथ कदम रख सकते हैं। वहीं गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। नैस्डैक 5.52 प्रतिशत टूट गया, जबकि एसएंडपी 500 में 4.36 प्रतिशत और डाउ जोंस में 3.44 प्रतिशत की गिरावट आई। खासकर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों पर सबसे ज्यादा दबाव देखा गया। एनवीडिया के शेयर लगभग 9.26 प्रतिशत और एएमडी के शेयर 17 प्रतिशत से अधिक गिर गए, जिससे तकनीकी क्षेत्र में बिकवाली का माहौल बना।

अमेरिकी बाजारों की इस गिरावट का असर शुक्रवार को एशियाई बाजारों पर भी दिखा। जापान का निक्केई सूचकांक 6 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया, वहीं दक्षिण कोरिया के कोस्पी में शुरुआती कारोबार में 8 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई, जिसके चलते बाजार को 20 मिनट के लिए रोकना पड़ा।

घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में तेजी

सेंसेक्स 33 अंक चढ़कर 79,300, निफ्टी 24,400 के स्तर पर

मुंबई ।



वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे शुरुआती कारोबार के बाद बढ़त के साथ कारोबार करने लगे। विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतें अपेक्षाकृत सीमित रहने से शेयर बाजार में आशावाद बढ़ा। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 33 अंक चढ़कर 79,343.06 अंक पर और एनएसई निफ्टी 52.95 अंक फिसलकर 24,477.40 अंक पर रहा। बाद में दोनों प्रमुख सूचकांकों में तेजी लौटी। सेंसेक्स 443.87 अंक की बढ़त के साथ 79,760.10 अंक पर और निफ्टी 81 अंक चढ़कर 24,612.85 अंक पर कारोबार करने लगा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर में चार प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। कंपनी का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत बढ़कर 4,587.88 करोड़ रुपये रहा जिससे उसके शेयर में तेजी आई है। टाइटन, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस और भारती एयरटेल के शेयर में भी तेजी रही। वहीं, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरावट में रहे।

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग काफी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार बृहस्पतिवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। नैस्डैक कम्पोजिट 5.52 प्रतिशत लुढ़क गया, एसएंडपी 500 में 4.36 प्रतिशत की गिरावट आई और डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 3.44 प्रतिशत नीचे रहा।

रुपया नौ पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.41 पर बंद हुआ था

मुंबई ।



रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में रातोंरात आई तेजी और अमेरिकी डॉलर में सुधार से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.50 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दर्शाता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार में इसमें मामूली सुधार हुआ और यह 94.36 प्रति डॉलर के उच्च स्तर तक पहुंच गया। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.41 पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.71 पर आ गया।

रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 जल्द होगी लॉन्च

नई दिल्ली ।

शक्तिशाली और महंगी बाइक निर्माता कंपनी रॉयल एनफील्ड ने अपनी नई हिमालयन 750 से पर्दा उठा दिया है। इसे नवंबर 2026 के आखिरी सप्ताह में आयोजित होने वाले मोटोवर्स कार्यक्रम के दौरान भारतीय बाजार में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

यह मोटरसाइकिल मौजूदा हिमालयन 450 से अधिक शक्तिशाली होगी, जिसमें नया 750 सीसी इंजन और लंबी दूरी की यात्रा के अनुकूल डिजाइन व खराब रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खास सुविधाएं दी गई हैं। रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 में कंपनी ने अपनी एडवेंचर मोटरसाइकिल श्रृंखला की मजबूत बनावट को बरकरार रखा है। इसमें बड़ा ईंधन टैंक, ऊंची सीट और चौड़ा ढांचा इसे पहले से अधिक दमदार रूप देता है। इसका अगला हिस्सा हिमालयन श्रृंखला की दूसरी मोटरसाइकिलों से मिलता-जुलता है, जबकि पिछले हिस्से में हिमालयन 450 जैसी डिजाइन देखने को मिलती है। इसे दोहरे रंगों के विकल्पों में पेश किया जा सकता है। इस मोटरसाइकिल की सबसे बड़ी खासियत इसका नया 750 सीसी पैरेलल-ट्विन इंजन है। कंपनी ने अभी इसकी अधिकतम शक्ति और टॉर्क के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं, लेकिन जानकारों के अनुसार, यह इंजन 55 हॉर्सपावर से अधिक की शक्ति और 60 एनएम का अधिकतम टॉर्क पैदा कर सकता है। इसके साथ छह गियर वाला गियरबॉक्स मिलने की उम्मीद है, जो राजमार्गों पर लंबी दूरी तय करने और पहाड़ी रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा।

धनतेरस पर शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1718, निफ्टी 493 अंक उछला

मुम्बई ।



भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को धनतेरस पर भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इस पूरे सप्ताह बाजार में तेजी रही। इसी कारण आज भी दिन भर कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1,718.01 अंक बढ़कर 81,028.02 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 493.75 अंक बढ़कर 25,030.35 पर बंद हुआ। यह लगातार सातवां सत्र था, जब बाजार बढ़कर बंद हुआ है। इस दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 30 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 503 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है1 वहीं ये 28 अक्टूबर को 473 लाख करोड़ रुपए था। आज बाजार में सबसे अधिक तेजी निजी बैंकों के शेयरों में रही। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक 3.22 के शेयर भी लाभ में रहे।

इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी फार्मा , निफ्टी कमोडिटीज , के शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मीडिया , निफ्टी इंडिया डिफेंसऔर निफ्टी एनर्जी के शेयरों में गिरावट रही। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 157.40 अंक गिरकर 18,975.05 और निफ्टी मिडकैप 14.25 अंक की मामूली गिरावट के साथ 60,606.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में केवल एक शेयर में ही गिरावट रही।

एमएंडएम, आईसीआईआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, सन फार्मा, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे केवल पावरग्रिड के शेयर ही नीचे आये।

बाजार में उछाल का एक मुख्य कारण विदेशी निवेशकों की वापसी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 33 अंक चढ़कर 79,343.06 अंक पर और एनएसई निफ्टी 52.95 अंक फिसलकर 24,477.40 अंक पर रहा। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग काफी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए थे। नैस्डैक कम्पोजिट 5.52 फीसदी लुढ़क गया, एसएंडपी 500 में 4.36 फीसदी की गिरावट आई और डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 3.44 फीसदी नीचे रहा।

धनतेरस पर घर बैठे खरीदें सोना-चांदी, 78 फीसदी तक की बंपर छूट के साथ

स्विगी इंस्टामार्ट और ब्लिंकइट के धमाकेदार ऑफर्स, नामी ब्रांड्स के सिक्कों पर मिल रही बंपर बचत

नई दिल्ली ।

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना बेहद शुभ माना जाता है। लेकिन इस बार आपको भीड़ भरे बाजारों में धक्के खाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्विगी इंस्टामार्ट और ब्लिंकइट जैसे क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने ग्राहकों के लिए एक शानदार अवसर पेश किया है, जहां आप घर बैठे ही तनिष्क, कल्याण ज्वेलर्स, मालाबार जैसे नामी ब्रांड्स के सोने-चांदी के सिक्कों पर 78 फीसदी तक की बंपर छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह त्योहारी सीजन में ग्राहकों को सस्ती और सुविधाजनक खरीदारी का अनुभव दे रहा है। स्विगी इंस्टामार्ट पर सोने-चांदी की आकर्षक डील्स स्विगी इंस्टामार्ट ने धनतेरस को खास बनाने के लिए सोने-चांदी के सिक्कों पर जबरदस्त डील्स पेश की हैं। यहां 1 ग्राम 24 कैरेट सोने का कल्याण ज्वेलर्स फ्लावर डिजाइन सिक्का, जिसकी एमआरपी 26,000 रुपए है, 43 रुपए छूट के बाद सिर्फ 14,599 रुपए में उपलब्ध है। यह एक ग्राम सोने के लिए सबसे कम कीमतों में से एक है। इसके अलावा, मिया बाय तनिष्क का एक ग्राम लोटस गोल्ड कॉइन 24 रुपए की छूट पर 16,639 रुपए में और मालाबार का एक ग्राम लक्ष्मी गोल्ड कॉइन 27 फीसदी डिस्काउंट के साथ 15,879 रुपए में मिल रहा है। चांदी के सिक्कों में, कल्याण ज्वेलर्स का 10 ग्राम लक्ष्मी सिल्वर कॉइन 78 फीसदी की बंपर छूट के बाद मात्र 2,169 रुपए में खरीदा जा सकता है, जबकि जीवा और मालाबार के चांदी के सिक्कों पर भी शानदार ऑफर्स हैं।

ब्लिंकइट पर भी भारी छूट का मौका इसी तरह, ब्लिंकइट पर भी जोयालुक्कास, मुथूट एक्जिम और एमएमटीसी-पीएमएमपीएस जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के 24 कैरेट सोने और 999 शुद्धता वाले चांदी के सिक्कों पर 77 रुपए तक की छूट मिल रही है।

बीते एक साल में सोने की कीमतों में 13 हजार से अधिक का उछाल

नई दिल्ली ।

धनतेरस के पावन अवसर पर सोने-चांदी की खरीदारी की परंपरा के बीच इस साल उन निवेशकों के चेहरे खिले हैं जिन्होंने पिछले वर्ष इस शुभ दिन पर सोना खरीदा था। बीते एक साल में सोने की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों को अच्छा-खासा मुनाफा हुआ है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में इस वर्ष धनतेरस के आसपास 24 कैरेट सोने का दाम लगभग 1,45,650 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा, जो पिछले साल के 1,32,278 रुपये प्रति 10 ग्राम से करीब 13,372 रुपये अधिक है। यह बढ़ोतरी निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, हालांकि स्थानीय बाजारों में दरों में थोड़ा अंतर हो सकता है। हालांकि, वर्ष 2026 की शुरुआत में सोने ने 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम का ऐतिहासिक उच्च स्तर भी देखा था, जिसके बाद कीमतों में 18-20 फीसदी तक की गिरावट आई। इसके बावजूद, मौजूदा दरें पिछले साल की तुलना में काफी ऊपर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सोना दीर्घकालिक निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है, पर इसकी कीमतों में निरंतर वृद्धि की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती।

मप्र में दिवाली पर 14,000 करोड़ तक के कारोबार का अनुमान-कैट

स्वदेशी उत्पादों की मांग और स्थानीय खरीदारी से मिलेगी अर्थव्यवस्था को गति

भोपाल ।

मध्य प्रदेश में इस साल दिवाली का त्योहार राज्य के व्यापार जगत के लिए खुशियां लेकर आने वाला है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) ने अनुमान जताया है कि इस दिवाली पर प्रदेश में 12,000 करोड़ रुपये से 14,000 करोड़ रुपये तक का रिकॉर्ड कारोबार हो सकता है। सीएआईटी के अनुसार उपभोक्ताओं की बढ़ती क्रय शक्ति, स्वदेशी उत्पादों में रुचि और स्थानीय खरीदारी को प्रोत्साहन मिलने से दिवाली से 7-10 दिन पहले बाजारों में जबरदस्त तेजी आएगी। भोपाल, इंदौर जैसे बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों और ग्रामीण बाजारों तक, हर जगह शानदार बिक्री की उम्मीद है। क्षेत्रवार आकलन में कपड़ा (2,200 करोड़ रुपये), सोना-चांदी (2,000 करोड़ रुपये) और वाहन (1,700 करोड़ रुपये) प्रमुख हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स (1,300 करोड़ रुपये) और किराना (1,100 करोड़ रुपये) में भी अच्छा व्यवसाय अपेक्षित है। पटाखों का कारोबार हालांकि पर्यावरण जागरूकता के चलते अपेक्षाकृत कम (600 करोड़ रुपये) रह सकता है। उन्होंने जनता से देश में निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने और स्थानीय कारोबारियों से खरीदारी की अपील की, जिससे छोटे-मध्यम उद्यमों को मजबूती मिलेगी, रोजगार बढ़ेंगे और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिलेगी।

वाहन खुदरा बिक्री अक्टूबर में 23.8 फीसदी घटकर 31.72 लाख इकाई रही-फाडा

त्योहारों के कैलेंडर ने बिगाड़ी अक्टूबर की वाहन बिक्री, पर जमीनी मांग मजबूत

नई दिल्ली ।

देश में अक्टूबर महीने में वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 23.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, कुल 31.72 लाख से अधिक इकाइयां बिकीं। हालांकि, फाडा ने इस गिरावट को त्योहारों के कैलेंडर का परिणाम बताया है, जहां पिछले साल की तुलना में इस साल धनतेरस और दिवाली नवंबर में पड़ने के कारण बिक्री प्रभावित हुई, जबकि असल में मांग मजबूत बनी हुई है। फाडा के एक अे धिकारी ने स्पष्ट किया कि अक्टूबर भारत में साल का सबसे बड़ा खुदरा बिक्री वाला महीना होता है। उन्होंने बताया कि पिछले साल अक्टूबर में नवरात्र और दीपावली दोनों एक साथ पड़े थे, साथ ही जीएसटी दरों में कटौती के बाद दबी हुई मांग भी सामने आई थी, जिससे वह महीना असाधारण रहा। इस साल नवरात्र अक्टूबर में रहे, जबकि धनतेरस और दिवाली नवंबर में शिफ्ट हो गए, जिससे आंकड़ों में गिरावट दिख रही है। अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 28.35 प्रतिशत घटकर 23.21 लाख इकाई रह गई, जबकि यात्री वाहनों की बिक्री भी 4.23 प्रतिशत फिसलकर 5.08 लाख इकाई पर आ गई। ग्रामीण क्षेत्रों में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 33.97 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 20.77 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इसके विपरीत, कई सेगमेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2.29 प्रतिशत बढ़कर 1.15 लाख इकाई, तिपहिया वाहनों की बिक्री 3.97 प्रतिशत बढ़कर 1.41 लाख इकाई और ट्रैक्टरों की बिक्री 3.10 प्रतिशत बढ़कर 79,285 इकाई रही। फाडा के अनुसार, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया और ट्रैक्टर तीनों ही सेगमेंट ने अक्टूबर में अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है।

अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट से आम आदमी का रिटायरमेंट फंड भी संकट में

डोनाल्ड ट्रंप की हार का जश्न मनाने के तुरंत बाद नैस्डैक में आई इस ऐतिहासिक गिरावट

वाशिंगटन ।

अमेरिकी शेयर बाजार में हाल ही में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसने न केवल एलन मस्क जैसे अरबपतियों को अरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाया, बल्कि लाखों आम अमेरिकियों की रिटायरमेंट सेविंग्स पर भी सीधा असर डाला। डोनाल्ड ट्रंप की हार का जश्न मनाने के तुरंत बाद नैस्डैक में आई इस ऐतिहासिक गिरावट ने 401(के) नामक अमेरिकी रिटायरमेंट फंड की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने इस क्रैश का ठीकरा डेमोक्रेट्स पर फोड़ते हुए 401(के) फंड पर इसके प्रभाव को उजागर किया, जिससे आम नौकरीपेशा अमेरिकियों के बुढ़ापे के सहारे पर सवाल खड़े हो गए हैं।

बाजार में भूचाल और ट्रंप का वार- अमेरिकी शेयर बाजार का तकनीकी सूचकांक नैस्डैक अपने ऊपरी स्तरों से 10 फीसदी से अधिक और एक ही दिन में 6 फीसदी लुढ़क गया, जो मार्च 2020 के बाद की सबसे बड़ी एकदिवसीय गिरावट है। इस झटके से अरबपतियों की संपत्ति स्वाहा हुई, लेकिन इसका असर अमेरिका के लाखों आम नौकरीपेशा लोगों की बुढ़ापे के लिए जोड़ी गई बचत पर भी पड़ा। डोनाल्ड ट्रंप ने इस गिरावट को डेमोक्रेट्स और चुनाव नतीजों से जोड़ते हुए खास तौर पर 401(के) का जिक्र किया, जिससे यह सवाल उठा कि आम आदमी की पेंशन कैसे प्रभावित हुई। क्या है 401(द्य) और क्यों जुड़ा है बाजार से? 401(के) अमेरिका में नौकरीपेशा लोगों के लिए एक रिटायरमेंट बचत योजना है, जिसे भारत के ईपीएफ या एनपीएस के समान समझा जा सकता है। इसमें कर्मचारी अपनी मासिक सैलरी का एक हिस्सा जमा करते हैं और कई कंपनियां भी इसमें योगदान करती हैं। इस फंड की खास बात यह है कि कर्मचारी को यह पैसा शेयर बाजार से जुड़े फंड्स, बॉन्ड्स या अन्य विकल्पों में निवेश करने का विकल्प मिलता है।

धनतेरस पर गाड़ियों की बंपर बिक्री का अनुमान

नए और पुराने वाहनों की मांग जोरदार, लेकिन ई-वाहनों की आपूर्ति में आ सकती है बाधा

नई दिल्ली ।

धनतेरस पर देश का वाहन बाजार जोरदार बिक्री की उम्मीद कर रहा है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने दोपहिया, चारपहिया और वाणिज्यिक वाहनों सहित सभी श्रेणियों में मजबूत मांग का अनुमान जताया है, जिससे उत्सव के इस माहौल में बिक्री में तेजी आने की संभावना है। फाडा के अनुसार, समग्र बाजार धारणा सकारात्मक बनी हुई है और ग्राहकों का रुझान काफी उत्साहजनक है। हालांकि, उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति में संभावित बाधाओं का जिक्र किया, जिससे कुछ श्रेणियों में डिलीवरी प्रभावित हो सकती है। छह नवंबर को धनतेरस और आठ नवंबर को दिवाली होने के कारण, यह महीना खुदरा बिक्री के लिए एक बड़ा अवसर है। फाडा के एक सर्वेक्षण में 51 फीसदी से अधिक डीलरों ने इस महीने बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई है। पुरानी कारों का बाजार भी पीछे नहीं है, जहां मांग आपूर्ति से अधिक बनी हुई है। कार्स24 के एक अे धिकारी ने बताया कि नवरात्र में उनकी बिक्री सालाना आधार पर 58 फीसदी बढ़ी और धनतेरस पर यह सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना होने का अनुमान है। हालांकि, फाडा ने पिछले साल की धनतेरस बिक्री से तुलना करने के प्रति आगाह किया है, जब जीएसटी दरों में कटौती और दबी हुई मांग के कारण असाधारण वृद्धि देखी गई थी। इस बार, उद्योग स्वाभाविक मजबूत मांग और सकारात्मक उपभोक्ता भावना के दम पर बिक्री में उछाल की उम्मीद कर रहा है।

यूजीसी के नए नियमों पर पुनर्विचार सामाजिक न्याय और समानता के बीच संतुलन जरूरी



सौरभ वार्ष्णेय

यूजीसी के नए नियमों का उद्देश्य किसी वर्ग को दूसरे के मुकाबले खड़ा करना नहीं, बल्कि शिक्षा संस्थानों को भेदभाव से मुक्त बनाना होना चाहिए। सामाजिक न्याय और सामान्य वर्ग की आशंकाएं एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं। दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। सरकार को ऐसा रास्ता निकालना होगा, जिसमें वंचितों को प्रभावी संरक्षण मिले और किसी अन्य वर्ग के विद्यार्थी को भी अन्याय का अनुभव न हो।

उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा बनाए गए नए नियम अब खुद एक बड़े विवाद का विषय बन गए हैं। जिस व्यवस्था का मकसद विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में हर विद्यार्थी को सुरक्षित, सम्मानजनक और भेदभावमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना था, उसी के प्रावधानों पर सवाल उठने लगे हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और अब केंद्र सरकार ने अदालत को बताया है कि वह इन नियमों पर नए सिरे से विचार कर रही है। सरकार की ओर से कमेटी गठित करने की संभावना भी जताई गई है। यह घटनाक्रम बताता है कि सामाजिक न्याय के उद्देश्य से बनाई जाने वाली नीतियों में संवेदनशीलता के साथ-साथ व्यापक स्वीकार्यता भी कितनी आवश्यक है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्पष्ट किया कि सरकार नियमों की समीक्षा कर रही है, ताकि विद्यार्थियों की आशंकाओं का समाधान किया जा सके और किसी भी वर्ग में असंतोष या असुरक्षा की भावना पैदा न हो। इस पर मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी महत्वपूर्ण है कि नीति ऐसी होनी चाहिए, जिससे सभी युवा संतुष्ट महसूस करें। अदालत ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी है। यह टिप्पणी केवल यूजीसी के नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था के लिए एक व्यापक संदेश भी देती है।

दरअसल, इस विवाद की जड़ उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव की वह कड़वी वास्तविकता है, जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाता रहा है। रोहित वेमुला और पायल तड़वी जैसे विद्यार्थियों की दुखद मौत ने देश को यह सोचने पर मजबूर किया था कि क्या हमारे विश्वविद्यालय वास्तव में सभी विद्यार्थियों के लिए समान अवसर और सम्मान का वातावरण उपलब्ध करा पा रहे हैं? वर्ष 2019 में रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं की ओर से दायर याचिकाओं में उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव के खिलाफ प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था की मांग की गई थी। इन याचिकाओं का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि किसी विद्यार्थी को उसकी जाति, सामाजिक पृष्ठभूमि अथवा पहचान के कारण अपमान, उत्पीडऩ या अलगाव का सामना न करना पड़े।

इसी पृष्ठभूमि में यूजीसी ने विचार-विमर्श के बाद जनवरी



2026 में नए नियम अधिसूचित किए। लेकिन इन नियमों के कुछ प्रावधानों, विशेषकर जातिगत भेदभाव की परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हो गया। नए ढांचे में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले भेदभाव पर विशेष ध्यान दिया गया। दूसरी ओर सामान्य वर्ग के कुछ विद्यार्थियों और याचिकाकर्ताओं ने आशंका जताई कि इस व्यवस्था में उनके खिलाफ होने वाले भेदभाव को पर्याप्त रूप से शामिल नहीं किया गया है। उनका तर्क है कि यदि भेदभाव रोकने के लिए बनाई गई व्यवस्था ही किसी दूसरे वर्ग को संरक्षण से बाहर रखती है, तो समानता का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 29 जनवरी 2026 को इन नियमों पर अंतरिम रोक लगाते हुए फिलहाल 2012 के नियम लागू रखने का निर्देश दिया था। अदालत की चिंता यह थी कि नए प्रावधानों की भाषा और उनका दायरा कहीं ऐसी स्थिति न पैदा कर दे, जिससे समाज में विभाजन और असंतोष बढ़े। यह ध्यान रखना होगा कि अदालत की अंतरिम रोक को अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। इसका उद्देश्य मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच करना और किसी संभावित अन्याय को रोकना है।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जातिगत भेदभाव के खिलाफ सुरक्षा की व्यवस्था को किसी एक सामाजिक वर्ग तक सीमित किया जाना चाहिए? निश्चित रूप से भारतीय समाज में ऐतिहासिक रूप से वंचित और कमजोर वर्गों ने लंबे समय तक भेदभाव और सामाजिक असमानता का सामना किया है। शिक्षा संस्थानों में उनके लिए विशेष सुरक्षा उपायों की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। संविधान भी समानता के साथ-साथ सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के संरक्षण की भावना को महत्व देता है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी अन्य विद्यार्थी की शिकायत को केवल उसकी जाति या सामाजिक पहचान के आधार पर कम महत्व दिया जाए।

समानता का वास्तविक अर्थ यही है कि हर विद्यार्थी को न्याय पाने का समान अधिकार मिले। यदि किसी अनुसूचित जाति, जनजाति या पिछड़े वर्ग के विद्यार्थी के साथ जातिगत अपमान होता है तो उसे तत्काल संरक्षण मिलना चाहिए। इसी प्रकार यदि सामान्य वर्ग का कोई विद्यार्थी जाति के आधार पर उत्पीडऩ, अपमान या अनुचित व्यवहार का सामना करता है तो उसकी शिकायत को भी गंभीरता से सुना जाना चाहिए। भेदभाव की कोई भी घटना गलत है, चाहे उसका शिकार किसी भी वर्ग का विद्यार्थी हो। न्याय की कसौटी पीड़ित की जाति नहीं, बल्कि उसके साथ हुआ व्यवहार होना चाहिए।

यह भी समझना होगा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाले संस्थान नहीं हैं। वे देश के भविष्य, विचारों और सामाजिक चेतना का निर्माण करते हैं। यदि शिक्षा के मंदिरों में ही जाति, वर्ग और पहचान के आधार पर अविश्वास की दीवारें खड़ी होने लगें तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। विद्यार्थियों के बीच आपसी सम्मान, संवाद और सहयोग का वातावरण बनाना विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। शिकायत निवारण समितियां निष्पक्ष हों, जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो और किसी भी शिकायतकर्ता को प्रताडऩा या प्रतिशोध का भय न रहे।

केंद्र सरकार के सामने अब चुनौती केवल नियमों में संशोधन करने की नहीं, बल्कि ऐसा संतुलित ढांचा तैयार करने की है, जिस पर सभी वर्ग भरोसा कर सकें। प्रस्तावित कमेटी में शिक्षाविदों, सामाजिक न्याय के विशेषज्ञों, विधि विशेषज्ञों और विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाना चाहिए। नियमों की भाषा स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि भेदभाव की परिभाषा को लेकर भ्रम की गुंजाइश न रहे। साथ ही झूठी शिकायतों की आशंका को दूर करने के लिए निष्पक्ष जांच की व्यवस्था हो, लेकिन इस आधार पर वास्तविक पीड़ितों की आवाज दबने भी न पाए।

यूजीसी के नए नियमों का उद्देश्य किसी वर्ग को दूसरे के मुकाबले खड़ा करना नहीं, बल्कि शिक्षा संस्थानों को भेदभाव से मुक्त बनाना होना चाहिए। सामाजिक न्याय और सामान्य वर्ग की आशंकाएं एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं। दोनों के बीच संतुलन स्थापित करना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। सरकार को ऐसा रास्ता निकालना होगा, जिसमें वंचितों को प्रभावी संरक्षण मिले और किसी अन्य वर्ग के विद्यार्थी को भी अन्याय का अनुभव न हो। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। शिक्षा का परिसर ऐसा होना चाहिए, जहां विद्यार्थी अपनी जाति से नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा, परिश्रम और योग्यता से पहचाना जाए। यही समानता का वास्तविक अर्थ है और यही एक स्वस्थ, समावेशी तथा मजबूत भारत की बुनियाद भी।

संपादकीय

गिरफ्तारी में पारदर्शिता

किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और उसकी गिरफ्तारी को दर्शाने के समय को लेकर पुलिसिया कार्रवाई के बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं। दरअसल, यह व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद, इसकी अनदेखी की जाती रही है। यही वजह है कि अब इस मामले मे देश की शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। शीर्ष अदालत का फैसला कहता है कि किसी भी हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समय-सीमा, गिरफ्तारी के औपचारिक रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि हिरासत में लिए जाने वाले पल से ही शुरू हो जाती है। सही मायने में, यह निर्णय आम भारतीय की संवैधानिक स्वतंत्रता की समयोचित पुष्टि ही है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह फैसला एक स्पष्ट संदेश देता है कि पुलिस मौलिक अधिकारों से बचने के लिये प्रक्रियाओं में हेरफेर नहीं कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 22(2) के उद्देश्य से हिरासत और गिरफ्तारी के बीच किए गए बनावटी अंतर को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एक गंभीर खामी को दूर किया है। इस खामी का लाभ उठाकर ही जांच व प्रवर्तन एजेंसियां लोगों को बिना किसी त्वरित न्यायिक निगरानी के हिरासत में रख सकती थीं। दरअसल, नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिए गए चार लोगों से जुड़े इस प्रकरण ने, हिरासत में लेने और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच 18 घंटे के अंतराल की विसंगति को उजागर किया है। जिसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया था। वास्तव में गिरफ्तारी दिखाने में की गई यह देरी पुलिस को मनमाने ढंग से ताकत के इस्तेमाल और हिरासत में दुर्व्यवहार का मौका देती है। इसमें दो राय नहीं कि अक्सर आरोप लगते हैं कि गिरफ्तार व्यक्ति से मारपीट की गई और लंबी पूछताछ की गई। निस्संदेह, यह स्थिति भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की छवि पर एक सवालिया निशान लगाती है।

हमारा संविधान किसी भी व्यक्ति को न्यायिक जांच के बगैर हिरासत में रखे जाने के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी तो देता है, लेकिन यह सुरक्षा जांच अधिकारियों के रहमो-करम के भरोसे नहीं रह सकती है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को दो टूक शब्दों में कहना पड़ा कि किसी को हिरासत में लिये जाने की 24 घंटे की समय सीमा में केवल मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले उचित समय को ही घटाया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेटों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे हिरासत में लिए जाने के वास्तविक समय को ही दर्ज करें। साथ ही यह भी कि वे स्वतंत्र रूप से इस बात की जांच करें कि क्या किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया में संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन वास्तविक रूप से किया गया है। इसके साथ ही जरूरी है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण भी स्वतंत्रता के गैर-कानूनी हनन के खिलाफ एक कानूनी प्रभावी उपाय बना ही रहना चाहिए। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में भी न्याय व्यवस्था के लिये एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा। जहां अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद के लगभग चार वर्षों में प्रिवेंटिव डिटेंशन को चुनौती देने वाली दो हजार से अधिक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं दायर की गई थीं। इस बात में दो राय नहीं हो सकती हैं कि जब कानूनी प्रावधान के क्रियान्वयन में देरी होती है, अथवा जवाबदेही पर्याप्त नहीं होती है, तो संवैधानिक स्वतंत्रता प्रभावहीन होकर रह जाती है। निस्संदेह, किसी भी तरह के अपराध के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ी जानी चाहिए, ताकि समाज में कानून का राज्य स्थापित हो सके। लेकिन इसका अर्थ मौलिक अधिकारों को कमजोर करना कदापि नहीं होना चाहिए। बहरहाल, अदालत के निर्देश का सार यह भी है कि पुलिस को कानून के दायरे में रहकर ही कोई भी जांच करनी चाहिए। साथ ही इस मामले में अदालतों को भी सतर्क रहना चाहिए। यह सर्वमान्य सत्य है कि स्वतंत्रता महज प्रक्रियात्मक औपचारिकता भर नहीं है। सही मायने में यह किसी भी लोकतंत्र की बुनियाद है।

सूक्ति

जिस राष्ट्र में चरित्रशीलता नहीं है उसमें कोई योजना काम नहीं कर सकती।
- विनोबा भावे

जिस प्रकार नेत्रहीन के लिए दर्पण बेकार है उसी प्रकार बुद्धिहीन के लिए विद्या बेकार है।
- प्रेमचंद

वोट चोरी के बहाने अराजक आंदोलन



सुरेश हिंदुस्तानी

देश के वर्तमान राजनीतिक वातावरण को लेकर जनमानस में अनेक प्रकार के सवाल उठ रहे हैं। इन सवालों के जवाब स्वाभाविक रूप से उन राजनीतिक दलों की ओर से अवश्य ही आना चाहिए, जो राजनीतिक धुरी के रूप में अपने आपको स्थापित करने का प्रयास करते हैं। वर्तमान में वोट चोरी को मुख्य मुद्दा बनाकर विपक्ष केंद्र सरकार पर हमला करने का कोई मौका नहीं चूक रहा है, वहीं सत्ता पक्ष की ओर से भी जमकर प्रत्युत्तर देने का साहसिक प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में जनता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि होती है। लोकतंत्र के मायने भी यही हैं कि देश में जनता की सरकार है, राजनीतिक दलों की नहीं। जनता अपने प्रतिनिधि के रूप में इन्हें चुनकर भेजती है। भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और जनादेश की अभिव्यक्ति हैं। वर्तमान में विपक्ष खासकर कांग्रेस की ओर से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। यह विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सवाल उठाने और संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा कर राजनीतिक अराजकता पैदा करने के बीच एक स्पष्ट अंतर है। दुर्भाग्य से कांग्रेस आज इसी अंतर को समझने में असफल दिखाई दे रही है। वोट चोरी के आरोपों को आधार बनाकर आंदोलन खड़ा करने की उसकी कोशिश राजनीतिक रणनीति से अधिक अपनी हताशा और दिशाहीनता का प्रदर्शन प्रतीत होती है।

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी मर्यादा भी है। यदि किसी राजनीतिक दल को लगता है कि चुनाव प्रक्रिया में अनियमितता हुई है, तो उसके पास संवैधानिक और कानूनी मंच उपलब्ध हैं। उसे तथ्यों, प्रमाणों और ठोस तर्कों के साथ अपनी बात रखनी चाहिए। लेकिन किसी संवैधानिक पद पर बैठे मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को आंदोलन का केंद्रीय विषय बना देना क्या उचित राजनीतिक तरीका है? मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया है। उसे राजनीतिक दबाव और सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन के माध्यम से प्रभावित करने की कोशिश लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा के अनुकूल नहीं कही जा सकती। कांग्रेस को यह समझना होगा कि चुनाव में लगातार मिल रही पराजय का पूरा दोष चुनाव आयोग या मुख्य चुनाव आयुक्त पर डालकर वह अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती। कांग्रेस की चुनावी चुनौतियां आज की नहीं हैं। पार्टी लंबे समय से अनेक राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर जनसमर्थन खोती रही है। इसके पीछे संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व का संकट, स्थानीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व का अभाव और जनता से टूटता संवाद जैसे अनेक कारण हैं। इन कारणों का आत्मविश्लेषण करने के बजाय हर पराजय के बाद चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न लगाना समस्या का समाधान नहीं है।

कांग्रेस ने अपने आंदोलन के लिए समय का चयन भी ठीक नहीं किया। देश में दीपावली का उत्सव निकट है। बाजारों में रौनक है, व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों को सजाने, कारोबार बढ़ाने और ग्राहकों की तैयारी में व्यस्त हैं। आम परिवार खरीदारी, त्योहार की तैयारियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों में जुटे हैं। ऐसे समय में व्यापक जनभागीदारी की अपेक्षा करना व्यावहारिक राजनीतिक समझ का परिचय नहीं देता। स्वाभाविक है कि आंदोलन में अपेक्षित संख्या नहीं जुट पाई। राजनीति केवल नारे लगाने से नहीं चलती, इसके लिए समाज की मनःस्थिति, समय और परिस्थितियों को समझना भी आवश्यक है।

विशेष रूप से व्यापारी वर्ग की भावनाओं को नजरअंदाज करना कांग्रेस की रणनीतिक भूल कही जा सकती है। त्योहारों का समय व्यापारियों के लिए वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी अवसरों में से एक होता है। व्यापारी वर्ग यदि आंदोलन के समय और स्वरूप को लेकर अपनी असहमति व्यक्त कर रहा था, तो कांग्रेस नेतृत्व को उसके अनुरोध पर गंभीरता से विचार करना चाहिए था। लोकतांत्रिक राजनीति का अर्थ समाज के विभिन्न वर्गों की परेशानियों और प्राथमिकताओं को समझना है, न कि अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार उनसे सहभागिता की अपेक्षा करना।

कांग्रेस को यह भी समझना होगा कि सत्ता का रास्ता आंदोलन की भीड़ से नहीं, जनता के विश्वास से होकर गुजरता है। यदि पार्टी वास्तव में सत्ता में वापसी चाहती है तो उसे जनता के बीच जाना होगा। किसानों के लिए उसकी क्या नीति है? युवाओं को रोजगार देने की उसकी योजना क्या है? महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास को लेकर उसका दृष्टिकोण क्या है? देश की बदलती आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप उसका भविष्य का विजन क्या है? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर जनता के सामने रखने होंगे। आज कांग्रेस की राजनीति का बड़ा हिस्सा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई देता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार की आलोचना आवश्यक है, लेकिन केवल विरोध करना राजनीतिक विकल्प प्रस्तुत करना नहीं होता। जनता यह जानना चाहती है कि वर्तमान सरकार की नीतियों में कमियां बताने वाली पार्टी स्वयं सत्ता में आने पर क्या अलग करेगी। केवल मोदी विरोध के सहारे जनसमर्थन हासिल करने की कोशिश कांग्रेस को राजनीतिक रूप से मजबूत नहीं कर सकती। उसे अपनी उपलब्धियों, नीतियों, कार्यक्रमों और भविष्य की कार्ययोजना के आधार पर जनता का विश्वास अर्जित करना होगा।

इस पूरी राजनीतिक स्थिति में कांग्रेस के सलाहकारों की भूमिका पर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। आखिर कौन लोग हैं जो पार्टी को ऐसे समय में आंदोलन की सलाह दे रहे हैं, जब देश का बड़ा वर्ग दीपावली की तैयारियों में व्यस्त है? कौन हैं जो जनता की वास्तविक प्राथमिकताओं से अलग राजनीतिक रणनीति बना रहे हैं? क्या पार्टी का नेतृत्व जमीनी परिस्थितियों का सही आकलन कर पा रहा है? यदि सलाहकार लगातार ऐसी रणनीतियां प्रस्तुत कर रहे हैं, जिनसे पार्टी को राजनीतिक लाभ के बजाय नुकसान हो रहा है, तो उन्हें बदलने में ही कांग्रेस की भलाई है।

विपक्ष का मजबूत होना लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। लेकिन मजबूत विपक्ष वह होता है जो सरकार की गलतियों को तथ्यों के साथ उजागर करे, जनता के मुद्दों पर संघर्ष करे और देश को एक विश्वसनीय विकल्प दे। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से पहले अपने राजनीतिक आचरण और संगठनात्मक कमजोरियों का मूल्यांकन भी करे।

कांग्रेस के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती केवल सत्ता में वापसी नहीं, बल्कि जनता के बीच खोया हुआ विश्वास वापस हासिल करना है। इसके लिए उसे आरोपों की राजनीति से बाहर निकलकर सकारात्मक एजेंडे की राजनीति अपनानी होगी। क्योंकि लोकतंत्र में सत्ता का रास्ता संवैधानिक संस्थाओं से टकराव, आरोपों और अराजक आंदोलनों से नहीं, बल्कि जनता के दरवाजे तक पहुंचने और उसका विश्वास जीतने से बनता है। कांग्रेस को यह बात जितनी जल्दी समझ आ जाए, उतना ही उसके राजनीतिक भविष्य के लिए बेहतर होगा। कांग्रेस को वोट चोरी के आरोपों से आगे बढ़कर अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता, संगठन और वैकल्पिक विजन पर काम करना होगा। सत्ता का रास्ता जनता के बीच से होकर जाता है, टकराव की राजनीति से नहीं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी



योगेश कुमार गोयल



कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है।

इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सद्गुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

जर्मन विदेश मंत्री ने अमेरिका-इजरायल हमले को बताया सही, तेहरान बोला- शर्मनाक बयान

तेहरान , एजेंसी। तेहरान ने जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के उस बयान पर सख्त ऐतराज जताया है जिसमें उन्होंने ईरान पर अमेरिका-इजरायल की संयुक्त कार्रवाई का बचाव किया था। गुरुवार को ईरानी विदेश मंत्रालय ने इसे 'शर्मनाक और निम्न स्तर का बयान' करार दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने उनकी आलोचना की। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की पुरानी टिप्पणी याद दिलाई। पोस्ट में लिखा, 'एक समय चांसलर मर्ज ने बड़े उत्साह से कहा था कि इजरायल, ईरान पर हमला करके 'गंदा काम' कर रहा है। लेकिन कुछ ही महीनों बाद, वही चांसलर अब इस बात पर अफसोस जता रहे हैं कि इस युद्ध की वजह से यूरोपीय अर्थव्यवस्था को 100 अरब यूरो का नुकसान हो रहा है! बाघेई ने आगे लिखा, 'अब उनके विदेश मंत्री भी ईरान पर हुए सैन्य हमले को सही ठहराने के लिए मजबूर महसूस कर रहे हैं। बाघेई ने आगे कहा कि वे इतनी उदासीनता और गहरे नैतिक पतन का शिकार हैं कि न तो उन्हें इंसानी जानों के नुकसान और युद्ध अपराधों का एहसास है, और न ही वे उस आर्थिक नुकसान को समझ पा रहे हैं जो यह युद्ध उनके अपने देश और पूरे यूरोप को पहुंचा रहा है।' बाघेई ने एक जर्मन कहावत के जरिए अपनी बात पर विराम लगाया। उन्होंने कहा, 'नुकसान उठाने से इंसान समझदार बनता है।' लेकिन ऐसा लगता है कि 'हंस गुक-इन-दी-लुफ्ट' (लापरवाह व्यक्ति) को कुछ भी सिखाया नहीं जा सकता।

अमेरिका के मियामी में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, एक की मौत और दो गंभीर रूप से घायल

मियामी , एजेंसी। अमेरिका के मियामी के पास बुधवार को एक हेलिकॉप्टर बिस्केन खाड़ी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मियामी-डेड काउंटी शेरिफ कार्यालय के मुताबिक, हेलिकॉप्टर दोपहर से कुछ समय पहले की बिस्केन के पास बिल बैग्स स्टेट पार्क के नजदीक दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अमेरिकी तटरक्षक बल ने पुष्टि की कि हेलिकॉप्टर में सवार तीन लोगों में से एक की मौत हो गई, जबकि अन्य दो को स्थानीय ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्डके अनुसार, शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि रॉबिन्सन आर44 II हेलिकॉप्टर संभवतः फोटोग्राफी के लिए उड़ान पर था। हादसे के बाद तटरक्षक बल के अलावा कई स्थानीय एजेंसियों के दमकलकर्मियों ने भी बचाव अभियान चलाया। अधिकारियों ने हेलिकॉप्टर में सवार लोगों की पहचान तत्काल सार्वजनिक नहीं की।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव: नतीजों के बाद ईरान में जश्न, तेहरान में ट्रंप-नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन; पोस्टर जलाए

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को लगे बड़े झटके के बाद ईरान में भी इसका असर देखने को मिला। राजधानी तेहरान में लोगों ने ट्रंप, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाकर अपना विरोध जताया। ईरान में सरकार समर्थकों और कट्टरपंथी समूहों ने अमेरिकी और इस्राइली नेताओं की तस्वीरें जलाकर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों के बीच अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के कमजोर प्रदर्शन को लेकर उत्साह नजर आया। ईरान युद्ध और महंगाई बनी ट्रंप की परेशानी? अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को हुए नुकसान के पीछे ईरान से जुड़ा सैन्य तनाव और बढ़ती महंगाई भी अहम मुद्दे रहे। चुनाव के दौरान पेट्रोल और रोजमर्रा की जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों को लेकर मतदाताओं में नाराजगी थी। विपक्षी डेमोक्रेट्स ने इन मुद्दों को जोर-शोर से उठाया, जिसका उन्हें चुनाव में फायदा मिला। ईरान से जुड़े संघर्ष को लेकर अमेरिकी मतदाताओं की चिंता भी ट्रंप प्रशासन के लिए चुनौती बनी। चुनावी नतीजों ने साफ कर दिया कि विदेश नीति और घरेलू अर्थव्यवस्था के मुद्दे अमेरिकी राजनीति में किस तरह असर डाल सकते हैं। चुनाव में हार के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने माना कि ईरान युद्ध के कारण पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई, जिससे अमेरिकी नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ा। डेमोक्रेट्स की ओर से महाभियोग लाए जाने की संभावना पर भी ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

अमेरिका में इतिहास रचने को तैयार जेफ्रीज: पहले अश्वेत स्पीकर बनने की रेस में शामिल, ट्रंप टैरिफ पर किया बड़ा वादा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज ने औपचारिक रूप से अगले स्पीकर के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। डेमोक्रेट्स के कांग्रेस पर नियंत्रण हासिल करने के एक दिन बाद उन्होंने यह कदम उठाया है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए टैरिफ को खत्म करने और प्रशासन पर अंकुश रखने का वादा किया है। अगर चुने जाते हैं, तो न्यूयॉर्क के यह डेमोक्रेट अमेरिकी इतिहास में पहले अश्वेत स्पीकर होंगे। जेफ्रीज ने आने वाली 120वीं कांग्रेस के सदस्यों को एक 'डियर कलीग' (प्रिय सहयोगी) पत्र लिखा, जिसे बुधवार (स्थानीय समय) को उनके कार्यालय द्वारा जारी किया गया। इसमें उन्होंने 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स' (प्रतिनिधि सभा) के अगले स्पीकर के रूप में अपनी उम्मीदवारी के लिए विनम्रतापूर्वक समर्थन मांगा है।

उन्होंने पत्र के अंत में 'यूनाइटेड स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के 57वें स्पीकर के रूप में सेवा करने' के लिए उनका समर्थन मांगा। उन्होंने लिखा, 'हमें अब वह बड़ा बदलाव लाना होगा जिसकी अमेरिकी जनता भारी संख्या में मांग कर रही है।'

डेमोक्रेट नेता ने कहा कि वह अपनी पार्टी से तीन अहम मुद्दों पर



निर्णायक कदम उठाने का आह्वान करेंगे। पहला मुद्दा आम लोगों की रोजमर्रा की महंगाई और बढ़ते खर्च से राहत दिलाना, दूसरा- जवाबदेही, यानी सत्ता में बैठे लोगों से उनके फैसलों का हिसाब लेना और तीसरा अमेरिकी मूल्यों की रक्षा है। उनके मुताबिक ये सब देश की पहचान के लिए जरूरी मानते हैं। जेफ्रीज का कहना है कि डेमोक्रेट्स को इन्हीं तीन मोर्चों पर फोकस करके जनता का भरोसा जीतना होगा। व्यापार के मुद्दे पर, उन्होंने बढ़ती लागत के लिए 'ट्रंप के टैरिफ और ईरान में युद्ध जैसी जीओपी (रिपब्लिकन पार्टी) की हानिकारक नीतियों' को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने लिखा, 'पहले 100 दिनों के दौरान, हाउस डेमोक्रेट्स को मेडिकेड में की गई कटौती को पलटने, स्नैप फंडिंग को बहाल करने, 'अफोर्डेबल केयर एक्ट' के तहत टैक्स क्रेडिट बढ़ाने, ट्रंप के टैरिफ को खत्म करने और ईरान में बिना सोचे-समझे छेड़े गए युद्ध को रोकने के लिए कदम उठाने होंगे। निगरानी के मुद्दे पर उन्होंने कहा, 'अब वे दिन लद गए हैं जब 'हाउस' (प्रतिनिधि सभा) ट्रंप प्रशासन की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई की तरह काम करता था। कांग्रेस अब नियंत्रण से बाहर हो चुकी कार्यकारी शाखा पर एक 'चेक एंड बैलेंस' (नियंत्रण और संतुलन) के रूप में अपनी भूमिका निभाएगी।

आप्रवासन के बारे में जेफ्रीज ने कहा कि हाउस डेमोक्रेट्स ने 'डोनाल्ड ट्रंप की लोगों को बड़े पैमाने पर और जबरन देश से बाहर निकालने की मशीन के लिए करदाताओं का पैसा देने से इनकार कर दिया है, क्योंकि हमारा मानना ??है कि आप्रवासन कानूनों का पालन निष्पक्ष, न्यायपूर्ण और मानवीय तरीके से होना चाहिए। उन्होंने पार्टी के मूल्यों में 'अप्रवासियों के देश के रूप में हमारी विरासत' को भी शामिल किया। बुधवार देर रात, जेफ्रीज ने एक्स पोस्ट में कहा, 'हाउस डेमोक्रेट्स कम से कम 255 सीटें जीतने की राह पर हैं।' इस पत्र में भारत, एच-1बी वीजा या कानूनी आप्रवासन का कहीं भी नाम नहीं लिया गया है। भारत के लिए, टैरिफ (शुल्क) से जुड़ा वादा सबसे सीधा और महत्वपूर्ण मुद्दा है। डेमोक्रेटिक हाउस के पास सदन की समितियों का नियंत्रण होगा और वह सुनवाई और कानून के माध्यम से प्रशासन के व्यापार उपायों की जांच कर सकता है, जिनमें भारतीय निर्यात को प्रभावित करने वाले उपाय भी शामिल हैं। हालांकि, टैरिफ कम करने वाले किसी भी विधेयक को सीनेट से पारित होना होगा और ट्रंप के वीटो का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा, डेमोक्रेटिक नियंत्रण से यह तय होगा कि आव्रजन संबंधी कौन से विधेयक सदन में पहुंचेंगे। भारतीय नागरिक एच-1बी कार्यक्रम के सबसे बड़े उपयोगकर्ता हैं और रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड के लंबित मामलों में उनका बड़ा हिस्सा है, इसलिए उच्च-कुशल आव्रजन विधेयकों पर समिति अध्यक्षों के निर्णयों पर भारतीय अमेरिकी समुदाय की कड़ी नजर रहेगी। मंगलवार को छठी बार चुनाव जीतने वाले डेमोक्रेट रो खन्ना की सह-अध्यक्षता वाली 'इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन कांग्रेसनल कॉकस 2022' के बाद पहली बार बहुमत वाले डेमोक्रेटिक सदन में काम करेगी।

जेफ्रीज की उम्मीदवारी ऐसे समय में आई है जब रिपब्लिकन एकजुट हो रहे हैं। स्पीकर माइक जॉनसन ने अपने कर्मचारियों को बताया कि वह नई कांग्रेस में अल्पसंख्यक नेता पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगे। स्टीव स्केलिस और न्यायपालिका समिति के अध्यक्ष जिम जॉर्डन दोनों ने अपने सहयोगियों से कहा है कि वे यह पद चाहते हैं।

चुनावी हार के बाद ट्रंप कर सकते हैं बड़ा फेरबदल: रुबियो की जगह लेंगे सर्जियो गोर? अमेरिकी मीडिया में बड़ा दावा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को मिली हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में बड़े बदलावों की अटकलें तेज हो गई हैं। इस बीच भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर को बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है। द वॉशिंगटन सन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के करीबी गोर को सरकार में किसी वरिष्ठ पद पर नियुक्त किया जा सकता है। रिपोर्ट में 10 लोगों के हवाले से बताया गया है कि गोर मिडटर्म चुनाव के बाद अपनी भूमिका को और बड़ा करने की तैयारी कर रहे हैं। वह पहले व्हाइट हाउस में वरिष्ठ सहयोगी के तौर पर काम कर चुके हैं और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी माने जाते हैं।

चीफ ऑफ स्टाफ से लेकर विदेश मंत्री पद तक बदले जाने की चर्चा : रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति के करीबी लोगों के बीच गोर का नाम दूसरे कार्यकाल के शेष समय में किसी वरिष्ठ प्रशासनिक पद के लिए चर्चा में है। विदेश विभाग के अधिकारियों के बीच भी यह खबरें चल रही हैं कि गोर अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी हासिल करना चाहते हैं। मामले से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने द वॉशिंगटन सन से कहा, 'वह ऐसी भूमिका चाहते हैं, जिसमें उनकी सार्वजनिक मौजूदगी ज्यादा हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि गोर का नाम व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उत्तराधिकारी के तौर पर भी सामने आया है। इसके अलावा, वह विदेश विभाग में उप विदेश मंत्री क्रिस लैंडौ की जगह लेने जैसे दूसरे वरिष्ठ पदों पर भी विचार कर सकते हैं।

गोर ने अटकलों को बताया बकवास : हालांकि, सर्जियो गोर और अमेरिकी प्रशासन के प्रतिनिधियों ने इन खबरों को खारिज किया है। गोर ने द वॉशिंगटन सन को दिए बयान में कहा, यह खबर पूरी तरह और बिल्कुल बकवास है।

उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तारीफ करते हुए कहा, 'सेक्रेटरी मार्को रुबियो ने साबित किया है कि वह इतिहास के सबसे योग्य, उपलब्धियां हासिल करने वाले और महान विदेश मंत्री हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। वह मेरे प्रिय मित्र हैं और भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में हर दिन उनके साथ काम करना मेरे लिए खुशी की बात है। यह जीवन का एक सच्चा सम्मान है। मुझे किसी दूसरी भूमिका में कोई दिलचस्पी नहीं है। वहीं, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने भी इस रिपोर्ट को मनगढ़ंत बताते हुए कहा कि गोर की किसी दूसरे पद में रुचि नहीं है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने गुयाना के राष्ट्रपति से मुलाकात की; 500 मिलियन डॉलर क्रेडिट लाइन विस्तार का ऐलान

सेंट जॉन्स (एंटीगुआ और बारबुडा) , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग' (सीएचओजीएम) 2026 के दौरान गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात की। इस मौके पर दोनों देशों ने दक्षिण अमेरिकी देश के सार्वजनिक और रक्षा बुनियादी ढांचे के लिए 500 मिलियन डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (ऋण सुविधा) को बढ़ाने की घोषणा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर कहा, 'गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली से मिलकर खुशी हुई।

2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की। हमने सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (ऋण सुविधा) बढ़ाने की घोषणा की है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने एमएसई (सूक्ष्म और लघु उद्यम) विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति और स्थापना, 'क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स' (त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं) को लागू करने के लिए अनुदान सहायता, और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा गुयाना में यूपीआई जैसी प्रणाली के संचालन में सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2024 में गुयाना की एक ऐतिहासिक राजकीय यात्रा की थी - जो 56 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस देश की पहली यात्रा थी। इस दौरान उन्हें गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा गया था। मई 1966 में गुयाना की स्वतंत्रता के बाद से ही, भारत और गुयाना के बीच संबंध काफी करीबी और सौहार्दपूर्ण रहे हैं, जिनमें आपसी समझ का स्तर बहुत ऊंचा है। पिछले महीने, गुयाना में भारत के उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने जॉर्जटाउन में आयोजित एक आधिकारिक समारोह में राष्ट्रपति इरफान अली को अपना परिचय पत्र (क्रेडेंशियल्स) सौंपा। इस मुलाकात के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया।

ट्रंप का दावा, व्हाइट हाउस का नया बॉलरूम मिसाइल और ड्रोन हमलों से भी रहेगा सुरक्षित

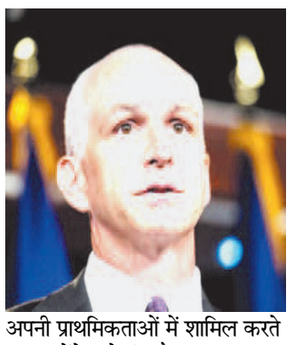
वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बन रहे नए बॉलरूम को बेहद सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से लैस बताया है। उन्होंने दावा किया कि यह ड्रोन, गोलियों और मिसाइलों के हमलों को भी झेलने में सक्षम होगा। ट्रंप के मुताबिक, निर्माण कार्य तय समय से आगे चल रहा है और निर्धारित बजट से कम खर्च में पूरा हो रहा है। बुधवार को निर्माण स्थल पर पहुंचे ट्रंप ने अंतिम स्टील बीम लगाए जाने के मौके पर कहा कि यह इमारत केवल समारोहों और रात्रिभोज के आयोजन तक सीमित नहीं होगी, बल्कि दुनिया के शीर्ष नेताओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। ट्रंप ने कहा, 'यह ड्रोन प्रूफ, मिसाइल प्रूफ और बुलेटप्रूफ है।' उन्होंने दावा किया कि इसकी छत, दीवारें और खिड़कियां इस तरह बनाई जा



रही हैं कि किसी भी संभावित हमले का सामना कर सकें। अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, नए बॉलरूम में एक समय में 2,000 से 2,500 मेहमानों के लिए रात्रिभोज आयोजित किया जा सकेगा। यहां चीन और रूस समेत विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों और दूसरे शीर्ष नेताओं की मेजबानी भी की जा सकेगी। उन्होंने इसे वाशिंगटन का सबसे सुरक्षित स्थान बताते हुए कहा, 'इसकी मजबूत छत इतनी मजबूत होगी कि उस पर हेलीकॉप्टर भी उतारे जा सकेंगे।' ट्रंप ने इमारत के भूमिगत हिस्से में किए जा रहे निर्माण कार्य का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि परियोजना का विस्तार जमीन के पांच स्तर नीचे तक है। उनके मुताबिक, सेना ने इस निर्माण के दौरान उन सुविधाओं को भी शामिल करने का अवसर हासिल किया है, जिन्हें वह दशकों से चाहती थी।उन्होंने कहा, 'हमने वह सब कुछ किया, जो सेना चाहती थी।' हालांकि, उन्होंने भूमिगत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप ने यह भी बताया कि बॉलरूम की छत को ड्रोन पोर्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां 100 से अधिक ड्रोन रखे जा सकेंगे। उन्होंने इमारत के स्टील ढांचे को असाधारण रूप से मजबूत बताते हुए कहा कि इसकी छत का उद्देश्य केवल बारिश से बचाव करना नहीं है। उनके अनुसार, बॉलरूम की छत 50 फुट से अधिक ऊंची होगी, जो लगभग पांच मंजिला इमारत के बराबर है। इमारत के बाहरी हिस्से में ऊंचे कोरिंथियन शैली के चूना पत्थर के स्तंभ लगाए जा रहे हैं, जबकि अंदर संगमरमर का फर्श और बड़े आकार के शीशे लगाए जाएंगे।

ईरान संघर्ष और अमेरिकी सैन्य अभियानों पर पेंटागन की जवाबदेही तय करने की मांग

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के वरिष्ठ सांसद एडम स्मिथ ने ईरान संघर्ष, लैटिन अमेरिका में अमेरिकी सैन्य अभियानों और निजी कंपनियों को दिए जा रहे रक्षा ठेकों को लेकर पेंटागन की कड़ी निगरानी की मांग की है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की सशस्त्र सेवा समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष सदस्य स्मिथ ने 120वीं कांग्रेस के लिए अपनी पार्टी की निगरानी संबंधी प्राथमिकताएं सामने रखीं। उन्होंने कहा, ' अगली कांग्रेस में रक्षा विभाग और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करना मेरी प्राथमिकता होगी।' स्मिथ ने पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारियों की सार्वजनिक गवाही बढ़ाने और समिति में निगरानी एवं जांच के लिए समर्पित उपसमिति को फिर से बहाल करने का प्रस्ताव रखा है। ईरान के साथ जारी संघर्ष को



अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए उन्होंने इसे 'अवैध युद्ध' करार दिया। हालांकि, यह उनकी राजनीतिक और कानूनी राय है। उन्होंने अपने बयान में इसके समर्थन में कोई विस्तृत कानूनी विश्लेषण पेश नहीं किया। स्मिथ ने कहा, ' सरकार की ओर से निजी कंपनियों को दिए जाने वाले ठेकों और वित्तीय सहायता की भी जांच होनी चाहिए, ताकि सरकारी धन के इस्तेमाल में संभावित अनियमितताओं, धोखाधड़ी और दुरुपयोग का पता लगाया जा सके।' उन्होंने कहा, 'कैरेबियाई क्षेत्र और लैटिन अमेरिका में कथित तौर पर अनधिकृत सैन्य हमलों, अमेरिकी शहरों में सैन्य तैनाती और सशस्त्र बलों के राजनीतिकरण जैसे मुद्दे भी निगरानी के दायरे में होने चाहिए। ' रक्षा बजट पर अपनी राय रखते हुए स्मिथ ने कहा, 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक के रक्षा बजट की जरूरत नहीं होनी चाहिए।' उन्होंने घरेलू कार्यक्रमों में भारी कटौती किए बिना रक्षा संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल की वकालत की। उनका कहना था कि नए हथियारों और सैन्य प्रणालियों में निवेश करते समय हालिया संघर्षों से मिले सबक को ध्यान में रखना चाहिए। साथ ही ऐसी क्षमताओं के विकास पर जोर होना चाहिए, जो कम लागत में प्रभावी साबित हों। उन्होंने सैन्य खरीद प्रक्रिया में सुधार के लिए द्विदलीय प्रयास जारी रखने का भी समर्थन किया। स्मिथ ने अमेरिकी सैनिकों, रक्षा विभाग के नागरिक कर्मचारियों और उनके परिवारों के हितों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बेहतर सुविधाएं और जीवन स्तर सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि सेना में प्रतिभाशाली लोगों की भर्ती और उन्हें बनाए रखने में मदद मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन में सैन्य और नागरिक पदों पर नियुक्तियों के दौरान योग्यता के बजाय राजनीतिक निष्ठा को महत्व दिया जा रहा है। हालांकि, स्मिथ ने अपनी घोषणा में किसी विशेष रक्षा ठेके, कंपनी या हथियार कार्यक्रम का नाम नहीं लिया। न ही उन्होंने किसी औपचारिक जांच की शुरुआत या सुनवाई का कार्यक्रम घोषित किया है।

बांग्लादेश: वेतन बढ़ाने की मांग पर कपड़ा मजदूरों का उग्र प्रदर्शन, पुलिस से झड़प के बाद 100+ फैक्ट्रियां बंद



ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर कपड़ा उद्योग के मजदूरों का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। बुधवार को राजधानी ढाका और आसपास के औद्योगिक इलाकों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। हालात संभालने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। कई दिनों से जारी आंदोलन के कारण देश की सैकड़ों गारमेंट फैक्ट्रियों में कामकाज ठप हो गया है। मजदूरों की मांग है कि उनका न्यूनतम मासिक वेतन मौजूदा 12,500 टका से बढ़ाकर 30,000 टका किया जाए। उनका कहना है कि महंगाई और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों ने उनकी आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ा दिया है। लगातार विरोध के चलते बांग्लादेश के प्रमुख कपड़ा औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन प्रभावित हो रहा है।

30 हजार टका न्यूनतम वेतन की मांग पर अड़े मजदूर : बांग्लादेश के गारमेंट उद्योग में करीब 40 लाख लोग काम करते हैं। इनमें ज्यादातर महिलाएं हैं, जो ग्रामीण इलाकों से आकर फैक्ट्रियों में रोजगार करती हैं। मजदूरों का कहना है कि मौजूदा 12,500 टका का न्यूनतम मासिक वेतन बढ़ती महंगाई के बीच पर्याप्त नहीं है। इसलिए वे इसे बढ़ाकर 30,000 टका करने की मांग कर रहे हैं। उनके मुताबिक, खाने-पीने की चीजों, आवास और अन्य जरूरी सामानों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में मौजूदा वेतन से परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। कई दिनों से राजधानी ढाका में प्रदर्शन कर रहे मजदूरों का आंदोलन बुधवार को आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों तक फैल गया। नारायणगंज जिले के फतुल्लाह इलाके में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इस दौरान कई दर्जन लोग घायल हुए। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार प्रोथोम आलो के अनुसार, पुलिस ने फतुल्लाह में कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार भी किया। वहीं, गाजीपुर जिले में मजदूरों ने एक प्रमुख राजमार्ग को जाम कर दिया। इससे यातायात पर भी असर पड़ा। मजदूर आंदोलन का असर बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग पर साफ दिखाई दे रहा है। ढाका के पास सावर क्षेत्र के अशुलिया में करीब 100 फैक्ट्रियां बंद रहीं। अशुलिया इंडस्ट्रियल पुलिस के अधीक्षक मोमिनुल इस्लाम भुइयां ने बताया कि इलाके में लगभग 100 कारखानों का कामकाज बंद है।

मिडटर्म की हार 'करीब-करीब तबाही' जैसा, एच-1बी वीजा नहीं रोका तो जनता ने दिया सबक: फ्लोरिडा गवर्नर

वाशिंगटन , एजेंसी। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर लगाम लगाने में नाकाम रहने के लिए सीनेट रिपब्लिकन्स की आलोचना की। एच-1बी वीजा के जरिए ही भारतीय टेक्नोलॉजी पेशेवर अमेरिका में काम करते हैं। डेसेंटिस ने मध्यावधि चुनावों में हार का आंशिक कारण अपने मतदाताओं का वोट के लिए घर से न निकलने को भी बताया। फॉक्स न्यूज की होस्ट लॉरा इंग्राहम ने पूछा कि सीनेट 'फिलीबस्टर' (कानून पास होने में रुकावट डालने की प्रक्रिया) को खत्म न करना कितनी बड़ी गलती थी, तो डेसेंटिस ने कहा कि उन्हें 'ऐसा कोई संकेत नहीं दिखा कि रिपब्लिकन सीनेटरों का मौजूदा समूह इस तरह का कोई रूढ़िवादी बदलाव करने में दिलचस्पी रखता हो।' उन्होंने इंग्राहम से कहा, 'मेरा मतलब है, हमने आव्रजन (इमिग्रेशन) के मुद्दे पर काम क्यों नहीं किया, एच-1बी वीजा क्यों बंद नहीं किए? हमने ट्रंप के आव्रजन संबंधी कार्यकारी आदेशों को कानून के रूप में क्यों नहीं लागू किया?' उन्होंने यह भी पूछा कि रिपब्लिकनों ने 'निर्वासन (डिपोर्टेशन) के मामलों से संघीय अदालतों का अधिकार क्षेत्र क्यों नहीं छीना।

डेसेंटिस ने कहा, 'ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो की जा सकती थीं, लेकिन उन्होंने कोशिश तक



नहीं की।' उन्होंने कहा कि मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म) के नतीजे 'डेमोक्रेट्स, निर्दलीय लोगों और कुछ ऐसे रिपब्लिकनों की तरफ से राष्ट्रपति और कांग्रेस को एक कड़ा संदेश (फटकार) थे, जिन्होंने पाला बदल लिया था।' उन्होंने आगे कहा, 'हमारे बहुत से मतदाता जो घर पर ही रहे, वे इसलिए नहीं निकले क्योंकि वे हाउस और सीनेट में रिपब्लिकन्स के काम न कर पाने (प्रोडक्टिविटी की कमी) से निराश थे।

उन्होंने कहा, 'इसलिए, यह वास्तव में पेंसिल्वेनिया एवेन्यू (अमेरिकी सत्ता केंद्र) के दोनों पक्षों की समस्या है। यह सिर्फ एक पक्ष की बात नहीं है।' बुधवार को फ्लोरिडा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, डेसेंटिस ने मंगलवार के नतीजों को 'देश के कई हिस्सों में रिपब्लिकनों के लिए लगभग अस्तित्व खत्म होने जैसी घटना (करीब-करीब तबाही)' बताया, 'जैसा कि हमने शायद पिछले 100 सालों में नहीं देखा था।' उन्होंने कहा, 'यह डेमोक्रेट्स के प्रति कोई सकारात्मक नजरिया नहीं था। यह वाशिंगटन में रिपब्लिकनों को खारिज करना था, और डेमोक्रेट्स को बस इसका फायदा मिल गया।

उन्होंने कहा कि टेक्सास में - जो लंबे समय से 'रिपब्लिकन राजनीति का सबसे अहम गढ़' रहा है - रिपब्लिकन एक 'बहुत चर्चित अमेरिकी सीनेट चुनाव' हार गए, और साथ ही 'गवर्नर, अटॉर्नी जनरल और राज्य स्तर के अन्य सभी पदों' पर भी हार गए। उन्होंने कहा, 'अगर रिपब्लिकन पार्टी के पास टेक्सास जैसा मजबूत आधार नहीं है, तो भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर हमारा टिके रहना मुश्किल होगा।' फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को रिपब्लिकन्स ने हाउस और सीनेट दोनों पर अपना नियंत्रण खो दिया, जबकि रिपब्लिकन बायरन डोनाल्ड्स ने डेसेंटिस की जगह लेने के लिए चुनाव जीत लिया। डेसेंटिस, जो जनवरी में अपना पद छोड़ रहे हैं और जिन्होंने 2028 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया है, ने एच-1बी वीजा को लगातार अपने निशाने पर रखा है। फॉक्स 49 की रिपोर्ट के अनुसार, 14 सितंबर को लेकलैंड के पास एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा: 'सच कहूं तो, मुझे लगता है कि हमें अमेरिका में एच-1बी वीजा को खत्म कर देना चाहिए।

शरीर के लिए कमाल है ऊंटनी का दूध

कहते हैं कि गाय-भैंस या बकरी का दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है, लेकिन क्या कभी आपने ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुना है अगर नहीं, तो आइए हम आपको ऊंटनी का दूध पीने के फायदे बताते हैं।



दूध आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन ऊंटनी का दूध पीने के फायदों के बारे में सुनकर आप दंग रह जाएंगे। जी हां ऊंटनी का दूध न सिर्फ आपको सेहतमंद बनाता है, बल्कि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं, तो दवा के रूप में काम करता है। शायद आपको यकीन न हो, लेकिन इसका एक उदाहरण है- राजस्थान के टोंक गांव में रहने वाले हनुमान बलि। जिसने अपनी बीमारी में कई सालों दवा पर लांखों रुपए खर्च किए, लेकिन किसी दोस्त की सलाह पर उसने ऊंटनी का दूध पीना शुरू किया और उसकी बीमारी 1 महीने में ही आसानी से कटने लगी।

ऊंटनी के दूध में ऐसे शक्तिशाली गुण होते हैं, जो आपकी कई जटिल बीमारियों को ठीक करने में मदद कर सकते हैं, क्योंकि ऊंटनी के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, प्राकृतिक शुगर, फाइबर, लैक्टिक अम्ल, आयरन, मैग्निशियम, अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल और कई विटामिन्स पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ और सुंदर रखने में मदद करते हैं। आइए हम आपको यहां ऊंटनी का दूध पीने के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार

यदि आप कम से कम 1 या 2 महीने भी नियमित रूप से ऊंटनी का दूध पीते हैं, तो यह आपके ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल कर डायबिटीज को नियंत्रित करने में मददगार है। ऊंटनी के दूध में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो कि ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और आपको एर्नेजेटिक रखने में सहायक है। ऊंटनी के एक लीटर दूध में कम से कम 52 से 55 यूनिट इंसुलिन की मात्रा होती है, जो अन्य किसी पशु के दूध में नहीं पाई जाती। इसलिए कई वर्षों से इसका इस्तेमाल डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके बारे में कम ही लोग जानते हैं।

एलर्जी में फायदेमंद

यदि आपको या आपके बच्चे को फूड एलर्जी या कोई अन्य तरह की एलर्जी है, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। ऊंटनी का दूध एंटी-बैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर है। इसमें एलर्जी के साथ विभिन्न रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। इसमें मौजूद इम्युनोग्लोबुलिन की उपस्थिति एलर्जी और उनके लक्षणों को कम करने में मददगार है।

वजन घटाना है तो पीएं ऊंटनी का दूध

आजकल तमाम लोग वजन घटाने की कोशिश में लगे रहते हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं, तो आप ऊंटनी का दूध पिएं। यह आपकी वेअ लॉस जर्नी का बेस्ट फ्रेंड बन सकता है, क्योंकि ऊंटनी का दूध प्रोटीन से भरपूर होने के साथ वसा में कम होता है, जिसका मतलब है कि यह आपको एक्सट्रा वेट को कम करने में और बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है।

ऑटिज्म का रामबाण इलाज

ऊंटनी का दूध ऑटिज्म का रामबाण इलाज है। जी हां ऊंटनी का दूध पीने से ऑटिस्टिक लक्षणों पर रोक लगाने में मदद मिलती है। ऊंटनी के दूध में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुणों की वजह से ऑटिज्म को खत्म करने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में भी इस बात का जिक्र है कि ऊंटनी का दूध मंद बुद्धि बच्चों के लिए अमृत के समान है और यह ऑटिज्म के लक्षणों में सुधार कर सकता है।

मजबूत हड्डियों का सीक्रेट

ऊंटनी का दूध आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता। इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूती प्रदान कर सकता है और जोड़ों के दर्द से परेशान लोगों को राहत दिला सकता है।

त्वचा के लिए बेहतर

ऊंटनी का दूध आपके खून को साफ करने, लिवर को स्वस्थ रखने और पाचन को बढ़ावा देने के साथ आपकी त्वचा में निखार लाने में मदद करता है। ऊंटनी के दूध में अल्फा हाइड्रोक्सिल अम्ल होता है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा को सॉफ्ट बनाने के साथ त्वचा पर झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकता है।

क्यों तेजी से लोग हो रहे कैंसर के शिकार? एक साल में तीन गुना बढ़े केस



दे शभर में सामान्य कैंसर समेत ओरल, सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल, 2019 द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक एनसीडी क्लीनिक्स ने 2017 से लेकर 2018 के बीच कैंसर के मामलों की पहचान की है। ये रिपोर्ट बताती है कि इस एक साल के अंतराल में कैंसर के मामले 324प्रतिशत यानी तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं।

रिपोर्ट की मानें तो पिछले साल एनसीडी क्लीनिक्स में 615 करोड़ लोगों ने कैंसर की जांच करवाई थी, जिसमें 116 लाख लोगों में सामान्य कैंसर पाया गया था। यानी लोगों में सामान्य कैंसर के अलावा भी दूसरे प्रकार के कैंसर तेजी से फैल रहे हैं।

जबकि साल 2017 में कैंसर के कुल 39,635 मामले ही देखने को मिले थे। 2017 से लेकर 2018 के बीच एनसीडी क्लीनिक्स में आए कैंसर पीड़ितों की संख्या भी दोगुनी हुई है।

पहले वर्ष जहां कैंसर के कुल 315 करोड़ मामले देखने को मिले थे, वहीं अगले वर्ष वो बढ़कर 616 करोड़ हो चुके थे। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों के बदलती लाइफस्टाइल, स्ट्रेस, खान-पान की आदतें, एल्कोहल और तंबाकू का सेवन इसकी बड़ी वजह रहा है।

कैंसर के सबसे ज्यादा मामले गुजरात से सामने आए हैं। साल 2017 में गुजरात में 3,939 कैंसर पीड़ितों की पुष्टि हुई थी। वहीं, 2018 में ये संख्या बढ़कर 72,169 हो गई। यानी गुजरात में कॉमन कैंसर के नए मामले 68,230 बढ़े हैं। गुजरात के बाद सबसे खराब हाल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का रहा है।



रेसिपी



मेथी चमन

सामग्री

- मेथी पत्ता: 1 कप
- पालक : 1 कप
- कटा हुआ पनीर: 150 ग्राम
- हरी मिर्च: 2
- बारीक क टा प्याज: 1
- जीरा: 1 चम्मच
- सरसों तेल: 3 चम्मच
- हल्दी पाउडर : 1/4 चम्मच
- धनिया पाउडर : 1 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर : 1/2 चम्मच

विधि

एक पैन में पानी उबालें। उसमें थोड़ा-सा नमक डालें। गैस ऑफ करें। पालक एवं मेथी को अच्छी तरह से साफ करके धो लें। उबले हुए पानी में पालक व मेथी डालें। पैन को पांच मिनट के लिए ढककर छोड़ दें। पालक व मेथी को पानी से निकालें और तुरंत ठंडे पानी से धो लें। आधा कप गर्म पानी बाद में इस्तेमाल के लिए बचाकर रख लें। ब्लेंडर में दोनों साग व हरी मिर्च डालें व पेस्ट तैयार कर लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें जीरा एवं प्याज डालें। प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालकर तीन से चार मिनट तक भूनें। अब साग वाली प्यूरी और नमक को कड़ाही में डालकर मिलाएं। मध्यम आंच पर चार से पांच मिनट तक पकाएं। बचा हुआ गर्म पानी कड़ाही में डालकर मिलाएं। दो-चार मिनट और पकाएं। पनीर के टुकड़े और गरम मसाला पाउडर डालकर मिलाएं। कड़ाही को ढककर तीन-चार मिनट तक सब्जी को और पकाएं। गैस ऑफ करें। रोटी या परांठे के साथ सर्व करें।



पालक कढ़ी

सामग्री

- पालक : 1/2 किलो
- दही: 1 कटोरी
- बेसन: 4 चम्मच
- मेथी दाना: 8 चम्मच
- हींग चुटकी भर
- सौंफ : 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च: 4
- नमक : स्वाद के अनुसार
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच

विधि

पालक को साफ करके धो लें और बारीक काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें हींग, मेथी, लाल मिर्च, सौंफ और हल्दी डालें। एक दो मिनट बाद कड़ाही में पालक डालें और मध्यम आंच पर भून लें। इस बीच एक बर्तन में दही, बेसन और पानी डालकर अच्छी तरह से फेंटें। जब पालक का पानी सूख जाए तो बेसन वाला यह मिश्रण कड़ाही में डालें और लगातार चलाते हुए मध्यम आंच पर कढ़ी को पकाएं। नमक डालकर मिलाएं। जब कढ़ी गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद करें। चावल के साथ गर्मागर्म पेश करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

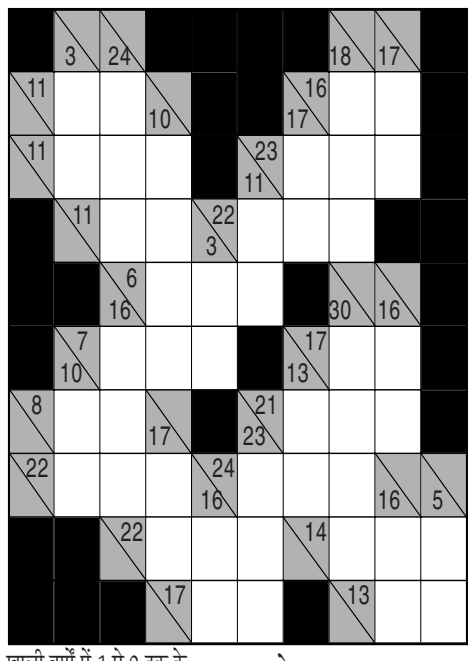
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

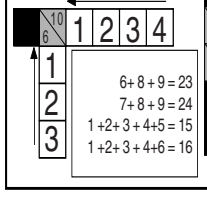
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2639

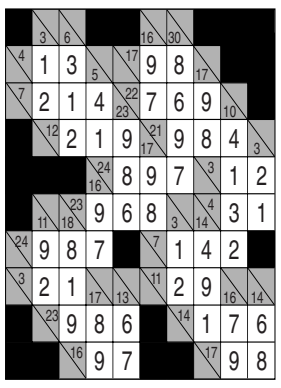


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 2638 का हल



हंसी के फव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला,उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा,'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

□ □ □

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

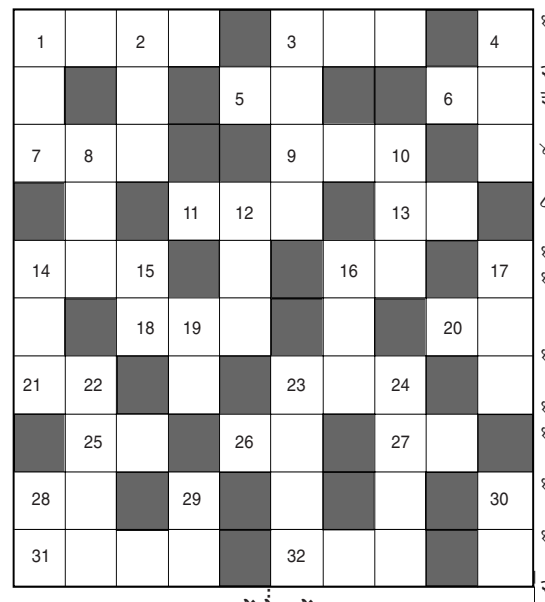
□ □ □

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली,'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला,'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2639



बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०.'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2638

अ	जू	बा	■	जो	र	■	दा	मि	नी
ल	■	बा	जी	■	क्ष	त्रि	य	■	तू
बे	टा	■	न	म	क	■	ष	जा	■
ला	■	अं	त	■	■	ये	■	लि	■
■	दा	दा	■	नू	■	जा	ने	म	न
मे	■	ज	ह	री	ले	■	ह्म	■	गिं
री	मा	■	त्या	■	कि	ला	■	द	स
जं	■	सू	■	म	न	■	म	र्द	■
ग	द	र	■	द	■	आ	ह	■	ञ्जं
■	म	ज	बू	र	■	■	ल	गा	न

सूडोकु -2639

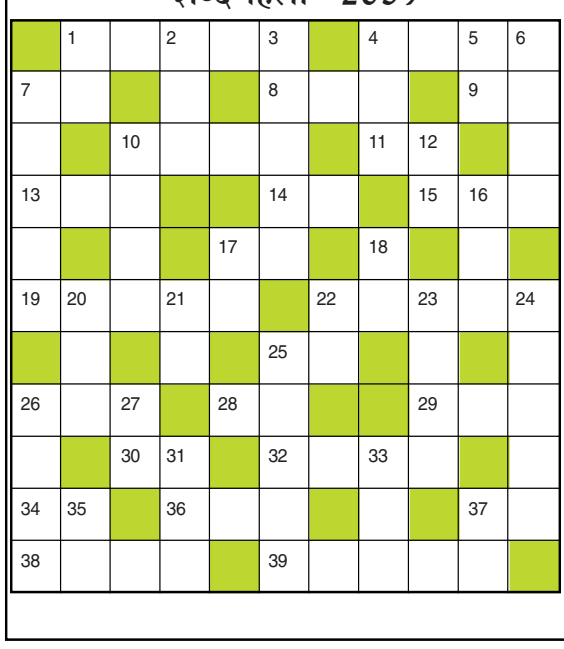
		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2638 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 2639



बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पदार्थ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -2638 का हल

ल	गा	म	■	अ	■	त	र	ब	त	र
ल	■	त	म	स	■	ह	म	ला	■	खें
क	श	■	■	ल	■	ल	■	■	का	ल
■	ही	■	क	हा	नी	का	र	■	र	■
ब	द	मा	श	■	र	■	च	म	क	ना
■	■	■	ल	क्ष	■	सी	ना	■	■	■
र	त	ज	गा	■	आ	■	का	म	या	ब
■	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	च	■
रा	ह	■	■	म	■	रा	■	■	क	म
ह	■	त	ना	व	■	पा	य	ल	■	हु
त	ल	ब	गा	र	■	न	■	ब	ल	वा

अयोध्या सील होने से हाईवे पर भीषण जाम, फंसे बृजभूषण शरण ने कहा... घोर अव्यवस्था

गोंडा , एजेंसी। राम नगरी अयोध्या को सील करने के बाद गोंडा-अयोध्या हाईवे पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लगने से आम लोगों के साथ वीआईपी भी परेशान हैं। इसी जाम में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी फंस गए। उन्होंने यातायात व्यवस्था पर नाराजगी जताकर घोर अव्यवस्था करार दिया और प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए। जाम में फंसे बृजभूषण का वीडियो सामने आया है। इसमें वे अपनी सफेद फॉर्च्यूनर गाड़ी में बैठे नजर आ रहे हैं। उन्होंने गाड़ी के अंदर से ही जाम की स्थिति पर प्रतिक्रिया देकर कहा, घोर अव्यवस्था है, किसको जिम्मेदारी दें। उन्होंने बताया कि अयोध्या को सील किए जाने के कारण वाहनों को दूसरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ रहा है। इससे गोंडा-अयोध्या मार्ग पर यातायात का दबाव काफी बढ़ गया है। पूर्व सांसद ने कहा कि प्रशासन को अयोध्या में यातायात प्रतिबंध लागू करने से पहले बेहतर इंतजाम करने चाहिए थे। बिना उचित योजना के मार्ग बंद करने का असर आसपास के जिलों पर भी पड़ा है। गोंडा, बलरामपुर और बस्ती की ओर जाने वाले लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ रहा है। इससे स्कूली बच्चों, मरीजों और जरूरी काम से यात्रा करने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है।

फेसबुक लाइव में आकर आदिवासी नेता निशा भगत ने दे दी जान

- प्रशासन और भू-माफिया पर लगाए थे आरोप

रांची, एजेंसी। झारखंड की आदिवासी नेता निशा भगत की आत्महत्या की खबर के बाद उनके आखिरी फेसबुक लाइव में लगाए गए आरोप चर्चा में हैं। बताया गया कि उन्होंने आत्महत्या से पहले फेसबुक पर लाइव आकर सरकार, प्रशासन और जमीन से जुड़े कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अपने एफबी लाइव में निशा भगत ने दावा किया कि वह लंबे समय से आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही थीं, लेकिन उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उन्होंने हेमंत सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप था कि समाज के मुद्दों और सरकार की कथित कमियों को उठाने के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। निशा भगत ने जमीन से जुड़े कुछ लोगों पर भी आरोप लगाए और प्रशासन से मदद नहीं मिलने की बात कही। उन्होंने अजय तिर्की का नाम लेते हुए प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए। लाइव के दौरान उन्होंने पिठोरिया थाना प्रभारी से फोन पर बातचीत भी की और पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई।

बागी विधायकों से मुलाकात कर बोले फारूक अब्दुल्ला- पार्टी कभी नहीं टूटेगी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर नाराजगी और बगावत की चर्चाओं के बीच पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बागी विधायकों से मुलाकात की। बैठक के बाद फारूक अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस में किसी तरह का विभाजन नहीं होगा और पार्टी एकजुट है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने नाराज विधायकों की शिकायतें सुनी हैं और उनकी समस्याओं पर जल्द काम किया जाएगा। उन्होंने पार्टी में किसी टूट की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि सभी नेताओं और विधायकों को साथ लेकर आगे बढ़ा जाएगा। पार्टी के भीतर कुछ विधायकों की नाराजगी और उनके अलग रुख को लेकर पिछले कुछ समय से राजनीतिक चर्चाएं चल रही थीं। ऐसे में फारूक अब्दुल्ला की बैठक को संगठन के भीतर मतभेद दूर करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। बैठक के बाद उनके बयान से पार्टी नेतृत्व ने एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की है।

गिरिराज का विरोधी नेताओं पर तीखा हमला... अब राजमाता को वह बीमारी नहीं होती

बिना नाम लिए सोनिया, राहुल, अखिलेश और लालू परिवार पर कसा तंज



नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं पर तीखा हमला बोलकर बिना किसी का नाम लिए कई विपक्षी नेताओं और उनके परिवारों पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं पर तीखा कटाक्ष किया। केंद्रीय मंत्री सिंह की यह टिप्पणी तब आई है, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक बहस की चुनौती दी है और सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने लिखा कि भारतीय लोकतंत्र में अब पहले जैसा मजा नहीं रहा। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि अब राजमाता को वह बीमारी नहीं होती, जिसके इलाज के लिए उन्हें मोटे-मोटे बैग लेकर बार-बार विदेश जाना पड़ता था। उन्होंने राजमाता की बेटी की पेंटिंग करोड़ों में नहीं बिकने और जीजाजी का हरियाणा में जमीन का कारोबार बंद होने की बात भी कही। इन टिप्पणियों को कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और उनके परिवार पर निशाने के रूप में देखा जा रहा है। इतना ही नहीं केंद्रीय मंत्री सिंह ने दक्षिण भारत के एक नेता पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने गमलों में करोड़ों की सब्जियां उगाने और उनकी पत्नी की करोड़ों रुपये की पेंटिंग सरकार की ओर से नहीं खरीदे जाने का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने इस नेता की पहचान उजागर नहीं की।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने उत्तर प्रदेश की राजनीति का जिक्र कर सैफई महोत्सव पर भी तंज कसा, कि अब सैफई में बालीवुड का नाच गाना नहीं होता है। इस तंज को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के परिवार से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार पर भी निशाना साधा। उन्होंने चारा घोटाले का संदर्भ देकर लिखा कि अब चारा स्कूटर पर ढोने की नौबत नहीं आती। मुंबई में अंडरवर्ल्ड के पुराने प्रभाव का जिक्र कर भी उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष किया।

अपनी पोस्ट के अंत में केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि पहले प्रधानमंत्री की कुर्सी पारिवारिक मुद्दा हुआ करती थी और परिवार में ही फैसला होता था, लेकिन अब इसके लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। उनकी इस टिप्पणी को विपक्षी दलों के नेतृत्व और परिवारवाद पर भाजपा के राजनीतिक हमले के रूप में देखा जा रहा है।

1.27 करोड़ हिंदुओं के वोट कटने के दावे पर अखिलेश का सवाल, मुख्यमंत्री को कैसे पता चला?



लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम कटने के मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी के उस कथित बयान पर सवाल उठाया, जिसमें दावा हुआ था कि मतदाता सूची से 1 करोड़ 27 लाख हिंदुओं के नाम गायब हो गए हैं। अखिलेश ने पूछा कि मुख्यमंत्री को कैसे पता चला कि मतदाता सूची से हटाए नाम हिंदुओं के ही हैं?

अखिलेश ने कहा कि 30 तारीख को मुख्यमंत्री योगी ने 1.27 करोड़ हिंदुओं के नाम मतदाता सूची से गायब होने की बात कही थी। उनके इस बयान की रिकॉर्डिंग कई समाचार चैनलों के पास उपलब्ध होगी। उन्होंने सवाल किया कि जब मतदाता सूची से नाम हटाए गए हैं, तब उनकी धार्मिक पहचान की जानकारी मुख्यमंत्री को कैसे मिली?

सपा प्रमुख अखिलेश ने आरोप लगाया कि अवैध घुसपैठियों का मुद्दा उठाकर लोगों में डर पैदा किया और उनके मतदान के अधिकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इस शब्द का इस्तेमाल कुछ लोगों को समाज में बदनाम करने के लिए किया गया। अखिलेश के मुताबिक, असली मुद्दा हर नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा का है।

उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-7 को लेकर भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। अखिलेश ने दावा किया कि पीडीए प्रहरियों और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गलत तरीके से वोट कटवाने की कोशिशों को पकड़ा और उन्हें रोका है।

अस्पताल में शरद पवार से मिले प्रफुल्ल पटेल... 10 नवबंर के बाद सुलह की उम्मीद

मुंबई , एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के बीच संभावित एकजुटता को लेकर चर्चाएं फिर तेज हुई हैं। अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने अस्पताल पहुंचकर शरद पवार से मुलाकात की। इस मुलाकात का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में नए समीकरणों को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं। दरअसल, शरद पवार की तबीयत खराब होने के कारण अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। तभी प्रफुल्ल पटेल उनसे मिलने पहुंचे। सामने आए वीडियो में दोनों नेताओं के बीच बातचीत होती दिखाई दे रही है। इस दौरान शरद पवार को प्रफुल्ल से यह कहते सुना गया कि 10 नवंबर के बाद मिलते हैं। उनके इस बयान को राजनीतिक नजरिए से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रफुल्ल की मुलाकात ने एनसीपी के दोनों गुटों के बीच दूरियां कम होने की संभावनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। गौरतलब है कि स्व.अजित पवार के नेतृत्व में पार्टी में विभाजन के बाद शरद और अजित पवार के गुट अलग-अलग राजनीतिक राह पर चल रहे हैं। दोनों खेमों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी लगातार देखने को मिली है। इसके बाद अस्पताल में हुई इस मुलाकात और 10 नवंबर के बाद फिर मिलने की बात को संभावित सुलह के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, इस मुलाकात से किसी राजनीतिक समझौते, गठबंधन या पार्टी के विलय की पुष्टि नहीं होती है। दोनों गुटों की ओर से भी एकजुटता को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अब राजनीतिक हलकों की नजरें 10 नवंबर के बाद होने वाले घटनाक्रम पर टिकी हैं।



खुली बहस की चुनौती पर राहुल गांधी को मिला शशि थरूर का साथ

लखनऊ , एजेंसी । नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा सरकार को खुली बहस की चुनौती दिए जाने के बाद अब कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी उनके समर्थन में उतर आए हैं। थरूर ने कहा है कि संसद का सत्रावसान अभी नहीं हुआ है, इसलिए संसद की बैठक दोबारा बुलाई जानी चाहिए। यदि सदन की बैठक होती है तो राहुल गांधी की ओर से बहस का दिया गया प्रस्ताव अब भी कायम है। उनके इस बयान के बाद संसद में सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव एक बार फिर तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

शशि थरूर ने राहुल गांधी के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने सरकार पर लगाए गए आरोपों को लेकर संसद में खुली बहस करने की पेशकश की थी। थरूर का कहना है कि जब संसद का सत्रावसान नहीं हुआ है तो सदन को दोबारा बुलाने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी बहस के लिए तैयार हैं और सरकार को भी इस चुनौती को स्वीकार करना चाहिए।

दरअसल, राहुल गांधी ने सरकार के सामने विभिन्न आरोपों पर खुली चर्चा करने की पेशकश की थी। इस पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि संसद पहले से ही बहस और चर्चा के लिए उचित मंच है। उन्होंने राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराया था। सरकार का कहना है कि विपक्ष को अपने सवाल और आरोप संसद के भीतर उठाने चाहिए। वहीं, इस राजनीतिक गहमागहमी के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कथित वोट चोरी के आरोपों को लेकर सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा है। कांग्रेस लगातार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है। पार्टी का आरोप है कि मतदाता सूची में बदलाव और पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है। शशि थरूर ने भी निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एसआईआर को लेकर प्रक्रियागत अनियमितताओं का आरोप लगाया और कहा कि उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई से विपक्ष की चिंताओं को समर्थन मिला है। निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर की घोषणा को फॉर्म-6 से अलग करने के फैसले को उन्होंने आयोग की गंभीर गलतियों में से एक बताया। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची से जुड़े सवालों पर निर्वाचन आयोग को स्पष्ट जवाब देना चाहिए। दूसरी ओर, सरकार संसद में चर्चा को ही उचित माध्यम बता रही है। ऐसे में अब निगाहें इस बात पर हैं कि संसद की बैठक दोबारा बुलाने और राहुल गांधी की बहस की चुनौती पर सरकार क्या रुख अपनाती है।



दिल्ली-एनसीआर में गफ्फार मार्केट, मॉल और फैक्ट्री में लगी भीषण आग

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बीते 24 घंटों के भीतर आग लगने की तीन बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। गफ्फार मार्केट की एक दुकान, ग्रेटर नोएडा के एक मॉल का सिनेमा हॉल और नरेला की एक फैक्ट्री इन घटनाओं से प्रभावित हुई हैं। दमकल विभाग ने सभी जगहों पर तत्परता से कार्रवाई की और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। दिल्ली के गफ्फार मार्केट की चैन वाली गली में गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि एक दुकान में आग लग गई। दमकलकर्मी आग बुझाने में जुटे हैं। नुकसान और हताहतों की जानकारी अभी प्रतीक्षित है। वहीं ग्रेटर नोएडा के गैलेक्सी ब्लू सफायर मॉल में ऑडी-10 के प्रोजेक्टर रूम में शॉर्ट सर्किट से धुआं उठा। एहतियातन 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फायर एक्सटिंग्विशर से आग तुरंत बुझा दी गई, जिसमें कोई जनहानि नहीं हुई। स्थिति सामान्य है। एक अन्य घटना में गुरुवार सुबह बाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में भीषण आग लगी।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह गाड़ियों का धुआं, एक्यूआई 400 के करीब

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की बिगड़ती स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जाहिर की है। शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का प्रमुख कारण है। दिल्ली को गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद और ग्रेटर नोएडा से जोड़ने वाली सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और बंपर-टू-बंपर ट्रैफिक से स्थिति लगातार खराब हो रही है। अदालत ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए तत्काल, मध्यम और दीर्घकालिक उपाय अपनाने की जरूरत जाहिर की है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े स्वत- संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि प्रदूषण को लेकर लगातार चर्चा और सुझाव दिए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के करीब पहुंच रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली और आसपास के शहरों को जोड़ने वाली सड़कों पर वाहनों की संख्या और लगातार लगने वाला जाम बड़ी समस्या बन चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण का सबसे अधिक असर गरीब और मजदूर वर्ग पर पड़ता है। सड़क किनारे काम करने और रोजी-रोटी कमाने वाले लोगों को जहरीली हवा का सामना करना पड़ता है। त्यौहारों के दौरान उनकी कमाई भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए प्रदूषण नियंत्रण के उपाय करते समय उनकी आजीविका का ध्यान रखना जरूरी है। पराली जलाने के मामले में अदालत ने किसानों को जागरूक करने और खेतों में आग लगाने के बजाय कृषि मशीनों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। सुनवाई में बच्चों को प्रदूषण से बचाने के लिए स्कूल बंद करने और सभी कक्षाओं को हाइब्रिड मोड में संचालित करने की मांग भी उठी। पीठ ने कहा कि इस विषय पर विशेषज्ञों की राय के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि औद्योगिक उत्सर्जन, वाहन प्रदूषण, निर्माण कार्यों की धूल, सड़क की धूल और पराली जलाने सहित पांच प्रमुख क्षेत्रों में नियंत्रण के उपाय किए जा रहे हैं। वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध, पीयूसी प्रमाणपत्र की जियो-टैगिंग और अधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई भी इनमें शामिल है।



केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 391 रहा। रोहिणी में यह 475 और आईआईटी दिल्ली में 472 दर्ज किया गया। 59 निगरानी केंद्रों में से 30 पर हवा गंभीर श्रेणी में रही। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए आदेश पारित करने की बात कही। मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी।

भारत में विदेशी नागरिकों को बड़ी राहत: पासपोर्ट और वीजा नियमों में ढील

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्र ने भारत में रह रहे विभिन्न श्रेणियों के विदेशी नागरिकों के लिए पासपोर्ट और वीजा संबंधी नियमों में बड़ी छूट दे दी है। इस महत्वपूर्ण फैसले से कुछ पाकिस्तानी नागरिकों, धार्मिक उत्पीड़न के शिकार अल्पसंख्यक शरणार्थियों, श्रीलंकाई तमिलों और तिब्बती नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (अमेंडमेंट) ऑर्डर, 2026 अधिसूचित कर इन नियमों में संशोधन किया है, इस गजट में प्रकाशित किया है। इसके साथ ही, नेपाली और भूटानी नागरिकों के लिए भी यात्रा और पहचान संबंधी आवश्यकताओं में बदलाव किए गए हैं।

नए नियमों के अनुसार, 31 दिसंबर 2009 या उससे पहले भारत आकर स्थायी रूप से बसने की इच्छा रखने वाले कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को अब पासपोर्ट रिन्यू कराने की अनिवार्यता से छूट मिली है। यह विशेष राहत उन लोगों को प्रदान की गई है, जो पाकिस्तान द्वारा जारी कंप्यूटरीकृत राष्ट्रीय पहचान पत्र (सीएनआईसी) न होने के कारण अपना पासपोर्ट रिन्यू नहीं करा पा रहे थे। इसके अतिरिक्त, कुछ मुस्लिम पुरुषों को छूट के दायरे में रखा गया है। ये वे व्यक्ति हैं जो मूल रूप से भारतीय नागरिक थे और 15 अगस्त 1947 से 31 दिसंबर 1965 के बीच विभाजन के बाद पाकिस्तान चले गए थे, लेकिन बाद में 31 दिसंबर 2009 या उससे पहले भारत लौटकर केरल में बसे। हालांकि, इस श्रेणी में छूट पाने के लिए कुछ शर्तें हैं, जैसे संबंधित व्यक्ति ने पाकिस्तान में शादी न की हो, वहां अचल संपत्ति हासिल न की हो, और उसके परिवार के सदस्य भारत के नागरिक हों जबकि पाकिस्तान में कोई परिवार न हो।

केंद्र सरकार ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न या उसके डर के कारण भारत आए छह धार्मिक समुदायों हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई के लोगों को भी बड़ी राहत दी है। ये वे लोग हैं जो 31 दिसंबर 2024 या उससे पहले भारत आए थे। नए आदेश के तहत, उन्हें पासपोर्ट या अन्य वैध यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत आने अथवा दस्तावेजों की अवधि समाप्त होने की स्थिति में सामान्य पासपोर्ट और वीजा नियमों से छूट मिलेगी। हालांकि, भारत में आगे रहने के लिए उन्हें उपयुक्त श्रेणी का वीजा प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

संशोधित आदेश में भारत में शरण लेने वाले पंजीकृत श्रीलंकाई तमिलों को शामिल किया है। इसतरह श्रीलंकाई तमिल नागरिक, जिन्होंने 9 जनवरी 2015 तक भारत में शरण ली थी और संबंधित अधिकारियों के पास पंजीकृत हैं, उन्हें सामान्य पासपोर्ट और वीजा आवश्यकताओं से छूट दी गई है। इसी प्रकार, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी निर्धारित एंट्री परमिट के आधार पर भारत आए और संबंधित अधिकारियों के पास पंजीकरण कराने वाले तिब्बती नागरिकों को भी इस छूट का लाभ मिलेगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारत, नेपाल और भूटान के नागरिकों के बीच यात्रा से जुड़े पहचान दस्तावेजों के नियमों में भी संशोधन किया है। अब भारतीय नागरिक नेपाल और भूटान की यात्रा के दौरान पासपोर्ट के बजाय सरकार की वीजा मैनुअल में निर्धारित पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखा सकते है। यही सुविधा नेपाल और भूटान के नागरिकों को भारत में प्रवेश करने या यहां से बाहर जाने पर भी मिलेगी।

यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व संपादक को झटका: 10 साल की सजा पर रोक से इंकार

नई दिल्ली , एजेंसी । 13 साल पुराने बहुचर्चित यौन उत्पीड़न मामले में दोषी ठहराए गए एक पूर्व पत्रकार तरुण तेजपाल को सर्वोच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने उन्हें सुनाई गई 10 साल के कठोर कारावास की सजा पर रोक लगाने और जमानत देने से जुड़ी याचिका को खारिज किया है। दो जजों की पीठ ने स्पष्ट किया कि वे इस स्तर पर सजा निलंबित करने के पक्ष में नहीं हैं। यह मामला वर्ष 2013 का है, जब गोवा के एक पांच सितारा होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक युवा सहकर्मी ने पूर्व संपादक तरुण तेजपाल पर होटल की लिफ्ट के भीतर यौन हमला करने और पद का दुरुपयोग कर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। मामले में पुलिस ने जांच के बाद करीब 3000 पन्नों का विस्तृत आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया था, जिसमें गलत तरीके से बंधक बनाने, यौन उत्पीड़न और अधिकार के दुरुपयोग से जुड़ी कई गंभीर धाराएं शामिल थीं।

30 हजार करोड़ के स्वदेशी रक्षा सौदे को जल्द मिल सकती है मंजूरी

सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की स्वीकृति का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत अपनी हवाई सीमाओं की सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने वाला है। केंद्र सरकार करीब 30 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली क्विक रिएक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल (क्यूआरएसएएम) प्रणाली के सौदे को जल्द मंजूरी दे सकती है। इस महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की अंतिम स्वीकृति का इंतजार है। मंजूरी मिलने के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को इसका ठेका मिलने की संभावना है।

यह स्वदेशी रक्षा प्रणाली भारतीय सेना की हवाई सुरक्षा क्षमता में महत्वपूर्ण इजाफा करेगी। इसकी खासियत यह है कि यह केवल मिसाइलों की आपूर्ति तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसमें आधुनिक वायु रक्षा से जुड़ा पूरा तंत्र शामिल रहेगा। इसके जरिए सेना दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और अन्य हवाई खतरों का तेजी से मुकाबला कर सकेगी। खास तौर पर सेना की गतिशील इकाइयों को चलते-फिरते हवाई हमलों से सुरक्षा प्रदान करने में यह प्रणाली अहम भूमिका निभाएगी।

बदलते वैश्विक सुरक्षा हालात और सीमाओं पर बढ़ती चुनौतियों के बीच परियोजना का महत्व और बढ़ गया है। हाल के अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में ड्रोन, निर्देशित हथियारों और आधुनिक लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। ऐसे में भारत के लिए अत्याधुनिक और त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली वायु रक्षा प्रणाली विकसित करना जरूरी हो गया है। क्यूआरएसएएम प्रणाली का डिजाइन और विकास देश की प्रमुख रक्षा अनुसंधान संस्था ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से किया है। परियोजना के उत्पादन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और तकनीकी संसाधनों की तैयारी भी की जा चुकी है। इस सौदे को मंजूरी मिलने से स्वदेशी रक्षा उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही रक्षा कंपनियों के उत्पादन और राजस्व में बढ़ोतरी की उम्मीद है। यह परियोजना आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने के साथ विदेशी रक्षा उपकरणों पर निर्भरता कम करने में भी मददगार साबित हो सकती है।

माइकल हसी को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट में मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 फॉर्मेट पर होगा फोकस



नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को 2027 एशेज और वनडे विश्व कप के लिए कोचिंग कंसल्टेंट नियुक्त किया है। इसके अलावा, हसी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टी20 सलाहकार बनाया है। हसी ने पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के साथ कभी-कभी काम किया है। खासकर वह प्रतिवर्ष पर्थ टेस्ट से पहले एक अतिरिक्त बैटिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ जुड़ते हैं। वह अपनी कमेंट्री भूमिकाओं और आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और द हंड्रेड में वेल्श फायर की कोचिंग टीम का हिस्सा होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए बतौर कोच लंबा समय नहीं दे सके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सीएसके में हसी के साथ काम करने वाले स्टीफन फ्लेमिंग जब न्यूजीलैंड टेस्ट टीम के हेड कोच बने, तो उन्होंने हसी को अपनी कोचिंग टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन इस प्रस्ताव को इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने स्वीकार नहीं किया था। हसी कोचिंग कंसल्टेंट के तौर पर ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना कार्य इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से शुरू करेंगे। इसके बाद पर्थ में न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया की मदद करेंगे। इस मौके पर माइकल हसी ने कहा, 'मैं आने वाले वर्षों में टीम के लिए ज्यादा आधिकारिक और अर्थपूर्ण रोल निभाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। इस टीम ने पिछले कुछ समय में बहुत कुछ हासिल किया है। मुझे उम्मीद है कि मैं इस रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय से पहले कोचिंग और प्लेइंग ग्रुप्स का मूल्य बढ़ा पाऊंगा। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, 'माइक पहले भी हमारे स्टाफ का एक बहुत अहम हिस्सा रहे हैं और उनके पास काफी स्किल सेट है जो कोच और खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है। एक खिलाड़ी और कोच के तौर पर कई फॉर्मेट, कॉम्पिटिशन, देशों में उनकी विशेषज्ञता ही नहीं, बल्कि एक इंसान के तौर पर उनकी क्षमता भी बहुत कीमती है। हसी का मुख्य फोकस टी20 पर होगा। वह 2022 में टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। मैकडोनाल्ड इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से आराम करने वाले हैं। उनकी जगह मुख्य कोच की जिम्मेदारी आंद्रे बोरोवेक संभालेंगे। हसी, बोरोवेक के साथ इंग्लैंड के खिलाफ एक युवा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए अपनी कंसल्टेंसी शुरू करेंगे। ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीमों के हेड बेन ओलिवर ने कहा, 'माइक के पास टी20 का बहुत ज्यादा अनुभव है और हम 2028 में एलए ओलंपिक और टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी के दौरान टीम पर उनके असर का इंतजार कर रहे हैं।' मिस्टर क्रिकेट के नाम से मशहूर माइकल हसी की गिनती ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले बेहतरीन मध्यक्रम बल्लेबाजों में होती है। 51 साल के हसी ने 2004 से 2013 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 79 टेस्ट में 19 शतक और 29 अर्धशतक की मदद से 6,235 रन, 185 वनडे में 3 शतक और 39 अर्धशतक की मदद से 5,442 रन और 38 टी20 में 4 अर्धशतक लगाते हुए 721 रन बनाए। 37 साल की उम्र में 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद से वह लंबे समय तक आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं।

ऋषभ पंत इंडिया ए के मैच से बाहर, टेस्ट सीरीज में भी खेलना तय नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक बहुत बुरी खबर है. विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत का न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में खेलना अब मुश्किल है. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज न्यूजीलैंड ए के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर हो गए हैं. पंत अबतक साइड स्ट्रेन से ठीक नहीं हुए हैं. पंत अभी भी बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब में हैं. माना जा रहा है कि पंत अब 19 नवंबर को होने वाले वेलिंगटन टेस्ट में भी नहीं खेल पाएंगे. अगर ऐसा हुआ तो ध्रुव जुरेल का प्लेइंग इलेवन में खेलने का रास्ता साफ हो जाएगा. टेस्ट स्पेशलिस्ट जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा दोनों टेस्ट की तैयारी के लिए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेलेंगे. तिलक वर्मा भी शनिवार से लिंकन में शुरू हो रहे इस मैच में खेलते दिखेंगे. बुमराह ने न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद से दो दिनों तक स्क्वाड के साथ ट्रेनिंग की है, जबकि जडेजा सौराष्ट्र के लिए दो रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के बाद इस सीरीज में आ रहे हैं, जिसमें उन्होंने कुल सात विकेट लिए और एक सेंचुरी बनाई.

ध्रुव जुरेल ही इंडिया ए की कप्तानी करेंगे. इस मैच में नीतीश कुमार रेड्डी भी खेलेंगे. इस बीच प्रसिद्ध कृष्णा के भी खेलने की संभावना है क्योंकि वो पिछले तीन हफ्ते तक हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजरने के बाद मैच फिटनेस हासिल करना चाहते हैं.

सिराज इन, आकिब आऊट

वेलिंगटन वनडे में बदलेगी टीम इंडिया की प्लेइंग-11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला शनिवार (7 नवंबर) को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाना है. भारतीय समयानुसार ये मुकाबला सुबह 7.30 बजे शुरू होगा, पहला मैच जीतकर टीम इंडिया सीरीज में 1-0 से आगे है. अब शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम की कोशिश जीत का सिलसिला बरकरार रखने की होगी. इस मुकाबले के लिए भारत की प्लेइंग-11 में एक बदलाव देखने को मिल सकता है. अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिल सकता है, जबकि आकिब नबी को बाहर बैठना पड़ सकता है. सिराज पहले मुकाबले में सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे.

अब वो टीम के साथ जुड़ चुके हैं. सिराज की वापसी से भारतीय पेस अटैक को और मजबूती मिलेगी. ओपनिंग में रोहित शर्मा और शुभमन गिल पर बड़ी जिम्मेदारी रहेगी. पहले वनडे में रोहित बिना खाता खोले आउट हो गए थे, लेकिन टीम मैनेजमेंट

उन्हें एक और मौका दे सकता है. गिल भी कप्तानी पारी खेलकर शीर्ष क्रम को मजबूती देना चाहेंगे. तीसरे नंबर पर विराट कोहली उतरेंगे. उन्होंने पहले मुकाबले में 51 गेंदों पर 74 रन बनाकर भारत की जीत में अहम योगदान दिया था. चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर को मौका मिल सकता है. वह पिछले मैच में



अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए थे. मध्यक्रम में अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है. इससे केएल राहुल छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभालेंगे. नमन धीर निचले मध्यक्रम में टीम को मजबूती दे सकते हैं.

वेलिंगटन की पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है. पहले वनडे में अर्शदीप सिंह, अंशुल कम्बोज और गुरनूर बरार ने अच्छा प्रदर्शन किया था. इन तीनों को फिर मौका मिल सकता है. उधर आकिब नबी छह ओवर में 33 रन देने के बावजूद कोई विकेट हासिल नहीं कर सके थे. ऐसे में उनकी प्लेइंग-11 से छुट्टी तय दिख रही है. मोहम्मद सिराज नई गेंद से विकेट निकालने के साथ अपने अनुभव का फायदा भी दे सकते हैं.

हेनरी की वापसी से न्यूजीलैंड को मिला बूस्ट

उधर, न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे कन्कशन के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो चुके हैं. उनकी जगह निक केली को टीम में शामिल किया गया है. न्यूजीलैंड के लिए अच्छी बात यह है कि स्टार तेज गेंदबाज मैट हेनरी फिट है और उनकी प्लेइंग-11 में वापसी होनी तय है. ऐसे में ब्लेयर टिकनर को बाहर बैठना पड़ सकता है.

दूसरे वनडे में भारत की संभावित प्लेइंग-11: रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अंशुल कम्बोज, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह.

दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग-11: टिम सीफर्ट, विल यंग, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जेमिसन, मैट हेनरी और जैकब डफी.

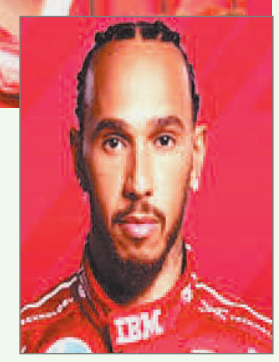
भारत बनाम न्यूजीलैंड दूसरे वनडे पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार (7 नवंबर 2026) को वेलिंगटन में खेला जाने वाला दूसरा वनडे मुकाबला भी बारिश से प्रभावित हो सकता है। ऑकलैंड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच में भी बारिश ने खलल डाला था और अब वेलिंगटन में भी मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहने का अनुमान है। शुक्रवार पांच नवंबर 2026 को लगातार बारिश के कारण दोनों टीमों को अपना अभ्यास सत्र बदलना पड़ा। शनिवार को भी बारिश की आशंका जताई गई है, जिससे मुकाबले पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं।

भारत और न्यूजीलैंड दोनों टीमों को मैच के वेन्यू एचएनआरवाई स्टेडियम के बजाय बेसिन रिजर्व में अभ्यास करना था। वेलिंगटन में 6 नवंबर की सुबह लगातार हल्की बारिश होने के कारण न्यूजीलैंड की टीम ने अपना अभ्यास सत्र वेलिंगटन कॉलेज के इनडोर स्टेडियम में किया, जबकि भारतीय टीम ने अभ्यास रद्द कर दिया। एक्यूवेदर के अनुसार, शनिवार छह नवंबर को और बारिश होने का अनुमान है। दिन के पहले हिस्से में बारिश की 60% और दूसरे हिस्से में 55% संभावना है। ऑकलैंड में सीरीज का पहला मैच भी खराब मौसम से प्रभावित रहा था। मैच की शुरुआत 10 मिनट की देरी से हुई। बाद में भारत के लक्ष्य में भी बदलाव करना पड़ा था।

चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं लुईस हैमिल्टन





साओ पाउलो, एजेंसी। फेरारी ड्राइवर लुईस हैमिल्टन साओ पाउलो ग्रैंड प्रिक्स से पहले टीम के साथी चार्ल्स लेक्लर्क से आमने-सामने बात करना चाहते हैं। मेक्सिको में टीम के अंदर हुई लड़ाई के कारण फेरारी को पक्की 1-2 जीत से हाथ धोना पड़ा था। हैमिल्टन ने मेक्सिको सिटी ग्रैंड प्रिक्स में पोल पोजीशन से शुरुआत की थी। लेकिन पहले ही लैप में लेक्लर्क के साथ हुई टक्कर में उन्होंने अपनी जगह खो दी। लेक्लर्क को ट्रैक काटने के लिए टाइम पेनल्टी मिली, जबकि हैमिल्टन ग्रिड पर मैक्स वर्स्टैपेन से भी पिछड़ गए।

नतीजा यह हुआ कि फेरारी को जीत मिलने के बजाय हार का सामना करना पड़ा। ब्राजीलियन जीपी से पहले हैमिल्टन ने कहा, 'लेक्लर्क के साथ टीम की बातचीत अभी नहीं हो पाई है। वह अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण घर वापस चले गए थे। अब वह साओ पाउलो में उनसे सीधे बात करना चाहते हैं।' हैमिल्टन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि एक मीटिंग में सब कुछ खत्म हो जाएगा और सुलझ जाएगा, लेकिन यह जरूरी है। हम अभी जो बनाएंगे, वह हमें अगले साल के लिए सही स्थिति में रखेगा। कुछ मायनों में मुझे खुशी है कि हमें वह अनुभव मिला। बेशक, मैं चाहूंगा कि हम जीतें और 1-2 का स्कोर करें, लेकिन इससे आप सीख सकते हैं और हम और भी मजबूत हो सकते हैं।' मेक्सिको की घटना के बाद हैमिल्टन ने फेरारी के साथ गंभीर बातचीत की मांग की थी। उन्होंने कहा था, 'चार्ल्स के साथ जो हुआ, उसके बारे में मेरे पास कहने के लिए कुछ नहीं है। आप देख सकते हैं कि क्या हुआ और हम क्यों हार गए। ड्राइवर्स ब्रीफिंग में हमने चर्चा की थी कि टर्न 1 पर उतरते ही आपको अपनी पोजीशन वापस देनी होगी। पिछले साल मुझे उसी मूव के लिए 10 सेकंड की पेनल्टी मिली थी जो उसने किया था। आखिरकार, आज हम इसी वजह से जीत हार गए। हमें पर्दे के पीछे जरूर कुछ गंभीर बातचीत करनी होगी।' हैमिल्टन ने कहा, 'टीम में ऊर्जा सच में बहुत अच्छी है। मुझे लगता है कि वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हमने पिछली कुछ रेस में बहुत अच्छा काम किया है, किसी से भी ज्यादा पॉइंट बनाए हैं। हमने सच में अपना स्तर बढ़ाया है। कुछ बदलावों के साथ हमारा एग्जिक्यूशन बेहतर रहा है। इसके लिए हम काम कर रहे थे। मैं यह देखकर बहुत खुश हूं। हमें पिछली रेस में 1-2 से हारना नहीं चाहिए था। हमें यह पक्का करने के लिए काम करना होगा कि ऐसा फिर कभी न हो। उन्होंने कहा, 'मैं टीम के लिए अपनी जिम्मेदारी 100 प्रतिशत जानता हूं। यह कभी कम नहीं हुई है और न ही कभी होगी। हैमिल्टन ब्राजील में अपना 400वां ग्रैंड प्रिक्स शुरू करेंगे। इसके साथ ही वह फर्नांडो अलोंसो के बाद 400 रेस में हिस्सा लेने वाले दूसरे ड्राइवर बन जाएंगे।

ओलंपिक मार्सिले ने

बायर लेवरकुसेन को 1-0 से हराया

बर्लिन, एजेंसी। अमीन गौरी के दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से ओलंपिक मार्सिले ने गुरुवार को यूईएफए यूरोपा लीग में बायर लेवरकुसेन पर 1-0 से जीत हासिल की। मेहमान टीम ने बेएरिना में बेहतर शुरुआत की।

गौरी ने पेनल्टी एरिया के अंदर एक लंबे पास को नियंत्रित करने और अपने मार्कर से बचने के बाद शुरुआती मौका गंवा दिया, लेकिन गोलकीपर मार्क फ्लेकेन ने उसे रोक दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों में से किसी ने भी लगातार आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं किया। मेजबान टीम 42वें मिनट में गोल करने के सबसे



करीब पहुंची जब मिगुएल गुटिरेज का डिफ्लेक्टेड शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके बाद हाफटाइम से पहले जेरेल क्वांसाह का शॉट थोड़ा वाइड चला गया। लेवरकुसेन ने और ज्यादा आक्रामक खेलना शुरू किया, लेकिन पैट्रिक शिक ने 54वें मिनट में एक शॉट बार के ऊपर से मार दिया। मार्सिले ने इगोर पैक्साओ के जरिए जवाब दिया, जिनका लॉन्ग-रेंज शॉट टारगेट से थोड़ा चूक गया। इसके बाद जेफ्री कोंडोगबिया ने दूर से शॉट मारा, जो थोड़ा बाहर चला गया।

77वें मिनट में अहम पल आया जब लेवरकुसेन ने हाफवे लाइन के पास बॉल पर नियंत्रण खो दिया। गौरी ने जगह बनाई, एडमंड टैप्सोबा के अंदर कट किया और फ्लेकेन के पार दूर कोने में एक सटीक शॉट मारा। मेजबान टीम ने कई सेट पीस के जरिए दबाव बनाना जारी रखा, लेकिन बराबरी का गोल नहीं कर पाई।

रोहित शर्मा और विराट कोहली की गेम को समझने की क्षमता शानदार: फील्डिंग कोच



वेलिंगटन, एजेंसी। भारत के फील्डिंग कोच शुभदीप घोष ने सीनियर बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की अंदाजा लगाने और खेल को समझने की काबिलियत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि खास जगहों पर फील्डिंग करने का उनका अनुभव उन्हें दूसरों से बेहतर बनाता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले घोष ने बताया कि कैसे कोहली को कवर और पॉइंट जैसी जगहों की अच्छी जानकारी होने से उन्हें गेंद की दिशा पहले समझने में मदद मिलती है, जबकि रोहित के अंदाजे ने सीरीज के पहले मैच में डेरिल मिशेल के रन-आउट होने में अहम भूमिका निभाई। घोष ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'विराट ने कवर और पॉइंट पर कई बार फील्डिंग की है, इसलिए उन्हें गेंद की दिशा और रास्ता पता है, साथ ही यह भी पता है कि गेंद टकराने के बाद कैसे जाएगी। वह दूसरों की तुलना में स्थिति को थोड़ा पहले समझ लेते हैं, और आप उनके काम करने के तरीके में यह देख सकते हैं।'

शुभदीप ने पहले वनडे में मिचेल के आउट होने के दौरान रोहित की अवेयरनेस और तेज मूवमेंट पर भी जोर दिया। रोहित ने मिचेल को रन आउट किया था। उन्होंने कहा, 'जहां तक रोहित की बात है, मुझे लगता है कि उन्होंने उस रन-आउट के दौरान अंदाजा लगा लिया था कि गेंद स्क्वायर लेग की तरफ जाएगी। वह सीधे नहीं चल रहे थे। वह पहले से ही थोड़ा स्क्वायर लेग की तरफ जा रहे थे। उस शुरुआती अंदाजें ने उन्हें स्किल को पूरी तरह से करने में मदद की। अंदाजा लगाना फील्डिंग के सबसे जरूरी पहलुओं में से एक है।' शुभदीप ने कहा, 'हमने पहले वनडे में अच्छा किया। हमने कुछ अच्छे कैच लिए, विकेट लिए और बेहतरीन ग्राउंड फील्डिंग से इसे सपोर्ट किया। इंटेंसिटी बहुत अच्छी थी। जब आप विरोधी टीम को लगभग 180 रन पर रोकते हैं, तो यह न केवल अच्छी गेंदबाजी बल्कि क्वालिटी फील्डिंग को भी दिखाता है।

अलग-अलग कंडीशन में ढलने की चुनौती

फील्डिंग कोच ने विदेशी दौरों के दौरान अलग-अलग कंडीशन में ढलने की चुनौतियों के बारे में भी बात की, और बताया कि मैदान के आकार, मौसम और बाउंड्री की जगह के लिए खिलाड़ियों को अलर्ट रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'जब आप अलग-अलग देशों में जाते हैं, तो नई कंडीशन में ढलना हमेशा एक चुनौती होती है। ग्राउंड के आकार अलग-अलग होते हैं, और मौसम ठंडा हो सकता है, और ये ऐसी बातें हैं जिन पर हम ड्रेसिंग रूम में नियमित बात करते हैं।'

इंडिया-नेपाल:एशिया कप:

सहवाग के बेटे आर्यवीर का तूफान

भारतीय टीम की धमाकेदार शुरुआत, नेपाल को 10 विकेट से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप 2026 में शुक्रवार (6 नवंबर) को भारत और नेपाल के बीच मुकाबला खेला गया. अल अमेरात के अल अमरत क्रिकेट ग्राउंड (मिनिस्ट्री टर्फ 1) में आयोजित मुकाबले में भारतीय टीम ने 10 विकेट से जीत हासिल की. भारतीय टीम को जीत के लिए 129 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 19.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया. अब भारत का सामना 8 अक्टूबर को पाकिस्तान से होगा. रनचेज में भारतीय टीम के लिए वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने तूफानी बैटिंग की. आर्यवीर ने 52 बॉल पर नाबाद 70 रन बनाए, जिसमें सात चौके और 4 छक्के शामिल रहे. आर्यवीर ने पहले तो नजरें जमाईं. फिर बड़े शॉट्स खेले. देखते ही देखते ही आर्यवीर सहवाग ने 34 बॉल पर फिफ्टी पूरी कर ली. आर्यवीर ने अभय यादव की गेंद पर छक्का लगाकर ये उपलब्धि हासिल की. आर्यवीर सहवाग का साथ कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने बखूबी दिया. लक्ष्य ने 63 गेंदों पर नाबाद 53 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल रहे. आर्यवीर और लक्ष्य के सामने नेपाली गेंदबाज बेबस नजर आए.

ईशान ने गेंद से काटा गदर

मुकाबले में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए नेपाल की पूरी टीम 42.3 ओवरों में 128 रनों पर ढेर हो गई. नेपाल के लिए सबसे ज्यादा रन दर्श सोनार ने बनाए. दर्श ने 1 चौके और 1 सिक्स की मदद से 93 बॉल पर 43 रनों का योगदान दिया. वहीं आशीष लुहार ने 45 बॉल पर 29 रनों की पारी खेली, जिसमें चार चौके शामिल रहे. दर्श और आशीष के बीच पांचवें विकेट के लिए 45 रनों की साझेदारी हुई. इन दोनों के अलावा सलामी बल्लेबाज नीरज कुमार यादव (20 रन) ही दोहरे अंकों तक पहुंच सके. भारतीय टीम के लिए ईशान सूद ने 18 रन देकर तीन विकेट झटके. वहीं स्पिनर अर्जुन राजपूत ने भी तीन सफलताएं हासिल कीं. उधर यशवीर गौड़ को दो विकेट हासिल हुए. जबकि काव्या चौहान और मनाल पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया.





आनंद सर को मुझ पर भरोसा था, उन्होंने मुझे खुलकर काम करने और प्रयोग करने की आजादी दी

आलिया भट्ट की 'डोंट बी शाय' से डेब्यू करने वाले अंश दुग्गल अब आनंद एल राय की फिल्म में सोलो लीड हैं। मॉडलिंग से एक्टिंग तक के सफर, छोड़े गए प्रोजेक्ट्स और 'नखरेवाली' के मैसेज पर हुई खास बातचीत...

सोलो लीड फिल्म मिलने में 7-8 साल लगे। इस दौरान कितने प्रोजेक्ट्स छूटे?

'नखरेवाली' मुझे 2023-24 के दौरान ऑफर हुई थी। इस सफर में हर साल कम से कम एक अच्छा प्रोजेक्ट छोड़ना पड़ा, क्योंकि मैं सोलो लीड के तौर पर पहचान बनाना चाहता था। फैसला जोखिम भरा था, लेकिन भरोसा था कि कुछ अच्छा होगा। प्रोजेक्ट्स के नाम अभी नहीं बता सकता।

आपका किरदार मजनू से लैला की स्थिति में पहुंचता है। क्या वजह रही?

मेरा किरदार मानता है कि लड़कियों के लिए कुछ चीजें आसान हैं। हीरोइन उसे चुनौती देती है कि अगर ऐसा लगता है तो दिल्ली जैसे शहर में लड़की बनकर रहकर दिखाए। इसके बाद उसे लैला की स्थिति में आना पड़ता है। हम कॉमेडी के जरिए दिखाना चाहते हैं कि पितृसत्तात्मक सोच वाले परिवार से आने वाले लड़के को लड़की की चुनौतियों का कुछ अंदाजा कैसे होता है।

आनंद एल राय के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

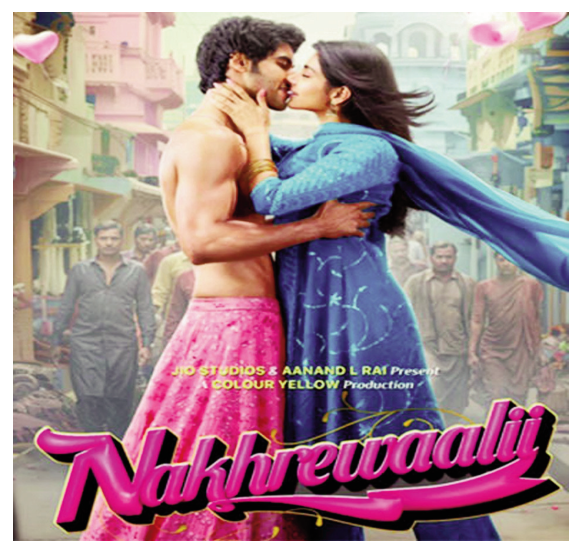
आनंद सर ने कहा कि उन्होंने मुझे फिल्म में लिया है क्योंकि उन्हें मुझ पर भरोसा है। उन्होंने मुझे खुलकर काम करने और प्रयोग करने की आजादी दी। कॉमेडी में यह बहुत जरूरी है। पता हो कि पीछे आनंद एल राय जैसे फिल्ममेकर हैं, तो कलाकार अपने काम को लेकर सहज रहता है। हमने सेट पर खूब मस्ती की और प्यार से फिल्म बनाई।

आलिया भट्ट के प्रोडक्शन में काम करने का अनुभव कैसा रहा था?

आलिया फिल्म के लगभग हर पहलू से जुड़ी थीं। कास्टिंग, स्क्रिप्टिंग, पोस्टर और प्रमोशन तक उनकी भागीदारी रही। उन्होंने कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि वह प्रोड्यूसर हैं और हम नए कलाकार। उन्होंने हम पर भरोसा किया और पूरी टीम का उद्देश्य फिल्म को अच्छा बनाना था। आगे उनके प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करने का मौका मिला तो खुशी होगी।

दिल्ली से मुंबई आने और एक्टिंग में करियर बनाने की शुरुआत कैसे हुई?

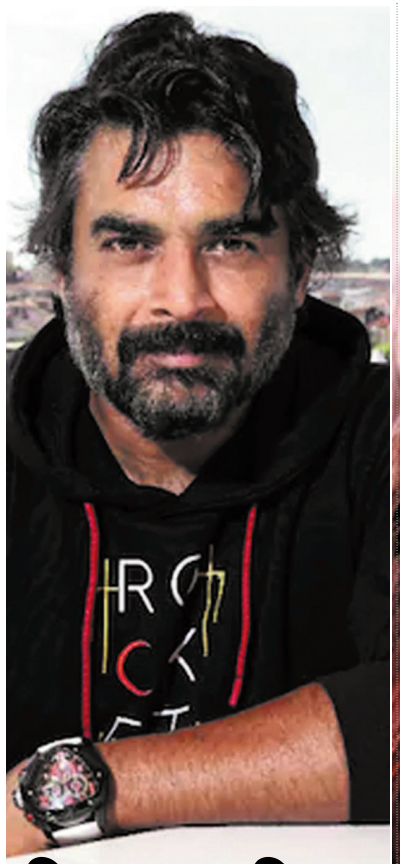
मैं दिल्ली के पश्चिम विहार से हूं। परिवार का फिल्म इंडस्ट्री से कोई संबंध नहीं है। बचपन में शर्मीला था और एक्टिंग का सपना भी नहीं था। कॉलेज में कुछ अलग करने की इच्छा हुई तो जिम और मॉडलिंग शुरू की। दोस्तों के साथ ऑडिशन देने गया, एक पेजेंट में हिस्सा लिया और जीतने के बाद मुंबई आने का मौका मिला। दादाजी मुझे हमेशा हीरो कहते थे और चाहते थे कि मैं कुछ बड़ा करूं।



उनका सपोर्ट भी मेरे लिए अहम रहा।

मॉडलिंग में कामयाबी मिलने के बाद एक्टिंग की ओर क्यों आए थे?

मुंबई में शुरुआती दो-तीन साल अच्छे रहे। बड़े शोज और कमर्शियल्स किए, लेकिन धीरे-धीरे लगा कि मुझे कुछ और करना है। एक्टिंग क्लासेज और वर्कशॉप शुरू कीं। किरदारों के साथ काम करने का अनुभव पसंद आया और समझ आया कि यही करना है। मैं अच्छा एक्टर भी बनना चाहता था और हीरो भी।



विशाल फुरिया के साथ हॉरर फिल्म करेंगे आर माधवन

आर माधवन ऐसे अभिनेता हैं जो हर तरह के किरदार निभाते हैं। खास बात यह है कि वह हर किरदार में पूरी तरह से ढल जाते हैं। उन्होंने फिल्म 'शैतान' में अपने अभिनय से दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए थे। अब वह विशाल फुरिया की अपकमिंग फिल्म के साथ हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं। माधवन के साथ काम करने पर विशाल ने कहा, 'माधवन सर हमेशा से मेरी पहली और इकलौती पसंद थे। मैं बहुत खुश हूं कि वह इस प्रोजेक्ट से जुड़ गए हैं। उन्होंने अभी से फिल्म की दुनिया में ढलना शुरू कर दिया है। वह कल्ट क्लासिक भारतीय हॉरर फिल्म '13बी' के असली हॉरर स्टार हैं। यह मेरी अब तक की पसंदीदा फिल्मों में से एक है। उनका अनुभव और गंभीर हॉरर की उनकी समझ बहुत ही खास है। इस फिल्म के लिए मुझे उनसे बेहतर कोई और नहीं सूझा।'

खास फिल्म बनाना चाहते हैं विशाल

उन्होंने आगे कहा, 'माधवन सर के पास एक लेखक, निर्देशक और निर्माता के रूप में वर्षों का अनुभव है, इसलिए इस फिल्म में उनका हमारे साथ होना वाकई बहुत खास है। हम मिलकर कुछ ऐसा बनाना चाहते हैं जो दर्शकों ने भारतीय हॉरर फिल्मों में पहले कभी न देखा हो। एक ऐसा डर जो सीधे उनके रोंगटे खड़े कर दे!' अभी तक बिना नाम वाली इस फिल्म के बारे में बाकी जानकारी का इंतजार है। इस प्रोजेक्ट को रोहित रंजन के 'फ्रॉस्टलिट प्रोडक्शन लिमिटेड' के बैनर तले प्रोड्यूस किया जाएगा। फिल्म शैतान 8 मार्च 2024 को रिलीज हुई थी। इसमें अजय देवगन, आर माधवन और ज्योतिका थीं। आर माधवन ने इसमें खलनायक वनराज का किरदार निभाया था।

विशाल फुरिया की फिल्में

विशाल फुरिया मुख्य रूप से काजोल अभिनीत फिल्म 'मां' को निर्देशित करने के लिए जाने जाते हैं। इसमें काजोल, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा शर्मा थे। 65 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने भारत में सिर्फ 36.27 करोड़ रुपये कमाए थे। विशाल फुरिया ने नुसरत भरुचा की फिल्म 'छोरी' का भी निर्देशन किया था।



सत्यवान सावित्री में वकील बनीं कीर्ति, माइस्किन के किरदार से होगी टक्कर

कीर्ति सुरेश की आने वाली फिल्म 'सत्यवान सावित्री' का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म में कीर्ति के साथ एक्टर और निर्देशक माइस्किन भी लीड रोल में नजर आएंगे। टीजर में कीर्ति एक ऐसी युवा वकील की भूमिका में दिखाई दे रही हैं, जो अपने करियर में आगे बढ़ना चाहती हैं। इस दौरान उनका सामना एक अनुभवी और वरिष्ठ वकील से होता है। दोनों के बीच विचारों का टकराव कहानी का अहम हिस्सा नजर आ रहा है। फिल्म के करीब एक मिनट 19 सेकंड के टीजर में कीर्ति के किरदार सावित्री की झलक दिखाई गई है। वह एक युवा और महत्वाकांक्षी वकील हैं, जो अपने काम में आगे बढ़ना चाहती हैं। उनका सपना एक सफल वकील बनने का है, लेकिन इस रास्ते में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में उनका सामना मार्कंडेय नाम के वरिष्ठ वकील से होता है, जिसका किरदार माइस्किन ने निभाया है। फिल्म में माइस्किन एक वरिष्ठ वकील मार्कंडेय की भूमिका निभा रहे हैं। 'सत्यवान सावित्री' का लेखन और निर्देशन प्रवीण एस. विजय ने किया है। यह फिल्म 20 नवंबर को रिलीज होगी।

फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव पर श्रद्धा कपूर ने दिया बयान

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में श्रद्धा कपूर बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं। आज ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने फिल्मों खुलासा किया कि क्यों उन्होंने इस फिल्म के लिए हां किया साथ ही बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर अपनी राय रखी।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'हमारी इंडस्ट्री को अच्छी कहानी की जरूरत है। इस तरह की फिल्में बननी चाहिए। मुझे लगता है कि ये बहुत छोटी सोच होती है। हमें इंडस्ट्री के बारे में सोचना चाहिए कि हम इंडस्ट्री को आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। जब हम सब ऐसा सोचेंगे ना, तब हमारी इंडस्ट्री बहुत आगे बड़ी हो जाएगी।' श्रद्धा ने कहा कि वह इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्हें 'ईठा' जैसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। उन्होंने 'छावा' के बाद एक अलग विषय चुनने के लिए निर्देशक लक्ष्मण उतेकर की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'जाहिर सी बात है कि मैं बहुत खुश हूं कि मुझे इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। 'छावा' के बाद लक्ष्मण सर के लिए सबसे आसान होता कि वह एक और योद्धा पर आधारित फिल्म बनाते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मैंने उनसे इस बारे में पूछा भी था। तब उन्होंने मुझसे कहा, 'मैं एक अलग दुनिया दिखाना चाहता हूं।' मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत शानदार फैसला लिया है।'

फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुड्डा अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा रणदीप फिल्म में अन्ना सावंत मर्चेंट का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, मोहम्मद जीशान अय्यूब, अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह और उल्का गुप्ता भी फिल्म का हिस्सा हैं। दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर भी इस फिल्म में नजर आएंगे।



माइथो क्रिएचर 'कालिया' में दिखेंगे कार्तिक आर्यन

करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस अब बड़े पैमाने की पौराणिक क्रिएचर फिल्म 'कालिया' पर दांव लगाने की तैयारी में है। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि 'द नाइट मैनेजर' फेम संदीप मोदी निर्देशन की कमान संभालेंगे। इसकी शूटिंग दिसंबर 2026 में शुरू हो सकती है। चर्चा यह भी है कि फिल्म का आधिकारिक ऐलान दिवाली पर 'रामायण' के प्रिंट्स के साथ एक विशेष वीडियो के जरिए किया जा सकता है। हालांकि आधिकारिक पुष्टि होनी बाकी है।

'कालिया' के जरिए कार्तिक, करण और संदीप पहली बार एक साथ काम कर सकते हैं। बता दें कि 2019 में धर्मा प्रोडक्शंस ने कार्तिक के साथ 'दोस्ताना 2' की घोषणा की थी। बाद में फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई और दोनों के बीच मतभेद की खबरें सामने आईं। इसके बाद 2023 में 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साथ दोनों की साझेदारी आगे बढ़ी थी।

माइथो स्टोरी में दिखेगा क्रिएचर का संसार

'कालिया' पारंपरिक माइथोलॉजी फिल्मों से अलग एक क्रिएचर फिल्म होगी। ऐसे जॉनर में माइथो रेफरेंस के साथ काल्पनिक जीवों की डिजाइनिंग, विजुअल इफेक्ट्स और बड़े स्तर पर विश्व-निर्माण अहम होते हैं। वहीं फिल्म के ऐलान को 'रामायण' के सिनेमाघरों में प्रदर्शन से जोड़ने की चर्चा इसके प्रमोशनल प्लान को और भी खास बनाती है। कार्तिक के खाते में आगे भी इस बैनर के साथ फैंटेसी फिल्म 'नागजिला' है, जो अगले साल रिलीज होगी।

राघवजुयाल ने शुरू की 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग

रेमो डिसूज़ा हैं निर्देशक



राघव जुयाल ने अपनी नई फिल्म 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन रेमो डिसूज़ा कर रहे हैं। राघव ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी साझा की। उन्होंने इस फिल्म को अपने करियर की सबसे अहम फिल्म बताया। उनके मुताबिक... 'यह फिल्म उनके लिए इसलिए खास नहीं है कि यह कितनी बड़ी है, बल्कि इसलिए है क्योंकि उन्होंने कई साल पहले इसके बारे में सोचा था और इसे अपने सपने का हिस्सा बनाया था। अब उस सपने को हकीकत में बदलते देखना उनके लिए बहुत भावुक पल है।' राघव ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह इस फिल्म के लिए अपना सब कुछ लगा देंगे। उनकी कोशिश है कि वह ऐसा अभिनय और नृत्य पेश करें, जैसा दर्शकों ने पहले किसी नृत्य पर आधारित फिल्म में नहीं देखा होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ सपनों को पूरा होने में कई साल लग जाते हैं लेकिन जब वे पूरे होते हैं तो एहसास होता है कि वे सपने कभी हमसे दूर गए ही नहीं थे। हालांकि, फिल्म की कहानी और इसमें शामिल दूसरे कलाकारों के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।



कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य

आर्यभट्ट के अनुसार महाभारत युद्ध 3137 ईपू में हुआ। इस युद्ध के 35 वर्ष पश्चात भगवान कृष्ण ने देह छोड़ दी थी तभी से कलियुग का आरंभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार 8वें अवतार के रूप में विष्णु ने यह अवतार 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्रीकृष्ण के रूप में देवकी के गर्भ से 8वें पुत्र के रूप में मथुरा के कारागार में जन्म लिया था। उनका जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकलने के बाद 8वें मुहूर्त में हुआ। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि थी जिसके संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5125 वर्ष पूर्व) को जन्म हुआ।

ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था। भगवान श्रीकष्ण ने आठ महिलाओं से विधिवत विवाह किया था। इन आठ महिलाओं से उनको 80 पुत्र मिले थे। इन आठ महिलाओं को अष्टा भार्या कहा जाता था। इनके नाम हैं : अष्ट भार्या : कृष्ण की 8 ही पत्नियां थीं यथा- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा।

- श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के पुत्र - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू।
- जाम्बवती-कृष्ण के पुत्र - साम्ब, सुमित्र, पुरुजित, शतजित, सहस्त्रजित, विजय, चित्रकेतु, वसुमान, द्रविड़ और क्रतु।
- सत्यभामा-कृष्ण के पुत्र - भानु, सुभानु, स्वरभानु, प्रभानु, भानुमान, चंद्रभानु, वृहद्भानु, अतिभानु, श्रीभानु और प्रतिभानु।
- कालिंदी-कृष्ण के पुत्र- श्रुत, कवि, वृष, वीर, सुबाहु, भद्र, शांति, दर्श, पूर्णमास और सोमक।
- मित्रविन्दा-श्रीकृष्ण के पुत्र- वृक, हर्ष, अनिल, गृध्र, वर्धन, अन्नाद, महांस, पावन, वह्नि और क्षुधि।
- लक्ष्मणा-श्रीकृष्ण के पुत्र- प्रघोष, गात्रवान, सिंह, बल, प्रबल, ऊर्ध्वग, महाशक्ति, सह, ओज और अपराजित।
- सत्या-श्रीकृष्ण के पुत्र- वीर, चन्द्र, अश्वसेन, चित्रगुप्त, वेगवान, वृष, आम, शंकु, वसु और कुंति।
- भद्रा-श्रीकृष्ण के पुत्र-संग्रामजित, वृहत्सेन, शूर, प्रहरण, अरिजित, जय, सुभद्र, वाम, आयु और सत्यक।

कृष्ण कुल का नाश

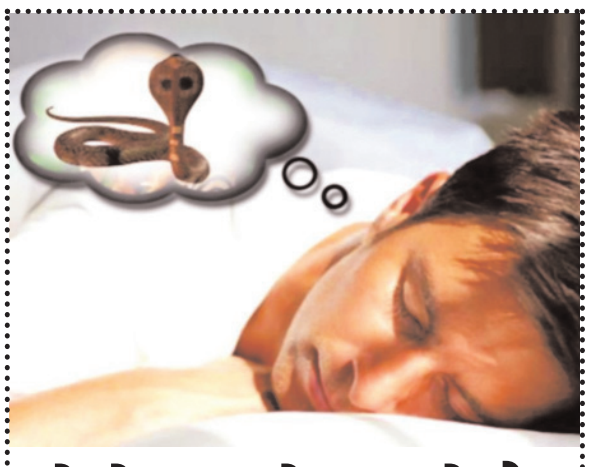
गांधारी के शाप के चलते भगवान श्री कृष्ण के कुल का नाश हो गया था। उल्लेखनीय है कि गांधारी ने यदुकुल या यदुवंश के नाश का शाप नहीं दिया था। मथुरा अंधक संघ की राजधानी थी और द्वारिका वृष्णियों की। ये दोनों ही यदुवंश की शाखाएं थीं। यदुवंश में अंधक, वृष्णि, माधव, यादव आदि वंश चला। श्रीकृष्ण ने मथुरा से जाकर द्वारिका में अपना स्थान बनाया था। श्रीकृष्ण ने द्वारिका का फिर से निर्माण कराया था, क्योंकि उनकी चीन यात्रा के दौरान शिशुपाल ने द्वारिका को नष्ट कर दिया था। श्रीकृष्ण वृष्णि वंश से थे। वृष्णि ही 'वार्ष्णेय' कहलाए, जो बाद में वैष्णव हो गए।

महाभारत युद्ध के बाद जब 36वां वर्ष प्रारंभ हुआ तो राजा युधिष्ठिर को तरह-तरह के अपशकुन दिखाई देने लगे। विश्वामित्र, असित, दुर्वासा, कश्यप, वशिष्ठ और नारद आदि बड़े-बड़े ऋषि द्वारका के पास पिंडारक क्षेत्र में निवास कर रहे थे। एक दिन सारण आदि किशोर जाम्बवती नंदन साम्ब को स्त्री वेश में सजाकर उनके पास ले गए और बोले- ऋषियों, यह कजरारे नैनों वाली बभ्रु की पत्नी है और गर्भवती है। यह कुछ पूछना चाहती है लेकिन सकुचाती है। इसका प्रसव समय निकट है, आप सर्वज्ञ हैं। बताइए, यह कन्या जनेगी या पुत्र। ऋषियों से मजाक करने पर उन्हें क्रोध आ गया और वे बोले, 'श्रीकृष्ण का पुत्र साम्ब वृष्णि और अर्धकवंशी पुरुषों का नाश करने के लिए लोहे का एक विशाल मूसल उत्पन्न करेगा। केवल बलराम और श्रीकृष्ण पर उसका वश नहीं चलेगा। बलरामजी स्वयं ही अपने शरीर का परित्याग करके समुद्र में प्रवेश कर जाएंगे और श्रीकृष्ण जब भूमि पर शयन कर रहे होंगे, उस समय जरा नामक व्याध उन्हें अपने बाणों से बींध देगा।' मुनियों की यह बात सुनकर वे सभी किशोर बहुत डर गए। उन्होंने तुरंत साम्ब का पेट (जो गर्भवती दिखने के लिए बनाया गया था) खोलकर देखा तो उसमें एक मूसल मिला। वे सब बहुत घबरा गए और मूसल लेकर अपने आवास पर चले गए। उन्होंने भरी सभा में वह मूसल ले जाकर रख दिया। उन्होंने राजा उग्रसेन सहित सभी को यह घटना बता दी। उन्होंने उस मूसल का चूरा-चूरा कर डाला तथा उस चूरे व लोहे के छोटे टुकड़े को समुद्र में फिंकवा दिया जिससे कि ऋषियों की भविष्यवाणी सही न हो। लेकिन उस टुकड़े को एक मछली निगल गई और चूरा लहरों के साथ समुद्र के किनारे आ गया और कुछ दिन बाद एरक (एक प्रकार की घास) के रूप में उग आया। मछुआरों ने उस मछली को पकड़ लिया। उसके पेट में जो लोहे का टुकडा था उसे जरा नामक ब्याध ने अपने बाण की नोंक पर लगा लिया। मुनियों के शाप की बात श्रीकृष्ण को भी बताई गई थी। उन्होंने कहा- ऋषियों की यह बात अवश्य सच होगी। एकाएक उन्हें गांधारी के शाप की बात याद आ गई। वृष्णिवंशियों को दो शाप- एक गांधारी का और दूसरा ऋषियों का। श्रीकृष्ण सब कुछ जानते थे लेकिन शाप पलटने में उनकी रुचि नहीं थी।

36वां वर्ष चल रहा था। उन्होंने यदुंवशियों को तीर्थयात्रा पर चलने की आज्ञा दी। वे सभी प्रभास में उत्सव के लिए इकट्ठे हुए और किसी बात पर आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ा कि वे वहां उग आई घास को उखाड़कर उसी से एक-दूसरे को मारने लगे। उसी 'एरका' घास से यदुवंशियों का नाश हो गया। हाथ में आते ही वह घास एक विशाल मूसल का रूप धारण कर लेती। श्रीकृष्ण के देखते-देखते साम्ब, चारुदेष्ण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध की मृत्यु हो गई।

मौसुल युद्ध

इस आपसी झगड़े को मौसुल युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध के कई रहस्य हैं। झगड़े की शुरुआत कृतवर्मा के अपमान से हुई। सात्यकि ने मदिरा के आवेश में उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि अपने को क्षत्रिय मानने वाला ऐसा कौन वीर होगा, जो रात में मुर्दे की तरह सोए मनुष्यों की हत्या करेगा। तूने जो अपराध किया है, यदुवंशी उसे कभी माफ नहीं कर सकते। उसके ऐसा कहने पर प्रद्युम्न ने भी कृतवर्मा का अपमान करते हुएउनकी बात का समर्थन किया। कृतवर्मा ने महाभारत का युद्ध लड़ा था और वे युद्ध में जीवित बचे 18 योद्धाओं में से एक थे। कृतवर्मा यदुवंश के अंतर्गत भोजराज हृदिक का पुत्र और वृष्णि वंश के 7 सेनानायकों में से एक था। महाभारत युद्ध में इसने एक अक्षौहिणी सेना के साथ दुर्योधन की सहायता की थी। कृतवर्मा कौरव पक्ष का अतिरथी योद्धा था। कृतवर्मा को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने एक हाथ उठाकर सात्यकि का तिरस्कार करते हुए कहा, 'भूरिश्रवा की बांह कट गई थी और वे मरणांत उपवास का निर्णय कर युद्ध भूमि में बैठ गए थे, उस अवस्था में भी तुमने वीर कहलाकर भी उनकी नृशंसतापूर्वक हत्या क्यों कर दी थी। यह तो नपुंसकों जैसा कृत्य था। इस बात पर सात्यकि को क्रोध आ गया। उन्होंने तलवार से कृतवर्मा का सिर धड़ से अलग कर दिया। बात बढ़ती चली गई और सब काल-कवलित हो गए। मूसल के प्रहार से उन सबने एक-दूसरे की जान ले ली।



ऐसे सपने बताते हैं घर में आने वाली हैं खुशियां

सपने सभी को दिखाई देते हैं। उनमें से कुछ सपने अच्छे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जबकि कुछ भविष्य में आने वाली परेशानियों से आगाह करते हैं। स्वप्न ज्योतिष के अनुसार, सपनों का संबंध कहीं न कहीं आपके मन और आपकी चाहतों से होता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्ताओं के अनुसार सपने आने वाले शुभ और अशुभ फलों के बारे में बताते हैं। कुछ सपने ऐसे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इनके दिखने का मतलब है घर में आने वाली है बड़ी खुशी। आइए जानते है कुछ ऐसे ही सपनों के बारे में जो ये संकेत देते हैं।

अनार का फल देखना

अनार का फल देखने का मतलब है धन लाभ भी और संतान प्राप्ति का संकेत देता हैं।

आम का पेड़ देखना

अगर सपने में आप आम से लदे हुए पेड़ को देखते हैं तो यह संकेत है कि आपके घर में खुश खबरी आने वाली है।

सपने में सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आपको सपने में सांप दिखने लगे तो इसका मतलब है कि आपके घर में नए मेहमान का आगमन हो सकता है यानी आपके घर में संतान का जन्म हो सकता है। यह सपना धन लाभ का भी सचक माना जाता है।

छोटे बच्चो को खेलते हुए देखना

छोटे बच्चे को खेलते हुए देखने का मतलब है आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी और संतान प्राप्ति का योग बनेगा।

सेब खाते हुए देखना

महलिाओं का सेब खाते हुए देखने का मतलब है कि खुशखबरी आने वाली है। वह मां बन सकती हैं। गोद में और फलों की टोकरी देखने का मतलब भी संतान प्राप्ति माना गया है।

इमली खाते हुए देखना

सपने में ईमली खाते हुए देखने का मतलब है आपके घर में बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

दर्पण देखना

सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि आपको जल्दी ही संतान सुख मिलेगा।

हरा-भरा खेत देखना

सपने में हरा भरा खेत दिखना मतलब जीवन में हरयिाली यानी धन और सुख का समय आने वाला है। यह सपना संतान प्राप्ति का भी सूचक माना जाता है।

लाल फूल का दिखना

सपने में लाल फूल का दखिना अच्छा शगुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको संतान सुख मिलेगा।

नाखून का बढ़ा हुआ देखना

अपने नाखून का बढ़ा हुआ देखना अच्छा शगुन माना जाता है। यह स्वप्न बताता है कि आपको कहीं से धन लाभ मिलेगा। यह स्वप्न नि :संतान दंपति को संतान सुख का संकेत देता है।



इस श्राप के कारण शिवजी ने काटा था गणेशजी का सिर

पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि एक बार शिवजी ने अपने पुत्र गणेश का सिर त्रिशूल से काट दिया था। मगर, क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने की स्थिति क्यों बनी थी। वह क्या श्राप था, जिसकी वजह से भोलेनाथ को भी पीड़ा उठानी पड़ी।

गणेशजी के जन्म की कहानी

एक बार शिवजी के गण नंदी ने देवी पार्वती की आज्ञा पालन में त्रुटि कर दी थी। इससे नाराज देवी ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसमें प्राण डाल दिए और कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। तुम मेरी ही आज्ञा का पालन करना किसी और की नहीं। देवी पार्वती ने यह भी कहा कि मैं स्नान के लिए जा रही हूं। ध्यान रखना कोई भी अंदर न आने पाए। थोड़ी देर बाद वहां भगवान शंकर आए और देवी पार्वती के भवन में जाने लगे। यह देखकर उस बालक ने विनयपूर्वक उन्हें रोकने का प्रयास किया। बालक का हठ देखकर भगवान शंकर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। देवी पार्वती ने जब यह देखा तो वे बहुत क्रोधित हो गई। उनकी क्रोध की अग्नि से सृष्टि में हाहाकार मच गया। तब सभी देवताओं ने मिलकर उनकी स्तुति की और बालक को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। तब भगवान शंकर के कहने पर विष्णुजी एक हाथी का सिर काटकर लाए और वह सिर उन्होंने उस बालक के धड़ पर रखकर उसे जीवित कर दिया। तब भगवान शंकर व अन्य देवताओं ने उस गजमुख बालक को अनेक आशीर्वाद दिए। देवताओं ने गणेश, गणपति, विनायक, विघ्नहरता, प्रथम पूज्य आदि कई नामों से उस बालक की स्तुति की।

यह था शिवजी को श्राप

एक समय में माली और सुमाली दो राक्षस थे जो शिव को समर्पित थे। सूर्य देव उन राक्षसों को उनके पापों के लिए मारने वाले थे। राक्षसों ने शिव से प्रार्थना की और शिव ने उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने सूर्य को अपने त्रिशूल से मार दिया और इससे सारी दुनिया अंधेरे में डूब गयी। त्रिशूल की चोट से सूर्य की चेतना नष्ट हो गई और वह तुरंत रथ से नीचे गिर पड़े। जब कश्यपजी ने देखा कि उनका पुत्र मरणासन्न अवस्था में हैं, तो वे उसे छाती से लगाकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे। सारे देवताओं में हाहाकार मच गया। सभी भयभीत होकर रोने लगे। तब ब्रह्मा के पौत्र तपस्वी कश्यप जी ने शिवजी को शाप दिया, वे बोले जैसा आज तुम्हारे प्रहार के कारण मेरे पुत्र का हाल हो रहा है। ठीक वैसे ही तुम्हारे पुत्र पर भी होगा। तुम स्वयं अपने ही पुत्र का मस्तक काट दोगे। इसी श्राप के कारण ऐसे संयोग बने कि महादेव को गणेश जी का सर काटना पड़ा।



विदेशों में भी मानते हैं मोर पंखों को शुभ

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं। मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।

यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।